डिजिटल संस्करण

केशव टाइम्स

शनिवार

16 मार्च 2024

आपकी आवाज

दिल्ली में रह रहे दरभंगा के 4 लोगों की दम घुटने से मौत 2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

नीतीश कैबिनेट का विस्तार, 21 नए मंत्रियों ने ली मंत्री पद की शपथ

- मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के मंत्रिमंडल में 21 नए चेहरों के शामिल होने के बाद अब कुल 30 मंत्री हो गए हैं
- 21 मंत्रियों में जदयू कोटे से नौ और भाजपा कोटे से 12 मंत्री बनाए गए

केटी न्यूज/पटना

बिहार में नीतीश कैबिनेट का विस्तार शुक्रवार को किया गया। राजभवन के राजेंद्र मंडपम में राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने सभी 21 नए मंत्रियों को पद और गोपनियता की शपथ दिलाई। इसी के साथ अब नीतीश मंत्रिमंडल में कुल 30 विभागीय मंत्री हो गए हैं। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार बनने के 46 दिन बाद मंत्रिमंडल का विस्तार किया गया है। इसमें तीन महिला मंत्री को जगह दी गई है। नए 21 मंत्रियों में जदयू कोटे से नौ और भाजपा कोटे से 12 मंत्री बनाए गए।

बताते चलें कि बीजेपी और जदयू के गठबंधन के बाद जब सरकार बनी तब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सहित भाजपा और जदयू नौ विधायक मंत्री बनाए गए। अब मंत्रिमंडल विस्तार के दौरान कल 21 मंत्रियों ने पद और गोपनीयता की शपथ ली। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा की मौजूदगी में सभी नए मंत्रियों ने शपथ ग्रहण कर लिया है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के मंत्रिमंडल में 21 नए चेहरों के शामिल होने के बाद अब कुल 30 मंत्री हो गए हैं। आज नीतीश मंत्रिमंडल में शामिल होने वाले 21 नए चेहरों में रेणु देवी, मंगल पांडेय, नीरज कुमार बबलू, अशोक चौधरी, लेसी सिंह, मदन सहनी, नीतीश मिश्रा, नितिन नवीन, दिलीप जायसवाल, महेश्वर हजारी, शीला कुमारी मंडल, सुनील कुमार, जनक राम, हरी सहनी, कृष्णनंदन पासवान, जयंत राज, जमा खान, रत्नेश सदा, केदार प्रसाद गुप्ता, सुरेंद्र मेहता और संतोष कुमार सिंह शामिल हैं। इनमें महेश्वर हजारी नया नाम है।

शपथ के दौरान लगे जय श्रीराम के जयकारे

भाजपा कोटे से मंत्री बने नीरज सिंह बबलू ने शपथ लेने के बाद प्रभु श्रीराम के जयकारे लगाए। इनसे पहले भाजपा कोटे से रेणु देवी और मंगल पांडेय ने मंत्री पद की शपथ ली। वहीं जदयू कोटे से अशोक चौधरी ने मंत्री पद की शपथ ली। वह महागठबंधन सरकार में भी मंत्री थे। बीजेपी कोटे से नीतीश मिश्रा और हरि सहनी ने मैथिली भाषा में शपथ ग्रहण की।

अगर हमें उचित सम्मान नहीं मिला तो हम कहीं भी जाने को स्वतंत्र हैं: पशुपति पारस

एलजेपी अध्यक्ष हाजीपुर सीट छोड़ने को तैयार नहीं

केटी न्यूज/पटना

केंद्रीय मंत्री और राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के अध्यक्ष पशुपति कुमार पारस ने एक बार फिर अपने बयान से बिहार एनडीए में खलबली मचा दी है। उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि लोकसभा चुनाव को लेकर बैठक में हमारी पार्टी को तरजीह नहीं दी गई है। इससे हमारी पार्टी के कार्यकताओं में काफी निराशा की स्थिति है। उन्होंने कहा कि राजनीति करने वाला आदमी कोई साधु नहीं होता है। कहा कि लोकतंत्र और प्रजातांत्रिक व्यवस्था में जनता सर्वोपरि है और जनता मान्य है। हमारी पार्टी के पार्लियामेंट्री बोर्ड का फैसला आया है। जब तक विधिवत बीजेपी का लिस्ट प्रसारित नहीं होता है। हमारी पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बीजेपी और माननीय प्रधानमंत्री जी से आग्रह है। हमारी पार्टी के पांच सांसद हैं, उनके लिए पुनः विचार करें। हमें उचित सम्मान नहीं मिला तो हमारा दरवाजा खुला है। हम कहीं भी जा सकते हैं। हम स्वतंत्र हैं।

पशुपति पारस हाजीपुर सीट को लेकर जिद पर अड़े हैं। इसी बीच चिराग पासवान की जेपी नड्डा से मुलाकात हुई। जिसमें कहा गया है कि चिराग पासवान को हाजीपुर सीट दी गई है। उसके अलावा उन्हें अन्य चार सीटों पर चुनाव लड़ने को कहा गया है। हालांकि सीटों का विवरण अभी नहीं आया है। लेकिन चिराग समर्थकों में इस बात को लेकर खुशी है। वहीं दूसरी ओर पशुपति पारस ने साफ किया कि वे हाजीपुर से ही चुनाव लड़ेंगे। वे हाजीपुर नहीं छोड़ेंगे।

अमित शाह बोले.. एक हफ्ते रुकें सभी आपको उचित जगह बैठे मिलेंगे

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बिहार में एनडीए के घटक दलों के बीच चल रहे मतभेद के बारे में कहा कि देखिए सामने जो चीजें दिख रही हैं, वैसी बिल्कुल भी नहीं हैं। आप एक हफ्ते रुकिए, सभी आपको उचित जगह पर बैठे मिलेंगे। कहा कि राजनीति में सभी का अपनी बात रखने का अधिकार होता है और सभी दलों का अपनी ताकत के हिसाब से मांग का भी अधिकार है। जब सब लोग मिलकर बैठते हैं और चर्चा करते हैं तो कोई-न-कोई दल जरूर समझौता करता है। चर्चा में कोई-न-कोई हल जरूर निकल कर आता है।

इलेक्टोरल बॉन्ड से बीजेपी को मिला 60 अरब का चंदा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बाद चुनाव आयोग ने इलेक्टोरल बॉन्ड का पांच साल का डेटा अपनी वेबसाइट पर जारी कर दिया। भारतीय स्टेट बैंक की ओर से दी गई डिटेल पर चुनाव आयोग ने इलेक्टोरल बॉन्ड डोनर्स की लिस्ट जारी की है। डिटेल के अनुसार सबसे ज्यादा चंदा भारतीय जनता पार्टी को मिला है। 5 साल में बीजेपी ने 60 अरब से भी ज्यादा रकम के इलेक्टोरल बॉन्ड इनकैश किए हैं। पार्टी ने 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले 17 करोड़ इनकैश किया था।

हालांकि डिटेल में यह नहीं बताया गया है कि किस डोनर ने किस पार्टी को चंदा दिया है। फिलहाल सिर्फ यही जानकारी दी गई है कि किस डोनर ने कितना चंदा दिया और किस पार्टी को कितना चंदा मिला। पांच सालों में सभी राजनीतिक दलों को इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिए 12,769 करोड़ का चंदा दिया गया है। इसमें से 60,60.52 करोड़ चंदा बीजेपी को मिला है।

चुनाव आयोग की ओर से दी गई जानकारी में बताया गया कि इनकैश की गई 60,60.52 करोड़ की रकम में से एक तिहाई हिस्सा 2019 के लोकसभा चुनाव और 2023 के विधानसभा चुनाव में इनकैश किया गया है। 2023 में मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, मिजोरम और तेलंगाना में विधानसभा चुनाव हुए थे। पार्टी ने 2019 के लोकसभा चुनाव में 1700 करोड़ के इलेक्टोरल बॉन्ड इनकैश किए. इनमें से अप्रैल, 2019 में 1056.86 करोड़ और मई, 2019 में 714.71 करोड़ के चुनावी बॉन्ड इनकैश किए गए। 2023 के विधानसभा चुनावों में पार्टी ने 702 करोड़ के बॉन्ड इनकैश किए।

बिहार कैबिनेट की बैठक में कुल 108 एजेंडों पर लगी मुहर

नीतीश सरकार ने राज्यकर्मियों को दिया तोहफा, डीए 4% बढ़ाया

- डीए बढ़ने से बिहार में साढ़े तीन लाख सरकारी सेवक और इतने ही पेंशनधारी को होगा फायदा
- मोइनुल हक स्टेडियम को लीज पर बीसीसीआई को देने पर सहमति
- बिहार के मुख्य शहर के पास बनाया जाएगा राज्य टाउनशिप
- राजगीर में एयरपोर्ट बनाए जाने पर और भागलपुर एयरपोर्ट के जीर्णोद्धार को मिली मंजूरी

केटी न्यूज/पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में शुक्रवार को आयोजित बिहार कैबिनेट की बैठक में कुल 108 एजेंडों पर मुहर लगी। इसमें नीतीश सरकार ने बड़ा फैसला लेते हुए राज्यकर्मियों का डीए चार फीसदी बढ़ा दिया है। बिहार में साढ़े तीन लाख सरकारी सेवक और इतने ही पेंशनधारी हैं। इस बढ़ोतरी के साथ ही डीए 46 से बढ़कर 50 फीसदी हो गया है। वहीं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के गृह जिला में इंटरनेशनल एयरपोर्ट बनेगा। कैबिनेट की बैठक में राजगीर में एयरपोर्ट बनाए जाने पर मुहर लगी है। साथ ही भागलपुर एयरपोर्ट का जीर्णोद्धार होगा। राज्य सरकार इसे फिर से बनाएगी। इसके साथ ही पटना के मोइनुल हक स्टेडियम को बीसीसीआई को दीर्घकालीन समय के लिए लीज पर दिया जाएगा। बिहार के मुख्य शहर के पास राज्य टाउनशिप बनाया जाएगा। इस वित्तीय वर्ष में नीतीश कैबिनेट की यह अंतिम बैठक है। 31 मार्च तो वित्तीय वर्ष 2024-25 खत्म हो रहा है।

811 करोड़ की लागत की 20 योजनाओं का शुभारंभ व शिलान्यास

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को रिमोट के माध्यम से प्रदेश में 811 करोड़ रुपए की लागत की 20 योजनाओं का शुभारंभ और शिलान्यास किया। इसके अलावा उन्होंने 4 कृषि ज्ञान वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना भी किया।मुख्यमंत्री ने जिन योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया, उसमें मशरूम किट का वितरण एवं मशरूम उत्पादन, शुष्क बागवानी योजना, मखाना विकास योजना, कृषि ज्ञान वाहन, पान विकास योजना, सिंघाड़ा विकास, आदर्श बागवानी केन्द्र (चाय), किशनगंज, उद्यानिक कलस्टर विकास योजना से संबंधित योजनाएं शामिल हैं। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने 4 कृषि ज्ञान वाहनों को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कृषि ज्ञान वाहनों को रवाना करने के पहले मुख्यमंत्री ने वाहन के अंदर जाकर सारी व्यवस्थाओं एवं उपलब्ध उपकरणों की उपयोगिताओं की जानकारी ली। कृषि विभाग के सचिव संजय कुमार अग्रवाल ने बताया कि किसानों को कृषि ज्ञान वाहन के माध्यम से कृषि सूचना एवं उनकी समस्याओं का समाधान उनके द्वार तक किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि चतुर्थ कृषि रोडमैप के तहत कृषि विभाग द्वारा प्रथम चरण में बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा, बिहार पशु विज्ञान

विश्वविद्यालय, पटना तथा बिहार कृषि प्रबंधन और प्रसार प्रशिक्षण संस्थान बामेती, पटना द्वारा कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों की नवीनतम जानकारी प्राप्त कर किसानों को आवश्यक सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कृषि ज्ञान वाहन विकसित कराया गया है। इस ज्ञान वाहन से मिट्टी जांच की सुविधा, किसानों को फसल विशेष के लिए उर्वरक व्यवहार की मात्रा, पशुओं की समस्याओं का त्वरित निदान, कीट-व्याधि सहित खरपतवार की पहचान एवं उसके प्रबंधन की जानकारी दी जाएगी। यह ज्ञान वाहन राज्य के विभिन्न जिलों के किसानों को कृषि की नवीनतम जानकारी उपलब्ध कराने के साथ-साथ उन्हें जागरूक करेगा। इस मौके पर उप मुख्यमंत्री सह कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा भी मौजूद रहे।

कैबिनेट की बैठक में लिये गए अन्य फैसले

- बिहार निर्यात प्रोत्साहन नीति 2024 की कैबिनेट में स्वीकृत
- बिहार औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन नीति 2022 में संशोधन की स्वीकृति
- बिहार उद्यान सेवा भर्ती प्रोन्नति एवं सेवा शर्त नियमावली 2024 की स्वीकृति
- सिकरहना दायां तटबंध निर्माण कार्य के लिए 239 करोड़ 63 लाख रुपए की स्वीकृति
- पश्चिम चंपारण मसान नदी के बाएं एवं दाएं तटबंध के कार्य के लिए 214 करोड़ 96 लाख की स्वीकृति
- उत्तर कोयल जलाशय योजना के बचे कार्य को पूरा करने के लिये 1367.61 करोड़ की स्वीकृति
- सारण तटबंध के निर्माण के लिये 124 करोड़ 11 लाख की स्वीकृति

आज हो सकता है लोकसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान

नई दिल्ली। देश में लोकसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान शनिवार को कर दिया जाएगा। इसके साथ ही कुछ राज्यों में विधानसभा चुनाव की घोषणा भी की जाएगी। चुनाव आयोग की ओर से बताया गया कि लोकसभा चुनाव और कुछ राज्य विधानसभा चुनाव के कार्यक्रम की घोषणा कल की जाएगी। चुनाव आयोग दोपहर 3 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसका एलान करेगा। मौजूदा लोकसभा का कार्यकाल 16 जून को खत्म हो रहा है और उससे पहले नई सरकार के गठन की प्रक्रिया पूरी करनी होगी। लोकसभा चुनाव के साथ आंध्र प्रदेश, ओडिशा, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश के विधानसभा चुनाव की तारीखों का भी एलान हो सकता है। इसके साथ ही जम्मू-कश्मीर में चुनाव होंगे या नहीं? यह भी कल साफ हो जाएगा। चुनाव की तारीखों के एलान को एउक के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लाइव स्ट्रीम किया जाएगा।

एमएमएमयूटी में फार्मेसी बिल्डिंग का शिलान्यास एवं टैबलेट व स्मार्टफोन वितरण समारोह

फार्मा सेक्टर का उत्पादक और निर्यातक बनेगा यूपीः सीएम

केटी न्यूज ब्यूरो/गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि फार्मा सेक्टर में उत्तर प्रदेश पहले कंज्यूमर (उपभोक्ता) स्टेट था। दवाएं व अन्य जरूरी मेडिकल उत्पाद बाहर से आते थे। अब यूपी फार्मा सेक्टर का उत्पादक और निर्यातक बन जाएगा। इसके लिए सरकार ललितपुर में 2000 एकड़ में फार्मा पार्क बना रही है। यूपी में मेडिकल डिवाइस पार्क भी बन रहा है। इससे फामेर्सी के क्षेत्र में युवाओं को भी व्यापक अवसर उपलब्ध होंगे।

सीएम योगी शुक्रवार को मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एमएमएमयूटी) में 24.69 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली फार्मेसी बिल्डिंग के शिलान्यास एवं स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के तहत 4000 विद्यार्थियों के टैबलेट/स्मार्टफोन वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने 15 विद्यार्थियों को अपने हाथों से टैबलेट और स्मार्टफोन दिया। सीएम योगी ने कहा कि आज से सात साल पहले भी यूपी में सबकुछ था लेकिन आगे बढ़ने के संकल्प का अभाव था। प्रदेश वही है, लोग वही हैं, मशीनरी भी वही है लेकिन कार्य संस्कृति बदली तो परिणाम सबके सामने है। आज उत्तर प्रदेश नया और बदला हुआ प्रदेश नजर आता है। यह प्रगति और निवेश का प्रदेश बन गया है। यहां हरेक सेक्टर में पर्याप्त अवसर और आगे बढ़ने की संभावनाएं हैं।

जीवन में असंभव कुछ भी नहीं: युवाओं को प्रेरित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जीवन में असंभव कुछ भी नहीं है। यह शब्द उनके लिए है जिन्हें कुछ नहीं करना है। जिनके पास सामर्थ्य, विश्वास और साहस है उनके लिए सबकुछ संभव है। सीएम ने कहा कि जहां चुनौतियां होंगी, वहीं संभावनाएं भी होती हैं। संभावनाओं और अवसर से कभी चूकना नहीं चाहिए।

मालवीय जी को किया याद : आजादी के नायकों में शामिल और बीएचयू के संस्थापक मदन मोहन मालवीय जी को याद करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मालवीय जी के नाम पर बना एमएमएमयूटी लगातार उपलब्धियों के पथ पर बढ़ रहा है। पीएम मोदी के विजन के अनुरूप आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को प्राप्त करते हुए यह विश्वविद्यालय फामेर्सी बिल्डिंग का निर्माण अपने स्त्रोत से करा रहा है। समारोह को सांसद रविकिशन शुक्ल ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में सीएम योगी का स्वागत करते हुए एमएमएमयूटी के कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला।

युवाओं को बना रहे डिजिटली सक्षम

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना से स्मार्टफोन और टैबलेट से आच्छादित कर यूपी के युवाओं को तकनीकी रूप से सक्षम बनाया जा रहा है। इसके तहत प्रदेश में 2 करोड़ युवाओं को स्मार्टफोन और टैबलेट उपलब्ध कराए जाएंगे। स्मार्टफोन और टैबलेट में केंद्र और राज्य सरकार की उन योजनाओं को भी जोड़ा गया है जो युवाओं के भविष्य और उनकी आत्मनिर्भरता के लिए आवश्यक हैं। तकनीकी रूप से सक्षम होकर युवा आगे बढ़ेंगे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने में अपना योगदान देंगे। विकसित भारत बनाने में तकनीकी रूप से सक्षम युवाओं की बड़ी भूमिका होगी।

CMYK

शॉर्ट सर्किट से घर में लगी आग से हुआ हादसा

दिल्ली में रह रहे दरभंगा के 4 लोगों की दम घुटने से मौत

- मरनेवाले सभी लोग एक ही परिवार के हैं, घटना से घर में मचा कोहराम
- सरोजनी नगर में तड़के सुबह की घटना, जब तक समझते तब तक सब हो गया तबाह

एजेंसी/नई दिल्ली

दरभंगा जिले के फेकला थाना क्षेत्र के कुसोथर गांव निवासी सियालाल साह के पुत्र और पुत्रवधु सहित चार लोगों की मौत दिल्ली के सरोजनी नगर में हो गई है। जानकारी के अनुसार सियालाल साह के तीन पुत्र सहित पूरा परिवार दिल्ली में रहकर बच्चों के खिलौना बनाने की फैक्ट्री चलाया करता है। पिछले दिन इनके किराए के मकान में बिजली की शार्ट सर्किट से आग लग गई। इस दौरान दम घुटने के कारण मनोज कुमार और उनकी पत्नी पत्नी सुमन सहित दो भतीजी श्रुति कुमारी और निहारिका कुमारी की मौत मौके पर हो गई, जबकि उनके भाई राकेश साह उनकी पत्नी बेबी कुमारी और नंदलाल साह को गंभीर हालत में अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। मृतक मनोज और सुमन की शादी पिछले साल 17 दिसंबर को हुई थी। पांच वर्षीय सृष्टि और साढ़े तीन वर्षीय सुजाता के घर में चाची सुमन के आने से काफी खुशी थी। वे अपनी मां के बजाय चाची के पास ही ज्यादा रहती थीं। सुमन का परिवार रानी गार्डन इलाके का रहने वाला है।

घटना की सूचना मिलते ही सियालखन साह और उसकी पत्नी गोरकी देवी दहाड़ मारकर रोने लगे। किसी तरह स्थानीय लोगों ने दोनों को समझा-बुझाकर शांत कराया। उसके बाद वे दोनों ट्रेन से दिल्ली के लिए रवाना हो गए। कुसोथर पंचायत के मुखिया बसन्त कुमार झा ने बताया कि सियालखन साह और उनकी पत्नी भी होली के बाद नई बहू को देखने के लिए जाने वाले थे। इससे पहले ही पुत्र मनोज साह और उसकी नई वधू सुमन देवी की मौत हो गई। एक ही परिवार के चार लोगों की मौत से पूरे गांव में मातमी सन्नाटा पसरा है।

शाहदरा जिला पुलिस उपायुक्त सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि गीता कॉलोनी थाने में तड़के करीब साढ़े पांच बजे एक घर में आग की पीसीआर कॉल मिली थी। कॉलर ने बताया कि शास्त्री नगर के सरोजनी पार्क इलाके में आग लगी है। सूचना पर मौके पर अग्निशमन की चार गाड़ियां, एंबुलेंस, स्थानीय पुलिस और तीन पीसीआर वैन पहुंची।

सीने में दर्द की शिकायत के बाद तेजप्रताप यादव अस्पताल में भर्ती

केटी न्यूज/पटना

राष्ट्रीय जनता दल सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के बेटे तेज प्रताप यादव की अचानक तबीयत खराब हो गई है। तेज प्रताप को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जाता है कि उनके सीने में दर्द होने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। 9 महीने के अंदर यह दूसरी बार है, जब तेज प्रताप की तबीयत खराब हुई है। डॉक्टरों की टीम उनका इलाज कर रही है। बता दें, गुरुवार को तेज प्रताप यादव ने बक्सर जिले का दौरा किया था। यहां तेज प्रताप ने कृष्णब्रह्म में ज्ञान बिंदु लाइब्रेरी का उद्घाटन किया था।

मिली जानकारी के मुताबिक, तेज प्रताप यादव अपने आवास पर थे। तभी उनके सीने में दर्द होने लगा। उनके स्टाफ ने उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया और फोन पर उनकी मां राबड़ी देवी को इसकी जानकारी दे दी। बताया जा रहा है कि तेज प्रताप को सांस लेने में तकलीफ हो रही थी। ऐसे में उन्हें अस्पताल में ऑक्सीजन भी लगाई गई है। इधर मां राबड़ी देवी ने अस्पताल के डॉक्टर से फोन पर बात कर तेज प्रताप की तबीयत के बारे में जानकारी ली है। तेज प्रताप यादव की इसके पहले जुलाई 2023 में भी तबीयत खराब हुई थी। इसके बाद उन्हें पटना के कंकड़बाग स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उस वक्त भी तेज प्रताप के सीने में तेज दर्द की शिकायत थी। तब तेजप्रताप यादव को आईसीयू में रखा गया था। करीब दो घंटे बात उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई थी।

बीपीएससी शिक्षक भर्ती परीक्षा का पेपर लीक कराने की आशंका में तीन सॉल्वर गिरफ्तार

- हजारीबाग पुलिस ने की बड़ी कार्रवाई
- अभ्यर्थियों से पैसे लेकर परीक्षा दिलाने वाले सॉल्वर गैंग पर पुलिस ने एक्शन लेते हुए दो-तीन होटल में की छापेमारी

केटी न्यूज/पटना

बिहार में 15 मार्च से शुरू बीपीएससी की शिक्षक भर्ती परीक्षा का पेपर लीक कराने की आशंका में हजारीबाग पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। यहां अभ्यर्थियों से पैसे लेकर परीक्षा दिलाने वाले सॉल्वर गैंग पर पुलिस ने एक्शन लेते हुए दो-तीन होटल में छापेमारी की है। जानकारी के मुताबिक पुलिस ने 3 सॉल्वर को गिरफ्तार भी किया है। मिली जानकारी के अनुसार, हजारीबाग के बरही में करीब 200 छात्रों को पुलिस ने रोका है। उनसे पूछताछ की जा रही है। छात्रों को पुलिस ने पेलावल थाना क्षेत्र के होटल कोहिनूर पर रोक कर रखा हुआ है। बताया जा रहा है कि ये सभी छात्र बिहार में शुक्रवार को हुए टीआई परीक्षा में भाग लेने वाले थे।

फिलहाल इस घटना के बाद बिहार पुलिस से इस मामले में संपर्क साधा गया है। बताया जा रहा है कि, हजारीबाग पुलिस ने दो बसों में सवार 200 छात्रों को नगवां टोल प्लाजा के पास रोका। उन्हे अपने साथ ले जाकर पूछताछ कर रही है। छात्रों को परीक्षा में शामिल होने के लिए हजारीबाग लाया गया था और उन्हे परीक्षा में आने वाले प्रश्नपत्र उपलब्ध कराकर तैयारी कराई गई थी। बताया जा रहा है कि इन्हे पिछले दो दिनों से तैयारी कराई जा रही थी। पुलिस को इस संबंध में इनपुट मिला और उस आधार पर पुलिस ने इन्हे पकड़ा है। बिहार में आयोजित हो रहे परीक्षा के प्रश्नपत्र से इसकी मिलान कराई जाएगी। इस मामले में हजारीबाग के एसपी ने बताया कि गोपनीय जानकारी के आधार पर छापेमारी की जा रही है। सॉल्वर गैंग का सरगना हजारीबाग के आसपास हो सकता है। अबतक 3 को गिरफ्तार किया गया है। वहीं 200 से अधिक बिहार के अभ्यर्थियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने बताया कि पेपर लीक गिरोह प्रोजेक्टर से तैयारी करवा रहा था। इसी वजह से शहर के कई होटलों में अभ्यर्थी रुके हुए थे। पटना पुलिस से इनपुट मिलने के बाद हजारीबाग पुलिस ने शिकंजा कसा है। वहीं, पदमा में 85 अभ्यर्थी हिरासत में लिए गए हैं।

नक्सली संगठन ने आधा दर्जन ग्रामीणों की हत्या की दी धमकी

केटी न्यूज/गया

गया में प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा माओवादियों ने पर्चा के माध्यम से एक बार फिर लोगों को जान मारने का फरमान जारी किया है। लेकिन इस बार जदयू खेल प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष शंभू सिंह समेत आधा दर्जन ग्रामीणों को जान मारने की धमकी दी है। नक्सलियों के मौत के फरमान सुनाने के बात सुन गुरारू थाना क्षेत्र के विभिन्न गांव के ग्रामीणों के बीच दहशत का माहौल कायम है। हालांकि सूचना के बाद मौके पर पुलिस पहुंच कर पर्चा को अपने कब्जे में लेकर छानबीन में जुट गई।

मिली जानकारी के मुताबिक जिले के गुरारु थाना क्षेत्र में शुक्रवार को नक्सलियों ने धमकी भरा पर्चा चिपकाया था। जब ग्रामीणों की नजर उस पर पड़ते ही जंगल की आग की तरह खबर फैल गई। पर्चा के माध्यम से नक्सलियों ने प्रतिबंधित जमीन खरीदने और बेचने वाले लोगों को जन अदालत लगा कर सजा ए मौत की फरमान जारी किया है। जिसमें जदयू खेल प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष शंभू सिंह, गुरारू थाना के तरौंची गांव के रहनेवाले दुर्गा पासवान, रामाशीष, संतोष पासवान, रौंदा गांव के शंकर सिंह और संजय सिंह समेत अन्य का नाम शामिल हैं। वहीं घटना की सूचना के बाद गुरारू थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और नक्सली पर्चा को अपने कब्जे में लेकर छानबीन में जुट गई है।

मोहनिया में बस ने स्कूटी में मारी ठोकर, दो युवक की मौत

रॉन्ग साइड से आ रही बस से हुई घटना

केटी न्यूज/मोहनिया

कैमूर में भीषण सड़क हादसे में दो युवक की मौत हो गई। घटना मोहनिया थाना क्षेत्र के समेकित चेकपोस्ट के पास हुई। बताया जा रहा हे कि दो युवक अपने घर से मोहनिया बाजार की ओर जा रहे थे। इसी दौरान दुर्गावती की ओर से आ रही बस ने स्कूटी में टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि दोनों युवक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और दोनों युवकों की लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया जा रहा है कि बस रॉन्ग साइड से आ रही थी। इसी कारण हादसा हुआ। घटना के बाद बस चालक वहां से फरार हो गया। मोहनिया थानाध्यक्ष अवधेश कुमार ने बताया कि सड़क हादसे में दो युवक की मौत हो गई है। बस को जब्त कर लिया गया है। उसके चालक की तलाश में छापेमारी चल रही है। कुछ लोगों से पूछताछ की जा रही है।

घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल: पुलिस के अनुसार मरने वालों की पहचान दुर्गावती के दहियाव गांव निवासी अमरेंद्र कुमार और रोहित कुमार के रूप में की गयी है। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं दुर्गावती प्रखंड प्रमुख श्याम शाह ने पुलिस प्रशासन इस मामले को गंभीरता से ले और आरोपी बस चालक को जल्द से जल्द गिरफ्तार करे। साथ ही पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा भी प्रदान किया जाए।

पटना में युवक की पीट-पीटकर हत्या

पटना। पटना में अटल पथ से सटे आर. ब्लॉक क्षेत्र में राजनीतिक दलों से जुड़े जनप्रतिनिधियों के बने सरकारी आवास से सटे कई क्वार्टर का निर्माण चल रहा है। ऐसे ही एक सरकारी क्वार्टर में एक युवक की हाथ-पैर बंधी लाश मिलने से सनसनी फैल गई। बताया जा रहा है कि युवक को हाथ-पैर बांधकर पहले बेरहमी से पीटा गया और फिर हत्या कर लाश को लटका दिया है।

सीवान में शराब की छापेमारी करने जा रहे दो होमगार्ड जवानों को वाहन ने कुचला

सीवान। बिहार के सीवान में शराब की छापेमारी करने जा रहे दो होमगार्ड जवानों को अज्ञात वाहन ने कुचल दिया। इस हादसे में दोनों जवान गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद आनन-फानन में दोनों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया। जहां दोनों की स्थिति गंभीर बनी हुई है। यह घटना मुफस्सिल थाना क्षेत्र की है। जानकारी के मुताबिक, मुफस्सिल थाने में सुबह गुप्त सूचना मिली कि मैरवा की तरफ शराब की बड़ी खेप लाई जाने वाली है। इसके बाद पुलिस एक टीम बनाकर छापेमारी करने निकल गई। टीम में शामिल सोनू कुमार, सुजीत कुमार, अरविंद कुमार, वीपेंद्र यादव, सुमित राय और अरविंद कुमार राय एक बोलेरो और एक बाइक से मैरवा की तरफ छापेमारी करने निकल गए। वहीं, होमगार्ड के जवान सुजीत कुमार और वीपेंद्र यादव पिता बलिंद्र यादव ये दो लोग मोटरसाइकिल से निकले थे।

बताया जा रहा है कि ये लोग (होमगार्ड) अभी भांटापोखर और गोपालपुर के बीच पहुंचे ही थे कि सामने से अज्ञात वाहन दोनों को कुचलते हुए भाग निकला। इसके बाद आसपास के लोगों की मदद से घायल दोनों होमगार्ड जवानों को सीवान के सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां हालत काफी नाजुक देखते हुए डॉक्टरों की टीम ने दोनों को गोरखपुर रेफर कर दिया। वहीं, घटना के बाद पुलिस महकमे में खलबली मची हुई है।

महरौरा में अनुसूचित जाति के कब्रिस्तान पर कब्जा का आरोप लगा उग्र हुए बस्ती वाले

- सीओ व थानाध्यक्ष को आवेदन दे कब्रिस्तान की घेराबंदी रोकने की लगाई गुहार
- महरौरा शिव मंदिर से पीछे सड़क किनारे स्थित है अनुसूचित जाति का कब्रिस्तान

केटी न्यूज/डुमरांव

महरौरा में महादलित समुदाय के कब्रिस्तान की घेराबंदी के मामले पर शुक्रवार को समुदाय के लोग खासे नाराज हो गए थे। महरौरा शिव मंदिर से पश्चिम रोड किनारे स्थित अनुसूचित जाति के कब्रिस्तान पर मिट्टी डालने तथा दीवार निर्माण को लेकर उनका गुस्सा फूटा था। अनुसूचित जाति बस्ती के दर्जनों लोग वहा जांकर जमकर विरोध प्रदर्शन किए तथा इस दौरान जमीन की घेराबंदी के लिए किए गए बाउंड्रीवाल को तोड़ दिए। उनका कहना था कि इस जगह पर सैकड़ो वर्षों से उनके पूर्वज शव गाड़ते आ रहे है। लेकिन भू माफियाओं द्वारा उक्त जमीन को बेच दिया गया है। वही, जमीन खरीदने वाला जबरन कब्रिस्तान में बनाए गए पक्के निर्माण पर मिट्टी डाल उसका अस्तित्व मिटाने पर तुला है। जिससे कब्रिस्तान का वजूद मिट जाएगा। इस दौरान आक्रोशित लोगों ने करीब दस फीट तक बाउंड्री वाल को तोड़ दिया। हालांकि मौके पर प्रशासनिक अधिकारी नहीं पहुंचे। जबकि अनुसूचित जाति वालों ने डुमरांव सीओ व थानाध्यक्ष को आवेदन दे न्याय की गुहार लगाई है। आक्रोश जताने वालो में स्थानीय गांव के महेन्द्र राम, बाबूलाल अंबेडकर, ज्योति प्रकाश कुमार, श्रीभगवान राम, निर्मल राम, रामजीराम, योगेन्द्र राम, अखिलेश राम, कमलावती देवी, अजित राम, मनोज राम, फूलकुमारी, शिव परसन राम, पंचरतन राम समेत दर्जनों अन्य लोग मौजूद थे।

कहते है सीओ

ग्रामीणों का आवेदन मिला है। मामले की सूक्ष्मता से जांच करवाई जा रही है। यदि उक्त जमीन कब्रिस्तान की होगी तो उसकी घेराबंदी नहीं करने दी जाएगी। - शमन प्रकाश, सीओ, डुमरांव

क्या कहते है एसडीएम

महरौरा में अनुसूचित जाति कब्रिस्तान के घेराबंदी की जानकारी मीडिया के माध्यम से मिली है। इसकी जांच करवाई जाएगी तथा दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी। - **राकेश कुमार, एसडीएम, डुमरांव**

अध्यापक नियुक्ति परीक्षा में 951 परीक्षार्थी रहे अनुपस्थित

बक्सर। बिहार लोक सेवा आयोग पटना द्वारा प्रकाशित विज्ञापन संख्या 22/2024 अध्यापक नियुक्ति परीक्षा के लिए परीक्षा केंद्रों पर स्वच्छ शांतिपूर्ण परीक्षा संचालन कराने हेतु गठित जिला नियंत्रण कक्ष बक्सर से प्राप्त सुचनानुसार प्रथम पाली में कुल परीक्षार्थियों की संख्या 5256 उपस्थित परीक्षार्थियों की संख्या 4305, अनुपस्थित परीक्षार्थियों की संख्या 951 एवं निष्कासित परीक्षार्थियों की संख्या शून्य है। इसी प्रकार द्वितीय पाली में कुल परीक्षार्थियों की संख्या 2376, उपस्थित परीक्षार्थियों की संख्या 2064, अनुपस्थित परीक्षार्थियों की संख्या 312 एवं निष्कासित परीक्षार्थियों की संख्या शून्य है। नियंत्रण कक्ष बक्सर में दूरभाष के माध्यम से प्राप्त सूचना के आधार पर सभी परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न हुआ। वहीं दूसरी ओर परीक्षार्थियों को परेशानी नहीं हो। इस बात को लेकर रेलवे स्टेशन व बस स्टैंड के पास पूछताछ काउंटर बनाया गया था। ताकि बाहर से आने वाले परीक्षार्थियों का परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा।

एक नजर

15 लीटर देशी शराब बरामद, कारोबारी फरार

सिमरी। सिमरी थाना क्षेत्र के मझवारी गांव के समीप से स्थानीय पुलिस ने एक शराब कारोबारी के पास से 15 लीटर देशी शराब बरामद किया है। हालांकि पुलिस को चकमा देकर कारोबारी भागने में सफल रहा है। इस संबंध में पुलिस का कहना है कि शुक्रवार की दोपहर गुप्त सूचना के बाद उक्त जगह पर छापेमारी अभियान चलाया गया। इस दौरान 15 लीटर शराब बरामद हुआ, लेकिन कारोबारी नदी के रास्ते भागने में सफल रहा।

बिजली चोरी में 31 हजार का जुर्माना

कृष्णाब्रह्म। स्थानीय थाना क्षेत्र के अमथुआ गांव में विद्युत आपूर्ति प्रशाखा चौगाई की टीम ने गुरुवार को छापेमारी की, जहां पर जांच के क्रम में पाया गया कि सुजीत कुमार के आवासीय परिसर में अवैध तरीके से बिजली चोरी की जा रही थी। जिससे बिजली कम्पनी को 30 हजार 968 रुपये राजस्व क्षति हुई है। इस बिजली चोरी की घटना को लेकर विद्युत आपूर्ति प्रशाखा चौगाई के कनीय अभियंता शैलेश कुमार के बयान पर स्थानीय थाना में नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई है।

चौसा में शराब के साथ चार तस्कर गिरफ्तार

चौसा। मुफस्सिल थाने की पुलिस ने भारी मात्रा में शराब के साथ चार तस्करों को पकड़ा है। पुलिस ने उनकी लग्जरी कार को भी जब्त कर लिया है। पुलिस को यह सफलता चौसा रेलवे गुमटी के पास से मिली है। तस्कार शराब की इस खेप को होली में खपाने के ला रहे थे। हालांकि दो तस्कर पुलिस को चकमा दे भागने में सफल रहे। उक्त वान से पुलिस ने 180 एमएल की 25 पेटी कुल 1200 टेट्रा पैक एट पीएम, 750 एमएल की 84 बोतल रॉयल स्टेज, 24 बोतल 750 एमएल मैजिक मोमेंट व 750 एमएल की 36 बोतल महंगे ब्रांड के अंग्रेजी शराब कुल 324 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद की गई। प्रभारी थानाध्यक्ष चंदन कुमार ने बताया पकड़े गए सभी तस्कर पंकज, सतीश, धनन्जय व विकास पटना के फतुहा निवासी है। जो होली में तस्करी की शराब खपाने के लिए ले जा रहे थे। जो पकड़े गए, जिन्हें पूछताछ के बाद जेल भेज दिया गया। उन्होंने बताया कि पुलिस को यह सफलता गुप्त सूचना के आधार पर मिली है।

अनुमंडल अस्पताल में तीन डॉक्टरों की पोस्टिंग

डुमरांव। राज्य सरकार ने डुमरांव अनुमंडल अस्पताल में तीन डॉक्टरों की पोस्टिंग की है। जिसमें दो बच्चों के डॉक्टर है तथा एक नाक, कान व गला के डॉक्टर है। मिली जानकारी के अनुसार डॉक्टर सतीश कुमार व डॉक्टर उमेश कुमार बच्चों के चिकित्सक है। वहीं डॉक्टर संदीप पटेल गला, नाक व कान के चिकित्सक है। विदित हो कि यह तीनों पद अनुमंडल अस्पताल में रिक्त थे। नवजात बच्चों के इलाज के लिए एमएनसीयू का भवन करीब एक साल पहले बनकर तैयार हो गया था। इसमें सभी उपकरण भी लगा दिये गये थे। परंतु डॉक्टर की कमी के कारण इसमें किसी भी बच्चें का इलाज नहीं हो पाता था। ऐसे में बच्चों को इलाज कराने के लिए निजी अस्पताल या दूसरे शहर में जाना पड़ता था। इस बात की जानकारी मिलने के बाद स्थानीय विधायक डॉ अजीत कुमार में विधानसभा में सवाल उठाया था। सवाल उठाने के बाद सरकार ने यहां डॉक्टरों की पोस्टिंग की है। अब गरीब परिवार के नवजात बच्चों को इलाज कराने के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा।

जमीन विवाद में चटकी लाठियां, एफआईआर दर्ज

डुमरांव। कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के लेवाड़ गांव में जमीन विवाद में दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई। इस दौरान दोनों पक्ष एक दूसरे पर लाठी-डंडा से हमला किए, जिसमें दोनों पक्ष के लोग जख्मी हो गए। सभी जख्मियों का इलाज डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल में कराया गया। इस मामले में दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर एफआईआरदर्ज कराया है। एक पक्ष के देवराज यादव द्वारा आरोप लगया गया है कि गुरुवार को अपना टूटा हुआ दीवाल बना रहे थे कि हीरालाल यादव, लोरिक यादव, मनेजर यादव सहित कुल छह लोगों ने लाठी डंडे से मारपीट कर जख्मी कर दिए। वहीं दूसरे पक्ष के तारकेश्वर यादव ने दूसरे पक्ष के छह लोगों पर मारपीट करने का आरोप लगा एफआईआर दर्ज कराया है। थानाध्यक्ष नीतीश कुमार ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है।

केटी न्यूज के पत्रकार को मातृ शोक

डुमरांव। केशव टाइम्स डुमरांव के वरिष्ठ संवाददाता अमरनाथ केसरी की माता पार्वती देवी का निधन हो गया। वह 98 वर्ष की थीं। अपने पीछे भरा पूरा परिवार आशीर्वाद के रूप में छोड़ बैकुण्ठ धाम की अनंत यात्रा पर निकली हैं। शुक्रवार को बक्सर स्थित चरित्रवन मुक्तिघाट पर अंतिम संस्कार किया गया। पार्वती देवी के पति बिहारी लाल केसरी का निधन वर्ष 2002 में हो गया था। इन दोनों की कुल नौ संतान हैं। जिसमें छह पुत्र व तीन पुत्री शामिल हैं। पुत्रों में सबसे बड़े दशरथ प्रसाद केसरी, मदन प्रसाद केसरी, ददन प्रसाद केसरी, अमरनाथ केसरी, संतोष प्रसाद केसरी व मनोज केसरी हैं। माता के आशीर्वाद से सभी बेटा-बेटी खुशहाल जीवन बीता रहे हैं। शोक संवेदना व्यक्त करने वालों में रंजीत पांडे,अनिल ओझा ,अशोक कुमार, अजय सिंह,अमित ओझा,आलोक सिन्हा ,विनय कुमार,मनोज मिश्रा, नवीन पाठक, संजय केसरी, सर्वेश कुमार, मनीष कुमार, अरविंद कुमार चुन्नू , रजनीकांत दुबे, रवि शंकर लाल, राजीव भगत, सुमित पांडे,अरुण विक्रांत आदि शामिल हैं।

बैठक में उठा मुद्दा शहर की सफाई व्यवस्था सुदृढ़ नहीं, नगरवासी परेशान

जलजमाव से मुक्ति दिलाने के लिए बनेगा वॉटर ड्रेनेज सिस्टम

- बोर्ड की बैठक में पारित हुआ प्रस्ताव, सफाई व लाइटिंग व्यवस्था पर नाराज दिखे पार्षद
- कई योजनाओं पर लगी मुहर, होल्डिंग टैक्स संसोधन पर भी हुई चर्चा

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव में बरसाती पानी के निकास के लिए जल्दी ही स्टॉम वॉटर ड्रेनेज सिस्टम बनाया जाएगा। शुक्रवार को संपन्न बोर्ड की बैठक में इस प्रस्ताव को ध्वनि मत से पारित किया गया। इसके साथ ही डुमरांव के जलजमाव वाले इलाके में जलनिकासी की आस जग गई है। बोर्ड की बैठक हंगामेदार रही, बावजूद कई योजनाओं की स्वीकृति मिली तो कुछ एजेंडो पर चर्चा भी हुई। मिली जानकारी के अनुसार स्टॉम वॉटर ड्रेनेज सिस्टम के तहत शहर के शनिचरा बाबा तथा उसके आस पास के इलाके, टेक्सटाईल कॉलोनी, खिरौली, आदर्श नगर, चाणक्य कॉलोनी, शिवपुरी आदि इलाकों में जमे बारिश तथा नाले के पानी की निकासी करवाई जाएगी। इसके अलावे बैठक में पार्षदों के बीच विभागीय काम कराने पर भी सहमति बनी। पार्षदों की सहमति से इस पर मुहर लग गई। बैठक की अध्यक्षता मुख्य पार्षद सुनीता गुप्ता ने व संचालन ईओ अनिरूद्ध कुमार ने किया। बैठक में उप मुख्य पार्षद विकास ठाकुर समेत सभी पार्षद मौजूद थे।

सफाई व लाइटिंग की लचर व्यवस्था पर नाराज हुए पार्षद: बैठक के दौरान शहर में एनजीओ तथा ईओ की कार्यशैली पर पार्षदों ने नाराजगी जताई, इस दौरान मुख्य पार्षद का साथ भी उन्हें मिला। मुख्य पार्षद ने कहा कि उम्मीद के मुताबिक शहर की सफाई व्यवस्था सुदृढ़ नहीं है। पार्षदों का कहना था कि शहर में सफाई के नाम पर हर दिन करीब डेढ लाख रुपये खर्च किए जा रहे है। बावजूद धरातल पर कही भी सफाई व्यवस्था नजर नहीं आ रही है। वही अधिकांश स्ट्रीट लाईट व हाई मास्ट लाईट खराब पड़े है। जिनकी मरम्मत नहीं कराए जाने से शाम ढलते ही शहर अंधेरे में डूब जा रहा है। इस दौरान चेयरमैन व ईओ ने सफाई एनजीओ को बदलने का आश्वासन दिया।

होल्डिंग टैक्स का होगा संसोधन: बैठक में पार्षदों ने होल्डिंग टैक्स को कम करने का मुद्दा उठाया। होल्डिंग टैक्स के मुद्दे पर भी पार्षद नाराज दिखे। इस दौरान मुख्य पार्षद ने पार्षदों को आश्वत किया कि जल्दी ही इसकी समीक्षा कर इसमें संसोधन किया जाएगा।

क्या है स्टॉर्म वॉटर डेज्नेज सिस्टम: स्टॉर्म वॉटर डेज्नेज सिस्टम बरसाती पानी के निकासी के लिए बनाया जाता है। इससे सिवरेज से अलग कॉलोनियों में बारिश के दौरान जमे पानी को सड़क के साथ अंडरग्राउंड नाला के सहारे निकासी की जाती है। नया बोर्ड बनने के बाद इसे प्राथमिकता में शामिल किया गया है। मुख्य पार्षद प्रतिनिधि सुमित गुप्ता ने बताया कि इसका डीपीआर तैयार हो रहा है। जल्दी ही इस पर काम शुरू हो जाएगा।

मासूका के नये प्रेमी की हत्या की फिराक में लगा युवक लोडेड पिस्टल के साथ गिरफ्तार

- एसपी ने प्रेस वार्ता आयोजित कर दी जानकारी, गुप्त सूचना पर जमुना चौक इलाके से हुई गिरफ्तारी

केटी न्यूज/डुमरांव

अपनी मासूका को किसी दूसरे युवक के साथ बातचीत करता देख एक युवक को काफी नागवार गुजरा तथा उसने अपनी मासूका के नये प्रेमी को रास्ते से हटाने की ठानी, लेकिन ऐन वक्त पर पुलिस ने उसे लोडेड पिस्टल के साथ गिरफ्तार कर उसके मंसूबो पर पानी फेर दिया है। शुक्रवार को एसपी मनीष कुमार ने प्रेस वार्ता आयोजित कर इसकी जानकारी दी। गिरफ्तार अपराधी नगर के कुम्हार टोली के भुवनेश्वर प्रसाद का पुत्र राजा बाबू है। उसके पास से एक लोडेड पिस्टल बरामद किया गया है। एसपी ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी किए एक युवक किसी की हत्या की फिराक में पिस्टल के साथ जमुना चौक इलाके में घुम रहा है। इस सूचना पर तत्काल नगर थाने की एक टीम गठित कर उसे गिरफ्तार करने को भेजा गया। लेकिन, पुलिस टीम को देखते ही वह भागने लगा। जिसके बाद पुलिस ने उसे दौड़ाकर पकड़ लिया और तलाशी लेने पर उसके कमर से एक लोडेड पिस्टल बरामद हुआ। पुलिस की पूछताछ में उसने बताया कि वह अपनी प्रेमिका के नये प्रेमी की हत्या करने जा रहा था। उसे गिरफ्तार कर पुलिस ने एक बड़े अपराधिक घटना को समय रहते टाल दिया है। उसे गिरफ्तार करनेत वाली टीम में सदर डीएसपी धीरज कुमार, नगर थानाध्यक्ष संजय कुमार, पुलिस निरीक्षक डीआईयू राकेश कुमार, डीआईयू प्रभारी युसूफ अंसारी, एएसआई नगर थाना जयप्रकाश कुमार व सशत्र बल शामिल थे।

तीन बाइक के साथ दो शातिर चोर गिरफ्तार

बक्सर। बक्सर में बाइक चोरों की सक्रियता रोकने तथा चोरी व लूटी गई बाइक बरामद करने के लिए बक्सर पुलिस इन दिनों आपरेशन मुस्कान चला रही है। इस अभियान के तहत स्थानीय पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने चोरी की तीन बाइक के साथ दो शातिर चोरों को गिरफ्तार कर लिया है। शुक्रवार को एसपी मनीष कुमार ने प्रेस वार्ता आयोजित कर इसकी जानकारी दी। एसपी ने बताया की टीम द्वारा छापेमारी के क्रम में शुक्रवार को चौसा बारे के स्व. रविंद्र खरवार के पुत्र राहुल खरवार को चोरी के एक मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार किया गया था। जिसकी निशानदेही पर इटाढ़ी थाना क्षेत्र के हकीमपुर गांव से विनोद साह के पुत्र सूरज गुप्ता को गिरफ्तार किया गया।

17 मार्च को मनाया जाएगा बक्सर जिले का स्थापना दिवस

केटी न्यूज/बक्सर

आगामी 17 मार्च को जिले का स्थापना दिवस मनाया जाएगा। इसकी रूपरेखा बना ली गई है। जिला प्रशासन इस बार आदर्श आचार संहिता को देखते हुए इस आयोजन की रणनीति बनाई है। जिला सामान्य शाखा से प्राप्त सूचनानुसार जिला स्थापना दिवस कार्यक्रम तीन सत्रों में सम्पन्न किया जाएगा। कार्यक्रम की शुरूआत सुबह साढ़े छह बजे प्रभात फेरी से की जाएगी। इसके बाद स्टेशन रोड स्थित गांधी प्रतिमा, स्टेशन रोड स्थित शहीद स्मारक तथा अंबेडकर चौक स्थित डॉ. भीम राव अंबेडकर, ज्योति प्रकाश चौक पर स्थित कॉमरेड ज्योति प्रकाश की प्रतिमा, मॉडल थाना के पास स्थित वीर कुंवर सिंह की प्रतिमा एवं मुनीम चौक पर स्थित शहीद भगत सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया जाएगा। यह कार्यक्रम सात बजे पूर्वाहन से निर्धारित किया गया है। वही सुबह साढ़े सात बजे से मैराथन दौड एवं साईकिल रैली निकाली जाएगी जो नौ बजे किला मैदान से पीपी रोड होते हुए गोलम्बर से बाईपास रोड, ज्योति चौक होते हुए किला मैदान बक्सर में वापस निर्धारित किया गया है। द्वीप प्रज्जवलन एवं केक कटिंग का कार्यक्रम सुबह 11 बजे पूर्वाहन से समाहरणालय परिसर स्थित सभाकक्ष में निर्धारित किया गया है। पर्चा वितरण का कार्यक्रम 11बजे से समाहरणालय परिसर स्थित सभाकक्ष में निर्धारित किया गया है। कार्यक्रम का आयोजन नगर भवन बक्सर में शाम साढ़े छह बजे से निर्धारित किया गया है।

शराब माफियाओं पर प्रहार, बक्सर में पौने दो करोड़ की शराब विनष्ट, मौजूद रहे डीएम

केटी न्यूज/बक्सर

पिछले दिनों उत्पाद विभाग व जिले के विभिन्न थानों द्वारा जब्त किए गए शराब को विनष्ट किया गया। इस दौरान अकेले बक्सर के बाजार समिति परिसर में करीब 20 हजार लीटर शराब पर बुलडोजर चला इसे विनष्ट किया गया। यह विनष्टीकरण डीएम अंशुल अग्रवाल की मौजूदगी में हुआ। विनष्ट किए गए शराब की कीमत 1.75 करोड़ रूपए आंकी गई है। मिली जानकारी के अनुसार उत्पाद विभाग द्वारा जब्त किए गए 18 हजार लीटर शराब एवं पुलिस थानों से जब्त दो हजार लीटर शराब का विनष्टीकरण किया गया। इस दौरान डीएम के साथ ही बक्सर एसडीओ धीरेन्द्र कुमार मिश्र, उत्पाद

अधीक्षक, प्रभारी पदाधिकारी विधि शाखा समेत कई अन्य मौजूद थे। वही दूसरी तरफ शुक्रवार को नया भोजपुर ओपी थाना परिसर में अनुमंडल के कुल 12 थानों द्वारा जब्त किए गए 567.55 लीटर शराब को विनष्ट किया गया। शराब विनष्टीकरण डुमरांव डीएसपी अफाक अख्तर अंसारी के नेतृत्व में किया गया था। इस दौरान संबंधित थानों के थानाध्यक्ष तथा कई अन्य पुलिस पदाधिकारी मौजूद थे। यह विनष्टीकरण डीएम तथा एसपी के निर्देश पर किया गया था। मिली जानकारी के अनुसार इस दौरान बगेन गोला थाना द्वारा बरामद किए गए 13.50 लीटर, वासुदेवा ओपी थाना द्वारा बरामद 12.260 लीटर, नैनीजोर ओपी थाना द्वारा बरामद 82.230, सिमरी द्वारा बरामद 133.74 लीटर, कोरानसराय द्वारा बरामद 18.90 लीटर, डुमरांव थाना द्वारा बरामद 42.46 लीटर, रामदास राय के डेरा ओपी थाना द्वारा आठ लीटर, तिलक राय के हाता ओपी द्वारा बरामद 18.36 लीटर, सोनवर्षा ओपी द्वारा बरामद 40 लीटर, नावानगर थाना द्वारा बरामद 26 लीटर शराब पकड़ी गई थी।

माला एन वितरण में दूसरे और कंडोम वितरण में चौथे स्थान पर है बक्सर जिला

मिशन परिवार विकास अभियान में बक्सर पुरुष नसबंदी सबसे आगे

- परिवार नियोजन के स्थायी और अस्थायी साधनों के प्रयोग को लेकर बढ़ी है लोगों में जागरूकता

केटी न्यूज/बक्सर

जिले में जनसंख्या स्थिरीकरण को लेकर चलाए जा रहे अभियानों की सफलता अब रंग लाने लगी है। जिसकी बदौलत नियोजन के स्थायी और अस्थायी साधनों को लेकर लोगों में पूर्व की अपेक्षा जागरूकता बढ़ी है। बीते माह पांच से 24 फरवरी तक मिशन परिवार विकास अभियान चलाया गया था। जिसके तहत पांच से 11 फरवरी तक दंपति संपर्क सप्ताह और 12 से 24 फरवरी तक परिवार नियोजन सेवा पखवाड़ा सम्पादित किया गया। इस दौरान बक्सर जिले ने सूबे में बेहतर प्रदर्शन किया है। जिसकी बदौलत परिवार नियोजन के अधिकांश साधनों की खपत में शिर्ष पांच में अपनी जगह सुनिश्चित की है। इस क्रम में फ्रंट लाइन वर्कर्स और लोगों की बढ़ती सहभागिता के कारण पूरे पखवाड़ा में पुरुष नसबंदी करने और अंतरा इन्जेक्शन लगाने में बक्सर जिले को पहला स्थान प्राप्त हुआ है। जिसको लेकर जिला स्वास्थ्य समिति के अधिकारियों और कर्मियों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।

पखवाड़ा के दौरान बक्सर में हुए 45 पुरुष नसबंदी: अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी सह डीएमओ डॉ. शैलेंद्र कुमार ने बताया कि मिशन परिवार विकास अभियान के दौरान कुछ इंडिकेटर्स में बक्सर जिला का प्रदर्शन बेहतर रहा है। पखवाड़ा के लिए निर्धारित लक्ष्य के विरूद्ध बक्सर जिले में 45 पुरुष नसबंदी हुई। जो लक्ष्य का 69.2 प्रतिशत है। पुरुष नसबंदी में बक्सर पहले स्थान पर रहा। वहीं, वैशाली और औरंगाबाद जिला क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। महिला बंध्याकरण में इस बार थोड़ा प्रदर्शन ठीक नहीं रहा, लेकिन इसे आगामी पखवाड़ा में सुधार लाया जाएगा। साथ ही, अंतरा इंजेक्शन देने में भी बक्सर 76.8 प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करते हुए पहले स्थान पर है। इस सूची में भागलपुर और सारण क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। इसके अलावा आईयूसीडी लगाने में बक्सर चौथे स्थान पर है। बक्सर ने 46.4 प्रतिशत लक्ष्य हासिल किया है। इसमें मुंगेर पहले, रोहतास दूसरे और वैशाली तीसरे स्थान पर हैं।

छाया के वितरण में बक्सर तीसरे नंबर पर: डॉ. शैलेंद्र कुमार ने बताया कि माला-ए के वितरण में बक्सर 35 प्रतिशत लक्ष्य हासिल करके दूसरे स्थान पर है। पहले स्थान पर पटना और तीसरे स्थान पर रोहतास जिला है। वहीं, छाया के वितरण में बक्सर 38 प्रतिशत के साथ तीसरे नंबर पर रहा। इस सूची में कैमूर पहले और पटना जिला दूसरे स्थान पर है। इसके अलावा कंडोम वितरण में बक्सर चौथे स्थान पर है। लक्ष्य के अनुरूप बक्सर ने 87 प्रतिशत लोगों को कंडोम मुहैया कराया है। वहीं, इस सूची में मुंगेर पहले, पटना दूसरे और भागलपुर तीसरे स्थान पर है। साथ ही, आपातकालीन गर्भनिरोधक गोलियों की बात की जाए तो इसमें बक्सर जिला नौवें स्थान पर है। पटना, रोहतास और सारण क्रमशरू पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे।

- डॉ. सुरेश चंद्र सिन्हा, सिविल सर्जन, जिला स्वास्थ्य समिति, बक्सर

बीपीएससी परीक्षा देने जा रहे प्रभारी हेडमास्टर की सड़क हादसे में मौत, बेटा जख्मी

- आरा-सासाराम स्टेट हाइवे पर उदवंतनगर गांव के समीप तेज रफ्तार पिकअप ने रौंदा

केटी न्यूज/आरा

आरा-सासाराम स्टेट हाइवे पर उदवंतनगर गांव के समीप शुक्रवार की सुबह सड़क हादसे में एक हेडमास्टर की मौत हो गई। बीपीएससी की ओर से आयोजित शिक्षक भर्ती की परीक्षा देने जा रहे हेडमास्टर और उनके बेटे को तेज रफ्तार पिकअप ने रौंद डाला। उसमें हेडमास्टर हीरा लाल राम की मौके पर ही मौत हो गयी। हादसे में उनका पुत्र राहुल कुमार भी गंभीर रूप से जख्मी हो गया है। 48 वर्षीय हेडमास्टर हीरा लाल राम नगर थाना क्षेत्र के गौसगंज मोहल्ला निवासी जय किशुन राम के पुत्र थे। वह फिलहाल उदवंतनगर प्रखंड के मिल्की बामपाली गांव स्थित प्राइमरी स्कूल में प्रभारी प्रिंसिपल थे। जख्मी उनका 18 वर्षीय पुत्र राहुल कुमार है। उसका इलाज सदर अस्पताल में कराया जा रहा है। राहुल कुमार ने बताया कि उसके पिता की बीपीएससी की परीक्षा थी। सासाराम में सेंटर था। उसे लेकर शुक्रवार की सुबह दोनों बाइक से सासाराम जा रहे थे। उसके पिता बाइक चला रहे थे, जबकि वह पीछे बैठा था। तभी उदवंतनगर गांव के सामने से आ रही बेलगाम पिकअप ने बाइक में जोरदार ठोकर मार दी। उसमें उसके पिता की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वह भी गंभीर रूप से जख्मी हो गया। उसके बाद पुलिस द्वारा दोनों को सदर अस्पताल लाया गया। वहां डाक्टरों द्वारा उसके पिता मृत घोषित कर दिया गया। उसके बाद पुलिस की ओर से शव का पोस्टमार्टम करवाया गया।

मृतक पिता

हेडमास्टर की मौत से घर में कोहराम, तीन बच्चों से छीना पिता का प्यार

परिजनों के बेहतर भविष्य के लिए बीपीएससी की ओर से परीक्षा देने जा रहे एक शिक्षक रफ्तार के कहर के शिकार हो गये। पाक अप की चपेट में आने से उनकी जान चली गयी। उससे उनके घर में कोहराम मच गया। बताया जाता है कि शिक्षक हीरालाल राम अपने तीन भाई और एक बहन में छोटे थे। उनके परिवार में पत्नी ललिता देवी, पुत्री श्वेता स्वाती और पुत्र राहुल है। घटना के बाद शिक्षक के घर में रोना-धोना मचा है। पत्नी ललिता देवी सहित परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल था।

एसएच 102 पर बिहिया ओवरब्रिज पर गुरुवार की रात हुआ हादसा

तेज रफ्तार हाइवा से कुचलकर बाइक सवार दो दोस्तों की मौत, तीसरा जख्मी

- बर्थडे पार्टी से लौटते समय हाइवा ने तीनों दोस्तों को रौंद डाला
- हादसे से आक्रोशित लोगों ने मुआवजे की मांग को लेकर की सड़क जाम

केटी न्यूज/आरा

भोजपुर में बिहिया बाजार स्थित ओवरब्रिज पर गुरुवार की देर रात एक तेज रफ्तार हाइवा ने बाइक सवार तीन दोस्तों को रौंद दिया। हादसे में दो दोस्तों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि तीसरा गंभीर रूप से जख्मी हो गया। उसका इलाज बिहिया स्थित किसी प्राइवेट अस्पताल में कराया जा रहा है। मृतकों में शाहपुर थाना क्षेत्र के डुमरिया गांव निवासी तुलसी पासवान का 18 वर्षीय पुत्र गुरुदेव पासवान और बहोरनपुर ओपी क्षेत्र के चंदा केवटियां गांव निवासी उमा शंकर सिंह का 17 वर्षीय पुत्र आकाश कुमार शामिल हैं। जख्मी भी उसी इलाके का रहने वाला नीतीश बताया जा रहा है। आकाश कुमार दसवीं और गुरुदेव पासवान स्नातक का छात्र बताया जा रहा है। तीनों देर रात एक बर्थडे पार्टी से अपने घर लौट रहे थे। इधर, हादसे की सूचना मिलते ही लोग आक्रोशित हो उठे। गुस्साए लोग शुक्रवार की सुबह सड़क पर उतर गये और जमकर हंगामा मचाया। लोगों ने शव के साथ ओवरब्रिज के समीप सड़क जाम कर दिया। जाम कर रहे लोग हाइवा चालक की गिरफ्तार करने, मृत छात्रों के परिजनों को मुआवजा देने और स्टेट हाइवे पर वाहनों की बेलगाम रफ्तार पर रोक लगाने की मांग कर रहे थे। उस कारण हाइवे पर करीब दो घंटे तक आवागमन बाधित रहा। जाम की सूचना मिलने पर थानाध्यक्ष पुलिस बल के साथ पहुंचे और समझा कर लोगों को शांत कराया। उसके बाद आवागमन बहाल हो सका। उसके बाद पुलिस द्वारा दोनों शव का पोस्टमार्टम कराया गया।

मृतक

मृतक

दोस्तों संग ममेरे भाई के बर्थडे में गया था गुरुदेव, घर लौटते समय हो गया हादसा

गुरुदेव पासवान के परिजनों ने बताया कि गुरुवार की रात उसके ममेरे भाई का बर्थडे था। उसे लेकर उसके मामा के घर पार्टी थी। उसमें भाग लेने वह आकाश कुमार सहित दो दोस्तों के साथ बाइक से बिहिया स्थित पंचवटी मोहल्ले स्थित मामा के घर गया था। पार्टी मनाने के बाद देर रात तीनों अपने गांव लौट रहे थे। उसी दौरान बिहिया ओवर ब्रिज पर सामने से तेज रफ्तार एक में आ रही हाइवा ने तीनों को रौंद दिया। उससे गुरुदेव और उसके दोस्त आकाश कुमार की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं उनका तीसरा दोस्त गंभीर रूप से जख्मी हो गया।

दो छात्रों की मौत से घरों में मचा कोहराम

बताया जाता है कि गुरुदेव पासवान तीन भाई और दो बहनों में दूसरे स्थान पर था। उसके परिवार में मां रविता देवी, बहन नीतू कुमारी रितु कुमारी, भाई हरदेव और सूर्य देव है। आकाश कुमार अपने दो भाई वह दो बहन में तीसरे स्थान पर था। उसके परिवार में मां पम्मी देवी, बहन सलोनी सीखा और भाई प्रकाश है घटना के बाद दोनों के घरों में कोहराम मच गया है।

शराब के साथ कारोबारी धराया

औरंगाबाद। शराब के खिलाफ कार्रवाई के फलस्वरूप देव थाना की पुलिस द्वारा देसी शराब जब्त किया है। साथ ही एक करोबारी को गिरफ्तार किया गया है जिसकी पहचान बनिया गांव निवासी सुरेंद्र राम के रूप में की गई है। यह कार्रवाई थाना क्षेत्र गोजराया पुल पर की गई जिसमें 12 लीटर देसी शराब बरामद किया गया है। थानाध्यक्ष विकास कुमार ने बताया कि कार्रवाई के फलस्वरूप शराब के साथ पकड़े गए धंधेबाज को आवश्यक कार्रवाई के उपरांत जेल भेज दिया गया।

मंडल कारा का एसडीओ व एसडीपीओ ने किया निरीक्षण

औरंगाबाद। मंडल कारा औरंगाबाद का आज एसडीओ व एसडीपीओ के नेतृत्व में औचक निरीक्षण किया गया जिसमें किसी प्रकार का आपत्तिजनक सामान नहीं मिला है। हालांकि इस छापेमारी से जेल में हड़कंप सा मच गया। इस दौरान जेल के अंदर रह रहे बंदियों के बारे में जानकारी प्राप्त की गई एवं कुछ बंदियों से पूछताछ भी की गई। बंदियों की स्थिति, उनके स्वास्थ्य, जेल की साफ सफाई एवं सुरक्षा व्यवस्था का भी जायजा लिया गया। एसडीओ ने बताया कि सभी बिंदुओं को गौर से देखा गया है।

खबरें फटाफट

बोलरों से स्प्रिट की बड़ी खेप जब्त, तस्कर गिरफ्तार

औरंगाबाद। मादक पदार्थों की खरीद फरोख्त के विरुद्ध अंबा थाना की पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। इस कार्रवाई में एक बोलेरो से स्प्रिट की बड़ी खेप जब्त किया गया है। साथ ही मामले में एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया है जिसकी पहचान झारखंड के पलामू जिला अंतर्गत हैदरनगर थाना क्षेत्र के सिमरसोट गांव निवासी चंदन कुमार कुमार के रूप में की गई है। इस दौरान इसके पास से कुल - 700 लीटर स्प्रिट बरामद किया गया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि देर शाम संदेह के आधार पर छापेमारी के फलस्वरूप एक बोलेरो से स्प्रिट की बड़ी खेप बरामद किया गया है। यह कार्रवाई थाना क्षेत्र के एनएच -139 पर मध्य रात्रि संडा के समीप की गई। मामले में पकड़े गए तस्कर से पूछ-ताछ की गई जिसमें उसने बताया कि उक्त स्प्रिट को शराब निर्माण के लिए ले जाया जा रहा था। ताकि होली त्योहार पर अधीक से अधीक कच्ची शराब का स्टॉक किया जा सा सके। थानाध्यक्ष ने बताया कि आवश्यक कार्रवाई के उपरांत तस्कर को जेल भेज दिया गया।

कृषि विस्तार सेवा प्रदाता विषय पर कौशल प्रशिक्षण का आयोजन

जहानाबाद । बिहार कौशल विकास मिशन योजना के अंतर्गत आर.पी.एल. कार्यक्रम के तहत कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंध अभिकरण (आत्मा) जहानाबाद के द्वारा 15 मार्च से 06 अप्रैल 2024 के दरम्यान जिला स्तरीय प्रशिक्षण केंद्र, किसान भवन, जहानाबाद में कृषि विस्तार सेवा प्रदाता (ऐग्रिकल्चर एक्स्टेन्शन सर्विस प्रोवाइडर) विषय पर 60 घंटे का कौशल प्रशिक्षण संचालित किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ जिला कृषि पदाधिकारी एवं परियोजना निदेशक आत्मा संजय कुमार के द्वारा किया गया।

एक नजर

चुनाव की तैयारी जोरों पर, डीएम-एसपी ने मतगणना केंद्र व स्ट्रांग रूम का लिया जायजा

औरंगाबाद। दो पालियों में अध्यापक नियुक्ति प्रतियोगिता परीक्षा को शांतिपूर्ण वातावरण में कदाचार मुक्त संपन्न कराने हेतु जिला पदाधिकारी श्रीकांत शास्त्री एवं पुलिस अधीक्षक स्वप्ना गौतम मेश्राम द्वारा संयुक्त रूप से जिला के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया गया। इसी क्रम में आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर सच्चिदानंद सिन्हा कॉलेज स्थित स्ट्रांग रूम एवं काउंटिंग सेंटर के सुरक्षा ढांचे और अन्य सुविधाओं के हर पहलू की सूक्ष्मता से समीक्षा किया। वहीं ईवीएम की सुरक्षा के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। ज़िला पदाधिकारी श्रीकांत शास्त्री ने बताया कि आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर सच्चिदानंद सिंह महाविद्यालय में स्ट्रांग रूम तैयार किया गया है। मतदान के बाद ईवीएम को सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच स्ट्रांग रूम में रखा जाएगा। यहां पर ही बनाए गए मतगणना केंद्र पर गिनती होगी। मतदान की समाप्ति के बाद पोलिंग पार्टियां ईवीएम स्ट्रांग रूम में जमा करेंगी। स्ट्रांग रूम में अनधिकृत लोगों का प्रवेश वर्जित रहेगा। ईवीएम की सुरक्षा के लिए स्ट्रांग रूम को सील किया जाएगा। वहीं ईवीएम स्ट्रांग रूम में रखे जाएंगे। जबकि किसी तरह की चूक नहीं होने के लिए शिफ्टवार फोर्स की ड्यूटी लगाई जाएगी और कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच 24 घंटे निगरानी रहेगी।

केन्द्रीय मंत्री सह आरा सांसद आज विभिन्न योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे

आरा। शनिवार को आरा सांसद सह केन्द्रीय ऊर्जा मंत्री आर के सिंह अपने लोकसभा क्षेत्र के विभिन्न योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे। केन्द्रीय मंत्री पूर्व मे की गई पीरो पड़ाव मैदान का सौंदर्यीकरण और जगदीशपुर मे बाबु कुंवर सिंह प्रवेश द्वार का शिलान्यास करेंगे। जिलाध्यक्ष दुर्गा राज ने बताया कि पीरो मे ऐतिहासिक पड़ाव मैदान का सौंदर्यीकरण की घोषणा माननीय केन्द्रीय मंत्री सह आरा सांसद आर के सिंह द्वारा की गई थी।शनिवार को 11 बजे उस योजना का शिलान्यास किया जाएगा। जिससे पीरो क्षेत्र के जनता मे खुशी का माहोल है। सभी ने केन्द्रीय मंत्री को बधाई दी है। इसके साथ आरा मे केन्द्रीय मंत्री द्वारा हित नारायण क्षत्रिय विद्यालय का जीणोद्धार कराया गया है,जिसका उद्घाटन 1:15 दिन मे केन्द्रीय ऊर्जा मंत्री सह आरा सांसद आर के सिंह के कर कमलो द्वारा किया जाएगा। केन्द्रीय मंत्री द्वारा पीरो,जगदीशपुर और आरा मे बहुमूल्य सौगात देने पर भारतीय जनता पार्टी भोजपुर के नेताओं और कार्यकताओं ने खुशी व्यक्त करते हुए आभार व्यक्त किया है।

हत्यारोपी के घर पुलिस ने चिपकाया इश्तिहार

औरंगाबाद। हत्याकांड मामले में फरार आरोपित के घर माली पुलिस ने इश्तिहार चिपकाया हैं और आरोपित को जल्द आत्म समर्पण करने का निर्देश दिया है, अन्यथा कोर्ट के निर्देश पर घर की कुर्की जब्ती की जाएंगी। दरअसल मामले में पांडे कर्मा गांव निवासी हरिश पांडे गांव के ही कमलेश पांडे की हत्याकांड में फरार चल रहा है जिसमें पुलिस ने अभियुक्त के घर पर आज कोर्ट से निर्गत इश्तिहार को चिपकाया है। इस मामले में हरिश पांडे एवं तीन अज्ञात के विरुद्ध मामला दर्ज करवाया गया है।

होमगार्ड के सफल अभ्यर्थियों ने नियुक्ति के लिए सरकार से लगाई गुहार

केटी न्यूज/दाउदनगर

होमगार्ड सफल अभ्यर्थियों को नियुक्ति को लेकर शोषण से संग्राम संगठन के बैनर तले जन क्रांति ने आंदोलन का आगाज किया गया। आंदोलन अरवल से होते आज दाउदनगर के रास्ते गया के लिए रवाना हुआ। दाउदनगर में शोषण से संग्राम संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि बिहार सरकार युवाओं को गुमराह कर रही हैं। होमगार्ड की नियुक्ति के लिए करीब 5 लाख की संख्या में युवा बेरोजगारों ने परीक्षा दी। इसमें शारीरिक परीक्षा के साथ लिखित परीक्षा भी ली गयी। परीक्षा के बाद मेधा सूची का भी प्रकाशन किया गया है। लेकिन सफल उम्मीदवारों की नियुक्ति प्रक्रिया पूरी नहीं की जा रही है। सरकार और स्थानीय प्रशासन ने इस मामले में उदासीनता अख्तियार कर रखी है। उन्होंने कहा कि जन क्रांति आंदोलन के माध्यम से हम सभी बिहार सरकार से मांग करता हूं कि, जल्द से जल्द नियुक्ती प्रक्रिया पूरी की जाए। सम्पूर्ण रूप से बिहार में आउटसोर्सिंग संविदा को खत्म करें। बिहार में न्यूनतम वेतनमान 27 हजार लागू करें। इस दौरान औरंगाबाद से पुनम कुमारी यादव बलिराम ठाकुर, उमेश यादव, बेतिया सुमित सिंह, कैमुर राजू यादव, सहरसा निर्मल कुमार, भागलपुर पंकज कुमार, जमुई राजेश कुमार, गया रविन्द्र कुमार, नवादा सुधीर सिंह एवं सैकड़ो लोगों ने समर्थन दिया।

शौच करने निकले बच्चे की ट्रैक्टर की चपेट में आने से मौत, हंगामा और रोड जाम

आरा। बिहिया-बिहटा स्टेट हाइवे पर इमादपुर थाना क्षेत्र के विशुनपुरा गांव के समीप शुक्रवार की सुबह तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने एक बच्चे को रौंद दिया। उसमें बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई। मृत बच्चा विशुनपुरा गांव निवासी धर्मेंद्र कुमार का पांच वर्षीय पुत्र एबी कुमार था। इधर, हादसे के बाद चालक थाना होते ट्रैक्टर लेकर चलता बना। बच्चे के दादा सहित अन्य ग्रामीण शोर मचाते रहे किसी पुलिस कर्मी द्वारा ट्रैक्टर को पकड़ने की जहमत नहीं उठाई गई। उससे ग्रामीणों का गुस्सा भड़क उठा। आक्रोशित लोग सड़क पर उतर गये और जमकर हंगामा किया। लोगों ने बच्चे के शव के साथ स्टेट हाइवे को जाम कर दिया। जाम कर रहे ग्रामीण ट्रैक्टर को जब्त करते हुए चालक को गिरफ्तार करने और बच्चे के परिजनों को मुआवजा देने मांग कर रहे थे। उस कारण स्टेट हाइवे पर करीब दो घंटे से भी अधिक समय तक तक आवागमन बाधित रहा। बाद में पुलिस अफसरों द्वारा समझा कर लोगों को शांत कराया गया। साथ ही सीसीटीवी फुटेज के जरिए ट्रैक्टर चालक की पहचान कर गिरफ्तार करने का आश्वासन दिया गया। उसके बाद आवागमन बहाल किया जा सका और शव का पोस्टमार्टम कराया गया। परिजन राजेश कुमार ने बताया कि शुक्रवार की सुबह एबी कुमार अपने दादा के साथ शौच करने के लिए घर से निकला था। उसके दादा आगे चल रहे और वह पीछे था। उस दौरान एबी सड़क पार कर रहा था। तभी सामने से गलत दिशा में आ रहे बेलगाम ट्रैक्टर ने उसे रौंद दिया। उससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। उसके बाद स्थानीय लोगों द्वारा ट्रैक्टर को दौड़कर पकड़ने की भी कोशिश की गई।

अंगद यादव हत्याकांड का मुख्य शूटर गिरफ्तार, सुपारी लेकर मारी थी गोली

- मुफ्फसिल थाना की पुलिस ने नवादा थाने के केजी रोड से शूटर को दबोचा

केटी न्यूज/आरा

मुफस्सिल थाना क्षेत्र के शोभी डुमरा गांव के पास बाबू बाजार चरपुलवा निवासी प्राइवेट कर्मचारी अभिषेक कुमार उर्फ अंगद यादव हत्या कांड के मुख्य शूटर को गिरफ्तार कर लिया है। उसे गुरुवार की रात नवादा थाना क्षेत्र के केजी रोड से गिरफ्तार किया गया। वह शाहपुर करनामेपुर ओपी क्षेत्र के ओझवलिया निवासी उपेन्द्र राय का पुत्र संजीत राय उर्फ प्रिंस उर्फ साधु है। पैसे की लेने-देने के विवाद में सुपारी देकर अंगद यादव की हत्या करायी गयी थी। हत्या कांड के मुख्य साजिश कर्ता सहित दो आरोपितों को पुलिस द्वारा पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। एएसपी परिचय कुमार की ओर से शुक्रवार को प्रेस कांफ्रेंस कर यह जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि चार फरवरी की दोपहर शोभी डुमरा गांव के पास अंगद यादव की गोली मारकर हत्या की गयी थी। उसके बाद अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए थानाध्यक्ष राजीव कुमार सिन्हा, थानाध्यक्ष के नेतृत्व में टीम गठित की गयी थी। टीम द्वारा पूर्व में ही हत्या का खुलासा करते हुए दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया गया था।

खबरें फटाफट

34 गोवंश के साथ तीन तस्करों को पकड़ाये

चंदौली। सदर कोतवाली पुलिस ने शुक्रवार को भगवानपुर नेशनल हाइवे पर चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर तीन पिकअप में 34 गोवंश को कब्जे में कर तीन तस्करों को जेल भेज दिया। बताते हैं कि उपनिरीक्षक रावेन्द्र सिंह मय हमराही रात्रि गश्त पर थे, तभी मुखबीर से सूचना मिली कि कई पिकअप से प्रतिबन्धित पशुओं को वाराणसी की तरफ से सैयदराजा से होते हुए बिहार के रास्ते पण्डुआ पश्चिम बगांल परिवहन किया जा रहा है। इस सूचना पर थाना प्रभारी गगनराज सिंह मय टीम द्वारा बड़े साहब ढाबा के पास इकट्ठा होकर बड़े साहब ढाबा के सामने सर्विस लेन डायवर्जन पर बडे वाहनों को रोक कर जाम की स्थिति बनायी गयी। कुछ देर में 03 पिकप जाम में फंस कर रुक गयी। मौजूद पुलिस बल द्वारा सभी पिकअप वाहनों को घेराबन्दी कर पिकअप की जांच पड़ताल की गई और मवेशी पाए जाने पर तीन व्यक्तियों को हिरासत में ले लिया। बरामद तीनों पिकअप वाहनों का निरीक्षण करने पर कुल 34 गोवंश बरामद हुए। गोवंशों को क्रूरतापूर्वक पैर व गर्दन बांधकर लादा गया था। पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक गगनराज सिंह, रावेन्द्र सिंह, सूरज सिंह उपस्थित रहे।

सुहवल कम्पोजिट का मना वार्षिकोत्सव

गाजीपुर। रेवतीपुर ब्लाक अंतर्गत सुहवल गांव के कम्पोजिट विद्यालय का शासन के निर्देश पर वार्षिकोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका शुभारंभ प्रधानाध्यापक प्रेम कुमार उपाध्याय ने दीप प्रज्वलित करने के साथ ही सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया। इस दौरान आयुषी, शिवानी, श्वेता और रिंकी के द्वारा सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत का कार्यक्रम प्रस्तुत कर सबका मन मोह लिया। इसके अतिरिक्त छात्र - छात्राओं के द्वारा रंगारंग कार्यक्रम नृत्य, कविता इत्यादि प्रस्तुत किए गए राम आएंगे..'.गाने पर श्वेता और सूर्यांश ने शानदार नृत्य प्रस्तुत कर सबको अपनी ओर आकर्षित कर लिया।

प्रदेश रेंजर्स प्रतियोगिता में चैम्पियन टीम का किया अभिनंदन

- जीता तो मैदान में, हार के बाद छोड़ देते हैं मैदान
- राजनीतिक दल भी हार के बाद नहीं लगाते दांव

केटी न्यूज/गाजीपुर

प्रादेशिक रोवर्स तथा रेंजर्स समागम 2024 में पीजी कालेज गाजीपुर की टीम उत्तर प्रदेश चैम्पियन बनी है। प्राचार्य प्रोफसर (डॉ) राघवेंद्र कुमार पांडेय ने बताया कि यह समागम दिगंबर जैन कालेज बडौत बागपत में 11 से 13 मार्च 2024 को आयोजित हुआ था। जिसमें स्नातकोत्तर महाविद्यालय गाजीपुर की टीम ने वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। पीजी कालेज की टीम ने समागम में शुरू से ही अपना वर्चस्व बनाए रखा। अलग-अलग प्रतियोगिताओं में जैसे टेंट प्रतियोगिता, पुल प्रतियोगिता, फायर फाइटिंग, रोल प्ले, ध्वज शिष्टाचार झॉकी, लोक गीत, लोक नृत्य, किम्स गेम, ध्वज शिष्टाचार आदि में प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्राचार्य प्रोफेसर (डॉ) राघवेंद्र कुमार पांडेय ने टीम की इस जीत पर सभी रोवर्स-रेंजर्स को कॉलेज को पुनः प्रदेश चैम्पियन बनने पर सभी को बधाई दी और कहा कि महाविद्यालय परिवार के लिए गौरवशाली क्षण है। उन्होंने बताया कि महाविद्यालय की यह दोनों टीमें रोवर्स एवं रेंजर्स जनपदीय तथा विश्वविद्यालय स्तर के सत्र 2024 के समागम में भी प्रथम स्थान पर रह कर विजेता रही हैं। लगातार कई वर्षों से प्रदेश चैम्पियन हो रही है। रोवर्स एवं रेंजर्स की प्रदेश चैम्पियन टीम के गाजीपुर आगमन पर महाविद्यालय परिसर में प्राचार्य द्वारा रोवर्स एवं रेंजर्स टीम के साथ-साथ डॉ मनोज कुमार मिश्र जिला प्रशिक्षण आयुक्त, वीर बहादुर पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर व प्रभारी रोवर्स एवं रेंजर्स, डॉ० अतुल कुमार सिंह एवं अशोक कुमार सिंह को इस जीत पर गर्मजोशी के साथ बधाई देते हुए अभिनन्दन किया गया। इस दौरान उन्होंने कहा कि सभी पूरी ईमानदारी के साथ अपना कार्य किया है। तभी यह मुकाम हासिल हुआ है। इसी तरह सभी को मिलकर आगे मेहनत करना होगा। तभी और भी सफलता मिलेगी। अपनी सक्रिय भूमिका का निर्वहन करने वाले, दिनेश सिंह यादव, जिला संगठन कमिश्नर गाजीपुर, कुमार प्रमोद कुमार यादव, इनामुल्लाह अंसारी को भी बधाई दिया। इस अवसर पर बधाई देने वालों में प्रोफेसर एसडी सिंह, एसएन सिंह, अरुण कुमार यादव, लवजी सिंह, अशोक कुमार सिंह, डॉ० मनोज कुमार मिश्र, डॉ० अतुल कुमार सिंह सहित महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे।

बलिया कोतवाली क्षेत्र के विद्याभवन नारायनपुर में ग्रामीणों का फूटा गुस्सा

शराब पीने से युवक की मौत, ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

- ग्रामीणों ने शराब की दुकान बंद की मांग को लेकर महिला व पुरुष उतरें सड़कों पर
- ग्रामीणों का आरोप सुलभ तरीके से उपलब्ध हो रही है शराब, जिस कारण इसकी जद में आ रहे है यहां के युवा

केटी न्यूज/ बांसडीह

बलिया कोतवाली क्षेत्र के विद्याभवन नारायनपुर स्थित देशी शराब की दुकान पर गुरुवार की शाम अत्यधिक शराब पीने से हुई युवक की मौत के बाद शुक्रवार की सुबह बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीणों ने शराब की दुकान बंद करने की मांग करते हुए सड़क पर हंगामा खड़ा कर दिया और बांसडीह मनियर मार्ग अवरुद्ध कर बीच सड़क पर खड़े हो गए। जिला प्रशासन के आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने जाम समाप्त किया। गुरुवार की शाम स्थानीय युवक पन्नालाल चौहान की अत्यधिक शराब पीने से देशी शराब की दुकान के पास ही मौत हो गयी थी। वह सुबह से ही शराब की दुकान के पास बैठ कर शराब पी रहा था। देर शाम उसकी मौत के बाद घरवालों ने उसका अंतिम संस्कार तो कर दिया। लेकिन इस घटना से ग्रामीणों में शराब की दुकान को लेकर आक्रोश व्याप्त हो गया। बड़ी संख्या में महिलाएं पुरुष व युवकों की टोली शराब की दुकान बंद कराने के लिये सड़क पर उतर आई। ग्रामीणों की शिकायत है की जब से उक्त शराब की दुकान खुली है। स्थानीय युवाओं में तेजी से शराब पीने की लत बढ़ रही है। आसानी से सुलभ होने के कारण क्षेत्र में दिनोंदिन पियक्कड़ों की संख्या बढ़ती चली जा रही है। सड़क जाम होने की सूचना मिलते ही मौके पर पंहुचे प्रभारी थानाध्यक्ष रंजीत विश्वकर्मा ने प्रदर्शनकारियों से बात कर सड़क पर से जाम खुलवाने का प्रयास किया। ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि फिलहाल शराब की दुकान को बंद करवा दिया जा रहा है। क्योंकि इसे पूरी तरह बंद करने का उन्हें अधिकार नही है। काफी देर बाद मौके पर नायब तहसीलदार सुधांशु श्रीवास्तव मौके पर पंहुचे और ग्रामीणों से वार्ता कर उन्हें समझाने का प्रयास किया लेकिन ग्रामीण शराब की दुकान को वहां से हटाने के अलावा किसी बात पर राजी नही थे। ग्रामीणों ने प्रशासन को बताया कि पास में ही दो इंटरमीडिएट कालेज हैं । उनके बीच शराब की दुकान स्थापित कर दी गयी है। जहां सुबह से शाम तक पियक्कड़ों का जमावड़ा लगता है। उस रास्ते से आने जाने वाली युवतियों व छात्राओं को काफी असहज स्थिति का सामना करना पड़ता है। शराब पीकर वहां शराबी खुलेआम गाली गलौज व अश्लील बातें कहते रहते हैं। इसलिए अब इस दुकान को यहां रहने देने का कोई औचित्य नही है। ग्रामीणों की मांग पर नायब तहसीलदार ने दुकान को तत्काल प्रभाव से बंद कराने के साथ उन्हें आश्वासन दिया कि उनके द्वारा तत्काल आबकारी विभाग को पत्र लिखकर इस दुकान को यहां से हटाने के लिये कहा जायेगा। फिलहाल दुकान को बंद किया जा रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग करते हुए कहा कि तीन दिनों में शराब की दुकान यहां से पूरी तरह हटायी जानी चाहिये। नायब तहसीलदार ने उन्हें आश्वस्त किया।

पटना हाईकोर्ट में अनुभाग अधिकारी पद पर विशाल का चयन

गाजीपुर। रेवतीपुर ब्लाक क्षेत्र के मेदनीपुर निवासी विशाल सिंह ने पटना हाईकोर्ट द्वारा आयोजित एसओ-एसीओ के 2023 परीक्षा में सफलता दर्ज कर गांव और जिले का नाम रौशन किया है। इसके बाद उनका चयन उच्च न्यायालय में सेक्शन आफिसर के पद पर किया गया। इसमें कुल 550 अभ्यर्थियों का चयन हुआ है। जिसमें विशाल सिंह ने 169वीं रैंक हासिल किया। इस सफलता पर बातचीत में विशाल सिंह ने बताया कि पटना हाईकोर्ट में अनुभाग अधिकारी के पद पर चयन होने से उन्हें काफी खुशी है,बताया कि इस सफलता का श्रेय वह अपनी कडी मेहनत के साथ ही माता पिता के आशिर्वाद व दोस्तों के सहयोग को जाता है। उन्होंने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में जुटे अभ्यर्थियों से आह्वान किया कि लक्ष्य अगर निर्धारित कर पूरी एकाग्रता से तैयारी करें तो सफलता निश्चित है।अनुभाग अधिकारी के पद पर चयनित विशाल सिंह ने बताया कि उनकी प्राथमिक शिक्षा दीक्षा गांव पर हुई है, हाईस्कूल व इंटर गाजीपुर से उत्तीर्ण करने के बाद उन्होंने आगरा से 2017 में बीटेक का कोर्स पूरा करने के बाद वह टोयटो कम्पनी में इंजिनियर के पद पर नौकरी शुरू किया था।

एक नजर

मुंडन संस्कार में गए युवक का मिला शव

हल्दी। क्षेत्र के हांसनगर गंगा घाट पर बुधवार को मुंडन संस्कार में गए युवक का शव तीसरे दिन सुबह गंगा के बिहार घाट के पास मिलते ही गांव में कोहराम मच गया। हल्दी गांव निवासी सुरेश सिंह का लड़का रितेश उर्फ आकाश सिंह बुधवार की सुबह गांव से एक मुंडन संस्कार में लड़कों के साथ हंसनगर गंगा घाट पर गया था। जब शाम तक घर नहीं आया तो परिजन परेशान हो उसको ढूढते हुए गंगा घाट पहुंचे जहां परिजनों को रितेश के कपड़े मिले। जिससे परिजनों को शक हुआ की कहीं रितेश गहरे पानी में तो नहीं चला गया क्योंकि उसका मोबाइल भी बंद बता रहा था। परिजनों में इसकी लिखित सूचना पुलिस को देकर गुहार लगाई। जिस पर पुलिस मामले को जांच में जुट गई। तीसरे दिन शुक्रवार को सुबह पता चला कि गंगा के बिहार घाट पर किनारे एक युवक का शव मिला है। जिसकी पहचान परिजनों ने रितेश के रूप में की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अंत्य परीक्षण के लिए जिला अस्पताल भेज दिया।

हस्ताक्षर अभियान चला किया तंबाकू छोड़ने आह्वान

चंदौली। जिला तंबाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ की ओर से शुक्रवार को पंडित कमलापति त्रिपाठी संयुक्त जिला चिकित्सालय परिसर में हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। इसका शुभारंभ मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर सत्य प्रकाश और सीएमओ डॉक्टर युगल किशोर राय ने हस्ताक्षर कर अभियान का शुभारंभ किया। जहां पर कर्मचारियों के साथ-साथ आने वाले लोगों ने हस्ताक्षर कार्यक्रम में भाग लिया और उन्हें विभाग की ओर से पंपलेट देकर जागरूक किया गया। इस दौरान सीएमओ ने कहा कि बीमारियों का एकमात्र सबसे बड़ा कारण तंबाकू का सेवन है तंबाकू के सेवन करने से लोग अपने जान गवाते हैं, लेकिन उन्हें बचाने के लिए स्वास्थ्य विभाग समय-समय पर अभियान चला कर नशा मुक्ति का आह्वान करता है। इसी क्रम में 13 से 23 मार्च तक अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत कर्मचारी व अधिकारी लोगों को जागरुक कर रहे हैं ताकि तंबाकू सेवन से होने वाली बीमारियों से लोगों को बचाया जा सके। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर सत्य प्रकाश ने कहा कि खानी जर्दा पान मसाला और अन्य दुआ रहित तंबाकू से 4000 से अधिक विषैला और कैंसर के तत्व मौजूद होते हैं। जिससे मुंह का कैंसर भी हो सकता है। इससे बचने के लिए सभी को जागरूक होने की जरूरत है और लोगों को धूम्रपान से बचना चाहिए। धूम्रपान छोड़ने से रक्तचाप हृदय गति सहित तमाम कई बीमारियों से आप मुक्त हो सकते हैं। इस दौरान जिला नोएडा अधिकारी डॉक्टर सीपी सिंह पूनम पटेल अनीता पांडे डॉक्टर अभिषेक सिंह शिल्पी सिंह कुसुम मिश्रा गीता रक्षित साहनी उपस्थित रही।

देवडीह ग्राम में अज्ञात कारणों से लगी भीषण आग

बांसडीह। कोतवाली क्षेत्र के देवडीह ग्राम सभा में गुरुवार की देररात लगभग दो बजे अज्ञात कारणों से रिहायशी झोपड़ियो में भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। और अपने आगोश में एक दर्जन झोपड़ियों को ले लिया। जिससे उन झोपड़िया में रखी गृहस्थी का सारा सामान जलकर राख हो गया। आग लगी कि इस घटना में 10 से अधिक मुर्गियों की जलकर मौत हो गई। वही आग लगने के बाद पीड़ित परिवार काफी परेशान है। जब तक आग पर काबू पाया जाता तब तक आग में विकराल रूप धारण कर चुका था। और सब कुछ जलकर राख हो चुका था। खेजुरी थाना क्षेत्र के कुशहा टोला पर गुरुवार की रात लगभग एक बजे अज्ञात कारणों से आग लग जाने के कारण छः परिवारों की रिहायशी झोपड़ियां तथा उसमें रखे हजारों रूपए का सामान जलकर राख हो गया। वहीं एक दर्जन से अधिक मवेशी आग की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गए। जिसमें आधा दर्जन मवेशियों की झुलसने से मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार गुरुवार की रात कुशहां डेरा पर सभी लोग अपने-अपने रिहायशी झोपड़ी में सो रहे थे। अभी उनकी आवाज पर आसपास के लोग कुछ समझ पाते, तब तक रामबचन बिंद, कमला बिंद, सुरेंद्र बिंद, श्याम लाल बिंद तथा विशंभर बिंद की झोपड़ियों में आग पूरी तरह से फैल गई। रात होने के कारण कोई कुछ समझ नहीं पा रहा था। इस दौरान झोपड़ी के अंदर बांधे गए लगभग एक दर्जन मवेशी झुलस गए।

महानायक कांशीराम ने समाज के 85 फीसदी लोगों में पैदा की जागृतिः डॉ. विनोद कुमार

केटी न्यूज/ चंदौली

चंदौली स्थित एक लान में शुक्रवार को बसपा संस्थापक कांशीराम की जयंती धूमधाम से मनायी गयी। इस दौरान वाराणसी मंडल के मुख्य कोआर्डिनेटर व बसपा जिलाध्यक्ष घनश्याम प्रधान की मौजूद में बसपा कार्यकताओं व जनप्रतिनिधियों ने कांशीराम के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। साथ ही उनके जीवन संघर्ष व दलितों के उत्थान में दिए गए योगदान पर प्रकाश डाला और उनके पदचिह्नों पर चलने के संकल्प को दोहराया। इस दौरान मुख्य अतिथि वाराणसी मंडल के मुख्य कोऑर्डिनेटर डा. विनोद कुमार ने कहा कि कांशीराम महान युग पुरुष एवं सामाजिक परिवर्तन के महानायक थे। जिन्होंने समाज के 6743 जातियों यानि 85 फीसद लोगों के अंदर जागृति पैदा कर राजनैतिक की चाबी से सत्ता प्राप्त करने का मार्ग दिखाने का कार्य किया। अब उनकी विचार धारा व सोच को आगे बढ़ाने का काम बसपा सुप्रीमो मायावती द्वारा पूरी निष्ठा व जिम्मेदारी के साथ किया जा रहा है। आज उनके जन्मदिन पर हम सभी को संकल्प लेना चाहिए। और बसपा की विचार धारा को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करना चाहिए। बसपा जिलाध्यक्ष घनश्याम प्रधान ने कहा कि हम सभी को बहुजन समाज नायक कांशीराम के जीवन संघर्षों से प्रेरित होकर उनके दिखाए मार्ग पर चलना होगा। हमें शिक्षित और संगठित होकर बहुजन कल्याण का बिगुल फूंकना होगा, ताकि दलितों का शोषण, उत्पीड़न, दमन व उनके खिलाफ हो रहे अपराध को रोका जा सके। वर्तमान में दलितों को गुमराह करने का काम विभिन्न दलों के द्वारा किया जा रहा है। इस दौरान तिलकधारी बिंद, राजन खान, राकेश शर्मा, मुकेश कुमार, हेमंत कुमार, छविनाथ मौर्य, उमापति, सुभाष चंद्र, रमेश मास्टर, रामचरण राम, विनोद प्रधान, विजय बहादुर, श्रीकांत मौर्य, कमलाबिंद आदि मौजूद रहे।

यूनीफार्म तथा पाठ्य पुस्तकों के लिए धनराशि का आवंटन, शीघ्र खाते में जाएगी राशि

- निजी विद्यालयों में अलाभित समूह एवं दुर्बल वर्ग के बच्चों को मिलेगी धनराशि
- 31 मार्च तक 1891 बच्चों के खाते में पांच हजार के दर से भेजना है धनराशि

केटी न्यूज/ बलिया

वित्तीय वर्ष 2023-24 में गैर सहायतित मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों में अलाभित समूह एवं दुर्बल वर्ग के बच्चों को यूनीफार्म तथा पाठ्य पुस्तकों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान किए जाने के लिए शासन द्वारा धनराशि का आवंटन कर दिया गया है। निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम के तहत बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय द्वारा जनपद के गैर सहायतित मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों में अलाभित समूह एवं दुर्बल वर्ग के पढ़ने वाले बच्चों को यूनीफार्म तथा पाठ्य पुस्तकों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान किए जाने के लिए 1891 छात्र-छात्राओं की सूची उपलब्ध कराई गई थी। जिसके निमित्त शासन ने वर्ष 2023-24 के 9455000 रुपया आवंटित कर दिया है जो प्रत्येक बच्चों को पांच-पांच हजार रुपए के दर से खाते में भेजे जाएंगे। जबकि धनराशि वितरण करने के लिए एक पखवाड़ा शेष रह गया है। अब देखना यह है कि बेसिक शिक्षा विभाग बच्चों के खाते में समय रहते धनराशि भेज दे रहा है या फिर लैप्स हो जाएगा। बता दे कि वर्ष 2020 से धनराशि शासन ने नहीं भेजा गया था। लेकिन वर्ष 2023-24 में धनराशि आवंटन कर दिया है। इस बाबत जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी मनीष सिंह ने बताया कि जिलाधिकारी के यहां एक फाइल लगी हुई है। जिसका प्रत्यावेदन हो गया है। शेष तीन दिन में फाइल लग जाएगी और समय के अंदर पैसा बच्चों के खाते में चला जाएगा। इसकी किसी तरह का विलंब नहीं हो। इस कार्य में लापरवाही बरतने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

आंख अस्पताल में न तो डॉक्टर और न ही एक भी मेडिकल स्टाफ था मौजूद

एडिशनल सीएमओ ने निजी अस्पताल का किया निरीक्षण, व्यवस्था नदारद

केटी न्यूज/ गाजीपुर

नियमों को ताक पर रख संचालित हो रहे प्राइवेट अस्पताल पर स्वास्थ्य विभाग के एडिशनल सीएमओ डा.आरके यादव पूरी टीम के साथ औचक निरीक्षण करने पहुंचे। इस दौरान शादियाबाद बाजार स्थित उर्मिला आंख अस्पताल में तमाम खामियां मिली। अस्पताल में डॉक्टर, फर्मासिस्ट सहित कोई सपोर्टिव स्टाफ मौजूद नहीं मिला। हास्पिटल के अंदर एक्सपाइरी डेट की दवाएं भी उपलब्ध थी। इतना ही नहीं जब एडिशनल.सीएमओ ने ओटी कक्ष का निरीक्षण किया तो उसमें अटैच लैट्रिन वाशरूम भी था, जो कि भयंकर इंन्फेक्शन को दावत देता मिला। ओटी कक्ष में शौचालय देखकर एडिशनल सीएमओ बुरी तरह भड़क गए। हास्पिटल मरीजों से खचा खच भरा मिला। देखा जाए तो आयुष्मान भारत से यह अस्पताल जुड़ा है। टीएमएस पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन पर मरीजों का डिटेल देने में भी हास्पिटल असमर्थ दिखा। एडिशनल सीएमओ ने मनिहारी ब्लॉक के एमओआईसी डा.धर्मेंद्र को हास्पिटल बंद करने का आदेश दे दिया। संचालक से डिग्री के बारे में पूछने पर संतोषजनक जवाब नहीं मिला। मौके पर न तो कोई डा.मिला और न ही किसी रजि.डाक्टर या मेडिकल स्टाफ की डिग्री, जिसे अस्पताल संचालक दिखा सके। अस्पताल में साफ सफाई का अभाव रहा। इस दौरान जांच टीम पहुंचने से अस्पताल में पूरी तरह अफरा- तफरी का माहौल बना रहा। संचालक को नोटिस जारी किया गया है। दो दिन में रजिस्ट्रेशन से जुड़े दस्तावेज व चिकित्सा स्टाफ की जानकारी मांगी गई है। सत्यापन पर विधिक कार्रवाई की जाएगी। एडीशनल सीएमओ की इस कार्रवाई से जिले के सभी निजी अस्पतालों में हड़कंप मच गया है। वहीं जानकारों का कहना है कि जिले में कई ऐसे निजी अस्पताल है जो महज दो कमरों में चल रहे है। वहां ऑपरेशन भी रहा है। परंतु उन्हें रोकने के लिए कोई भी कदम नहीं उठाया जा रहा है।

मऊ के स्कूलों के लिए किशोर स्वास्थ्य को लेकर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण संपन्न

♦ एम.ए.सी.टी. द्वारा कुल 130 मामलों का निस्तारण करते हुए 15185000 की दिलायी गयी धनराशि

केटी न्यूज/मऊ

किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत स्कूल हेल्थ एवम वेलनेस कार्यक्रम के लिए जनपद के जिला शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान मऊ में शासन के निदेर्शानुसार स्वास्थ्य विभाग एवं शिक्षा विभाग के समन्वय से 4 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें किशोर को मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य तंबाकू नियंत्रण यौन रोग प्रजनन स्वास्थ्य आदि रोगों को लेकर जागरूक करने का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के उपरांत प्रशिक्षकों द्वारा ब्लॉक स्तर पर शिक्षको को जल्द ही प्रशिक्षित किया जाएगा।यह जानकारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. नंदकुमार ने दी।

किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डा. बी के यादव द्वारा बताया गया कि सरकार की किशोरों किशोरियों हेतु महत्त्वाकांक्षी कार्यक्रम स्कूल हेल्थ एवम वेलनेस कार्यक्रम के अंतर्गत किशोर किशोरियों के शारीरिक, मानसिक स्वास्थ्य, लिंग आधारित हिंसा,

पोषण, इंटरनेट/ मोबाइल का सही प्रयोग, लिंग भेद, धूम्रपान एवम तंबाकू निषेध, व्यक्तिगत साफ सफाई, सेनेटरी नेपकिन के प्रयोग, प्रजनन स्वास्थ्य यौन रोग एवम एचआईवी, सेफ्टी एवम सिक्योरिटी अगेंस्ट वॉयलेंस एंड इंजरी, मूल्य और जिम्मेदार नागरिक, स्वस्थ जीवन शैली का प्रमोशन, अंत वैयक्तिक संबंध इत्यादि विषय शामिल है।

डा. बीके यादव ने बताया कि इन विषयों पर राज्य स्तर पर प्रशिक्षण प्राप्त प्रशिक्षकों द्वारा जनपद में दिनांक 15 मार्च तक 4 दिवसीय ब्लॉक प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण सफलता पूर्वक कराया गया।

स्वास्थ्य विभाग के प्रतिभागी डा एस के पांडेय, चिकित्साधिकारी कोपागंज, डा उम्मूल ओला, चिकित्साधिकारी, बडराव एवम यूसुफ शाह, स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी कोपागंज द्वारा संयुक्त रूप से बताया गया कि यह प्रशिक्षण बहुत ही बेहतरीन ढंग से युवाओं हेतु डिजाइन किया गया है, जिसमे किशोरों के स्वास्थ्य एवम अच्छे जीवन शैली हेतु सभी बिंदु संकलित है। यह प्रशिक्षण बहुत ही अच्छे ढंग से पूर्ण हुआ , अब ब्लॉक के स्कूलों में शिक्षको को प्रशिक्षित कर बेहतरीन ढंग से लागू कराने की बड़ी जिम्मेदारी है।

शिक्षा विभाग से प्रतिभागी ममता पांडेय शिक्षिका , फतेहपुर मंडाव, रश्मी पांडेय शिक्षिका, घोसी, एवम अफजाल अहमद, शिक्षक, रतनपुरा द्वारा संयुक्त रूप से बताया गया की इस प्रशिक्षण में किशोरों के स्वास्थ्य एवम वेलनेस के संबंध में बहुत से नई नई जानकारियां प्राप्त हुई, जिसका विद्यालयों में बहुत ही कमी महसूस की जा रही थी।

एक नजर

मऊ के जिलाधिकारी ने छह ट्रांसजेंडरों को दिया परिचय पत्र, मत का उपयोग करने की अपील की

मऊ। भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के अधिसूचना दिनांक 25-09-2020 द्वारा उभयलिंगी व्यक्ति (अधिकारों का

संरक्षण) नियम, 2020 के क्रियान्वयन के निर्देश दिये गये हैं। उक्त नियम के अन्तर्गत ट्रांसजेण्डरों का परिचय पत्र बनाया जाना तथा उन्हें कल्याणकारी योजनाओं से भी लाभान्वित किया जाना है। जनपद में जिलाधिकारी प्रवीण मिश्र ने 06 ट्रांसजेण्डरों को परिचय-पत्र का वितरण कर उन्हें शुभकामना दी। इस अवसर पर जिलाधिकारी द्वारा उपस्थित ट्रांसजेण्डरों को रोजगार, शिक्षा में बढ़-चढ़ कर भागीदारी करने एंव चुनाव में अपने मतों का उपयोग करते हुए लोकतन्त्र को और मजबूत बनाने हेतु प्रेरित किया गया। साथ ही जिला समाज कल्याण अधिकारी को जनपद में अधिक से अधिक ट्रांसजेण्डरों को परिचय पत्र बनाने हेतु जनपद के ट्रांसजेण्डरों को जागरूक करने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी द्वारा वहा उपस्थित गुंजा सिंह, संवैधानिक कार्यकर्ता को जनपद के ट्रांसजेण्डरों के छोटे-छोटे समूह बना के उनकी समस्याओं का जिला समाज कल्याण अधिकारी को अवगत कराने के लिए कहा गया।

किसान गोष्ठी एवं मेला का किया गया आयोजन

मऊ। उद्यान विभाग द्वारा जनपद स्तरीय राष्ट्रीय कृषि विकास योजना अंतर्गत जनपद स्तरीय किसान गोष्ठी एवं मेला के आयोजन के क्रम में

किसानों को कृषि विज्ञान केंद्र पिलखी पर तथा ग्राम पंचायत कसारा, विकासखंड कोपागंज के कई कृषक प्रक्षेत्रों का भ्रमण कराया गया ।आज के प्रशिक्षण सत्र में सर्वप्रथम कृषि विज्ञान केंद्र पिलखी के वैज्ञानिकों द्वारा नवीन फल स्ट्रॉबेरी, ड्रैगन फ्रूट की खेती के साथ कृषि से जुड़े अन्य कार्य यथा जैसे मुर्गी पालन, पशुपालन,दलहन, मसाला उत्पादन ,मशरूम उत्पादन पर वैज्ञानिक जानकारी दी गई तथा कृषि विज्ञान केंद्र स्थित प्रदर्शन क्षेत्र का कृषकों को अवलोकन कराते हुए खेती की प्रायोगिक जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम में डॉक्टर लाल पंकज सिंह ,डॉक्टर जितेंद्र कुशवाहा, डॉक्टर अंगद प्रसाद द्वारा किसानों को तकनीकी जानकारी दी गई। तदुपरांत ₹ देखो और सीखो₹ इसी सिद्धांत पर ग्राम पंचायत कसारा , विकास खंड कोपागंज में टमाटर की खेती में ड्रिप सिंचाई का प्रयोग और अन्य उन्नतशील खेती का अवलोकन भी किसानों को कराया गया।ग्राम पंचायत कसारा में वर्तमान में हो रहे लगभग 100 बीघा से अधिक क्षेत्रफल में टमाटर की खेती को देखकर जनपद के किसान काफी उत्साहित हुए और फील्ड पर ही वैज्ञानिकों द्वारा टमाटर, कद्दू वर्गीय खेती में आ रहे समस्याओं जैसे कीट व्याधि के रासायनिक एवं जैविक नियंत्रण की विधियां भी बताई गई। भ्रमण कार्यक्रम में कृषक दल का नेतृत्व राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के प्रभारी अरुण कुमार यादव द्वारा किया गया तथा साथ में वैज्ञानिकों के साथ विभागीय ब्लाक प्रभारी बालजीत यादव, सुनील कुमार गुप्ता,राजकुमार सहित सैकड़ो कृषक भी उपस्थित रहे।

खबरें फटाफट

विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र छात्राएं हुए सम्मानित

जौनपुर। जनपद स्तरीय विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता में उत्कृष्ट

प्रदर्शन करने वाले विद्यालयों के बच्चों को 15 मार्च 2024 को मुख्य विकास अधिकारी साईं तेजा सीलम, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ0 गोरखनाथ पटेल तथा परियोजना कार्यालय के समग्र शिक्षा के निपुण सेल से आए आसना शुक्ल, अंकित तथा रोहित की उपस्थिति में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यालयों के 10 छात्र छात्राओं सम्मनित किया गया। प्रथम आराध्या, जलालपुर को रु0 10000, अमन, खुटहन रु0 7500, अपराजिता, डोभी रु0 5000, अनन्या, मुगंराबादशाहपुर रु0 2500, रिया, महराजगंज रु0 2500, अर्पिता यादव, मुगंराबादशाहपुर रु0 2500, शिवम, केराकत रु0 2500, अंशिका, धमार्पुर रु0 2500, संजना, केराकत रु0 2500, कशिश रानी, रामनगर रु0 2500 और निपुण मोमेंटो एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

खेल मंत्री ने किया विभिन्न खेल परियोजनाओं का शिलान्यास

जौनपुर। जनपद जौनपुर के लिए खेल के क्षेत्र में चहुंमुखी विकास के लिए राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) खेल एवं युवा कल्याण, उ0प्र0 द्वारा जनपद के खेल अवस्थापनाओं के विकास के लिए 2886.97 लाख की परियोजनाओं की सौगात प्रदान किया जिसका 15 मार्च 2024 को शिलापट्ट का अनावरण किया गया। शिलापट्ट अनावरण कार्यक्रम में भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना खेलो इण्डिया योजनान्तर्गत रू0 995.5 लाख की लागत से स्वीकृत बहुउद्देशीय क्रीड़ा हाल जिसमें 4020 मी0 का एक 1308 मी0 का एक 2213.5 मी0 का एक इस प्रकार कुल 03 बहुउद्देशीय हाल रहेंगे।

1878 करोड़ रुपये की 76 विकास परियोजनाओं का हुआ शिलान्यास एवं लोकार्पण

दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बनते ही देश में कई गुना बढ़ जाएगी हर व्यक्ति की आय : योगी

केटी न्यूज/गोरखपुर

मुख्यमत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बीते दस सालों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत बदल चुका है। सुरक्षित और समृद्ध हुआ भारत, दुनिया का सिरमौर बनने की ओर अग्रसर हो चुका है। दस वर्ष में यह विश्व की ग्यारहवीं से पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। अब मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बन जाएगा। तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का मतलब देश में हर व्यक्ति की आय कई गुना बढ़ जाएगी। तब जन कल्याण की हर योजना संतृप्तिकरण के शत प्रतिशत लक्ष्य को प्राप्त कर लेगी। सीएम योगी शुक्रवार को दोपहर बाद मानबेला में गोरखपुर विकास प्राधिकरण (जीडीए) की 1878 करोड़ रुपये की 76 विकास परियोजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण करने के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने नई टाउनशिप राप्तीनगर विस्तार एवं स्पोर्ट्स सिटी के साथ 25 परियोजनाओं का शिलान्यास तथा 51 परियोजनाओं का लोकार्पण किया। इस दौरान उन्होंने मंच पर नया सवेरा में कियॉस्क पाने वाले स्ट्रीट वेंडर को आवंटन प्रमाण पत्र भी वितरित किए। जबकि मंचीय कार्यक्रम से पूर्व भूमिपूजन, विभिन्न विभागों के स्टालों का अवलोकन तथा नन्हे मुन्ने बच्चों का अन्नप्राशन कराया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि आज पूरा देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प से जुड़ चुका है और यह संकल्प 'विकसित उत्तर प्रदेश' से ही पूरा होगा। विकसित उत्तर प्रदेश के 'विकसित गोरखपुर' जरूरी है। विकसित देश, प्रदेश और जनपद का मतलब है बिना भेदभाव सबको

मोदी के तीसरे कार्यकाल में विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा भारत

होली पर्व पर यात्रा में नहीं होगी परेशानी, परिवहन विभाग करेंगा अतिरिक्त बसों का संचालन

शासन की सुविधाओं का लाभ सुनिश्चित होना। कहा कि जब सभी को सुविधाओं का लाभ मिलेगा तो सबके चेहरे पर खुशहाली आएगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी लोगों से उच्च स्वर में 'हमारा संकल्प विकसित भारत' का उद्घोष भी कराया।

नई परियोजनाओं से बनेगी गोरखपुर की नई पहचान

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राप्तीनगर विस्तार एवं स्पोर्ट्स सिटी प्रोजेक्ट की तारीफ करते हुए कहा कि इस परियोजना से हर वर्ग को उसकी जरूरत के अनुसार आवासीय सुविधा का लाभ मिलेगा तो साथ ही यहां अंतरराष्ट्रीय स्तर का स्टेडियम युवाओं की खेल प्रतिभा को आगे बढ़ाने का माध्यम बनेगा। उन्होंने कहा कि खेल को आगे बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार सभी जिलों में खेलो इंडिया सेंटर बना रही है तो उसी तरह प्रदेश सरकार खेलो यूपी सेंटर बना रही है। उन्होंने गोरखपुर की उपलब्धियों में खाद कारखाना, फोरलेन सड़कों, एम्स, रामगढ़ताल के साथ स्पोर्ट्स सिटी और नई टाउनशिप को जोड़ते हुए कहा कि जब यह प्रोजेक्ट पूरा होगा तो गोरखपुर की एक नई पहचान बन जाएगी।

होली की शुभकामनाएं देकर कराया फिर एक बार मोदी सरकार का उद्घोष

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी लोगों को होली की शुभकामनाएं दीं। साथ ही उन्होंने कहा कि इस समय पूरे देश मे एक ही स्वर है, फिर एक बार मोदी सरकार। सीएम ने लोगों से इस नारे का जोरदार उद्घोष भी कराया।

समारोह को सांसद रविकिशन शुक्ल और महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव ने भी संबोधित किया जबकि मंडलायुक्त अनिल ढींगरा ने लोकार्पण और शिलान्यास की परियोजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। लोकार्पण और शिलान्यास समारोह में विधायक विपिन सिंह, फतेह बहादुर सिंह, श्रीराम चौहान, महेंद्रपाल सिंह, प्रदीप शुक्ल, एमएलसी एवं भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. धर्मेंद्र सिंह, महानगर अध्यक्ष राजेश गुप्ता आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। हम समस्या नहीं समाधान पर विश्वास करते हैं सीएम योगी ने 2014 में मानबेला में हुई नरेंद्र मोदी की जनसभा का स्मरण कराते हुए कहा कि तबकी सरकार ने खाद कारखाना परिसर में अनुमति नहीं दी। तब नागरिकों के सहयोग से इसी मैदान पर मोदी जी की ऐतिहासिक सभा हुई। उन्होंने पूर्व की सरकार पर प्रहार करते हुए कहा कि समाज को जाति में बांटने वाले, शोषण करने वाले, लोगों के सामने समस्या खड़ी करते थे। उन्होंने किसानों को मुआवजा देने में आनाकानी की। जबकि हम समस्या नहीं, समाधान पर विश्वास करते हैं।

इन प्रमुख परियोजनाओं का हुआ शिलान्यास

- राप्तीनगर विस्तार टाउनशिप एवं स्पोर्ट्स सिटी, लागत 1799 करोड़ रुपये।
- वीर बहादुर सिंह नक्षत्रशाला में महंत अवेद्यनाथ ज्ञान विज्ञान पार्क की स्थापना
- लागत 17.21 करोड़ रुपये।
- मेडिकल रोड पर चरगांवा के करीमनगर चौराहे को जोड़ने के लिए स्मार्ट सड़क - लागत 13.47 करोड़ रुपये।
- वॉटर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के अनुरक्षण और रामगढ़ताल में क्रीड़ा गतिविधियों के संचालन से जुड़े कार्य - लागत 10 करोड़ रुपये।

इन प्रमुख परियोजनाओं का हुआ लोकार्पण

- सिविल लाइंस में सिटी मॉल के सामने गोरखपुर हाट - लागत 1.78 करोड़ रुपये।
- सोनबरसा में स्मार्ट स्कूल एवं ग्राम पंचायत भवन - लागत 3.60 करोड़ रुपये।
- नया सवेरा पर फूड जोन (120 कियोस्क)
- लागत 2.04 करोड़ रुपये।
- 42 प्राथमिक/पूर्व माध्यमिक विद्यालयों का कायाकल्प

ट्रक ने बोलेरो व बाइक में मारी टक्कर, तीन की मौत, नौ घायल

केटी न्यूज/मिजार्पुर

ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र के बड़का घुमान मोड़ के पास एक बेकाबू ट्रक ने बोलेरो व बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में नौ लोग घायल हो गये। इसमें चार की हालत गंभीर होने पर उन्हें प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से ट्रामा सेंटर रेफर किया गया। जिसमें तीन की मौत हो गई है। इसमें दो मां-पुत्री व एक महिला का मौसेरा भाई है। मध्य प्रदेश के मऊगंज जिला के हनुमाना थाना अंतर्गत मझिगवां निवासी गोविंद (22) पुत्र हीरालाल अपनी मौसेरी बहन सविता (30) पत्नी फूलचंद निवासी गुर्गी थाना हलिया व सविता की दो पुत्री अनुष्का (6) व तृषा (8) को बाइक पर बैठा कर उनके घर छोड़ने आ रहा था। बाइक शुक्रवार की दोपहर ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र के रीवा-मिजार्पुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित ड्रमंडगंज घाटी में बड़े मोड़ के पास पहुंचे थे। इक के पीछे बोलेरो और बोलेरो के पीछे ट्रक चल रही थी। ट्रक चालक अनियंत्रित होकर बोलेरो में टक्कर मार दिया, जिसके बाद बोलेरो पलट गई। बोलेरो में टक्कर मारने के बाद ट्रक चालक ने बाइक में भी टक्कर मार दी। हादसे में बोलेरो सवार पांच, बाइक सवार चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी को स्वास्थ केंद्र ले जाया गया। वहां से गंभीर रूप से घायल बाइक सवार चारों लोगों को ट्रामा सेंटर मिजार्पुर रेफर कर दिया गया। ट्रामा सेंटर मिजार्पुर पहुंचने पर डॉक्टर ने सविता, उसकी पुत्री अनुष्का और उसके मौसेरे भाई गोविंद को मृत घोषित कर दिया। घायल तृषा का इलाज किया जा रहा है। सूचना मिलने पर एएसपी नक्सल ओपी सिंह, मेडिकल कॉलेज के प्रचार्य डॉ. आरबी कमल ट्रामा सेंटर पहुंचे हैं। सूचना पर अस्पताल पहुंचे परिजनों में कोहराम मचा है।

सिपाही भर्ती परीक्षा : पेपर लीक करने वाला मास्टरमाइंड गिरफ्तार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सिपाही भर्ती परीक्षा का पेपर लीक कराने वाले गैंग के तीन लोगों को एसटीएफ ने गाजियाबाद से बृहस्पतिवार को गिरफ्तार कर लिया। तीनों पेपर लाने वाली ट्रांसपोर्ट कंपनी के पूर्व कर्मचारी हैं, जिन्होंने मास्टरमाइंड राजीव नयन मिश्रा के साथ मिलकर वेयरहाउस से पेपर की फोटो खींची थी और इसे लाखों रुपये लेकर बेचा था। एसटीएफ आरोपी राजीव की अभी तलाश कर रही है। डीजीपी प्रशांत कुमार और एडीजी कानून व्यवस्था एवं एसटीएफ अमिताभ यश ने बताया कि प्रयागराज के अभिषेक कुमार शुक्ला, मिजार्पुर के शिवम गिरि और भदोही के रोहित कुमार पाण्डेय अहमदाबाद की टीसीआई एक्सप्रेस कंपनी के पूर्व कर्मचारी हैं। उन्होंने वेयरहाउस में रखे पेपर के बक्से का कब्जा खोलकर आईफोन से फोटो ली थी। राजीव नयन ने बक्सा खोलने में माहिर पटना निवासी डॉ. शुभम मंडल को बुलाया था जिसे एसटीएफ हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

पायलट प्रोजेक्ट के तहत फरूर्खाबाद सुविधा पाने वाला पहला जिला बना, जल्द पूरे प्रदेश में लागू होगी योजना

फरुर्खाबाद के किसानों को 10 मिनट में मिल रहा लोन

केटी न्यूज/लखनऊ

डबल इंजन की सरकार अन्नदाता किसानों को समर्थ बनाने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को फरूर्खाबाद में विभिन्न विकास परियोजनाओं की शुरूआत के साथ-साथ एग्री स्टैक योजना के अंतर्गत किसानों को 10 से 15 मिनट में लोन की सुविधा प्रदान करने के लिए पायलट प्रोजेक्ट का शुभारंभ किया। इस तरह फरूर्खाबाद जनपद किसान क्रेडिट कार्ड के जरिए 10 से 15 मिनट में लोन की सुविधा से जुड़ने वाला देश का पहला जिला बन गया। माना जा रहा है कि लोकसभा चुनावों के बाद पीएम मोदी के मार्गदर्शन और सीएम योगी के नेतृत्व में पूरे प्रदेश में इस योजना के तहत किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड से फटाफट लोन की सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। उल्लेखनीय है कि इस योजना के पायलट प्रोजेक्ट के तहत महाराष्ट्र के 20 जिलों के अलावा फरूर्खाबाद का चयन किया गया था। इसके तहत बिना बैंक जाए और बिना किसी अन्य प्रॉसेस के सीधे ऑनलाइन आवेदन करने के बाद 10 से 15 मिनट में किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से लोन पाना संभव होगा।

चलाई जा रही पीएम किसान सैचुरेशन ड्राइवः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने फरूर्खाबाद में कहा था कि डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर फॉर एग्रीकल्चर, एग्री स्टैक योजना के अंतर्गत किसानों को 15 मिनट में लोन की सुविधा प्रदान करने के पायलट प्रोजेक्ट का भी शुभारंभ किया गया है। यूपी का फरुर्खाबाद जनपद एग्री स्टैक योजना के अंतर्गत किसान क्रेडिट कार्ड के जरिए फटाफट लोन की सुविधा से जुड़ने वाला देश का पहला जिला बना है। दरअसल, एग्रीस्टैक योजना के अंतर्गत किसान रजिस्ट्री तैयार करने के लिए सरकार द्वारा पीएम किसान सैचुरेशन ड्राइव चलाई जा रही है। योजना के अंतर्गत मोबाइल एप के माध्यम से ई केवाइसी करने की व्यवस्था दी गई है। ड्राइव के अंतर्गत मोबाइल एप के माध्यम से दो महत्वपूर्ण कार्य किए जा रहे हैं। पहला भूमि का सत्यापन और दूसरा ई-केवाईसी और आधार हेतु सहमति लिया जाना। इस कार्य के लिए प्रत्येक गांव के लिए लेखपाल एवं कृषि विभाग के एक-एक कार्मिक की टीम बनाई गई है। फरुर्खाबाद में कुल 23 लाख गाटे उपलब्ध हैं, जिसमें 5 लाख कृषक सम्मिलित हैं। इन 5 लाख कृषकों के सापेक्ष अब तक लेखपाल के द्वारा लगभग 2.5 लाख कृषकों का भूलेख सत्यापन किया जा चुका है। साथ ही कृषि विभाग के तकनीकी सहायकों द्वारा भी अब तक 1 लाख 90 हजार कृषकों का आनलाइन ई-केवाईसी एवं सहमति प्राप्त किया जा चुका है। इस प्रकार ड्राइव के माध्यम से तैयार हो रहे फार्मर रजिस्ट्री के डाटा का विभिन्न प्रकार से उपयोग संभव हो सकेगा।

15 मिनट में मिल रहा क्रेडिट कार्डः वर्तमान में भारत सरकार द्वारा विकसित जन समर्थ पोर्टल के माध्यम से कृषक को 15 मिनट में किसान क्रेडिट कार्ड उपलब्ध कराया जाना संभव हो सका है। यह सभी लाभार्थियों और संबंधित हितधारकों तक पहुंच में आसानी के लिए 13 क्रेडिट लिंक्ड सरकारी योजनाओं को एक मंच पर जोड़ता है। इन 13 क्रेडिट लिंक्ड सरकारी योजनाओं में किसान क्रेडिट कार्ड भी एक है। पोर्टल सभी लिंक्ड योजनाओं की प्रक्रियाओं और गतिविधियों की संपूर्ण कवरेज सुनिश्चित करता है।

सुभाषितम्

बिना जोश के आज तक कोई भी महान कार्य नहीं हुआ।

- सुभाष चंद्र बोस

रूस के राष्ट्रपति का चुनाव तानाशाह और लोकतंत्र का माडल

आज से रूस में राष्ट्रपति के चुनाव शुरू हो गए हैं। तीन दिनों तक रूस में मतदान होगा। रूस का यह पहला राष्ट्रपति चुनाव है। जो पूरी तरीके से डिजिटल तरीके से कराया जा रहा है। पांचवीं बार पुतिन का राष्ट्रपति बनना तय माना जा रहा है। उनके सामने राष्ट्रपति पद के लिए, तीन प्रत्याशी खड़े हुए हैं। जो उनके ही समर्थक बताए जाते हैं। निकोलाई खरीतोनोव कम्युनिस्ट पार्टी की ओर से, लियोनिड नेशनल लिबरल पार्टी की ओर से तथा व्लादिस्लाव न्यू नेशनल पार्टी की ओर से चुनाव में खड़े हैं। यह तीनों पुतिन की विचारधारा के समर्थक कहे जाते हैं। यूक्रेन से शांति प्रस्ताव का समर्थन करे रहे दो प्रत्याशियों बोरिस और याकेतेरना का नामांकन निरस्त कर दिया गया था। रूस में 6 साल के लिए चुनाव हो रहे हैं। इस चुनाव को जीतने के बाद 2030 तक पुतिन, राष्ट्रपति के पद पर बने रहेंगे। रूस का यह चुनाव एक तरह से जनमत संग्रह की तर्ज पर आयोजित किया गया है। इसमें विपक्ष भी है। विपक्ष राष्ट्रपति के समर्थन में खड़ा हुआ दिख रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध का विरोध करने वालों को चुनाव लड़ने की अनुमति नहीं दी गई है। पिछले 20 वर्षों में पुतिन का विरोध करने वाले 16 राजनेताओं की हत्या हो गई है। सैकड़ो विरोध करने वाले नेता जेलों में बंद है। 2018 के बाद से रूस में विपक्ष को बुरी तरीके से खत्म किया जा चुका है। उनके सबसे बड़े विरोधी आर्कटिक की 16 फरवरी को जेल में मौत हो गई। उनकी लाश भी उनके परिजनों को नहीं दी गई। पुतिन इस बार रिकॉर्ड स्तर पर जीतने की रणनीति बनाकर चुनाव लड़ रहे हैं। पुतिन चाहते है कि रूस के 70 फीसदी मतदाता चुनाव में मतदान करें। इस मतदान में उन्हें न्यूनतम 80 फीसदी मत से जीत मिलनी चाहिए। इस चुनाव के लिये नियम बनाया गया है, पहले चरण में यदि प्रत्याशी को मतदान के 50 फीसदी वोट ना मिले तो दूसरे चरण की वोटिंग की जाएगी। ऐसी स्थिति में पहले ही चरण में राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन का चुनाव जीतना तय माना जा रहा है। पुतिन अपने पुराने सभी रिकार्ड को तोड़ने जा रहे हैं। 26 मार्च 2000 को हुए चुनाव में उन्हें 53.44 फीसदी वोट मिले थे। 14 मार्च 2004 को हुए चुनाव में उन्हें 71.91 फीसदी वोट मिले थे। 2 मार्च 2008 को हुए चुनाव में पुतिन को 71.25 फीसदी वोट मिले थे। 4 मार्च 2012 को हुए चुनाव में उन्हें 64.35 फीसदी वोट प्राप्त हुए थे। 18 मार्च 2018 को हुए चुनाव में उन्हें 77.53 फीसदी वोट प्राप्त हुए थे। पुतिन 2018 के रिकार्ड को तोड़ना चाहते हैं। वह यह भी बताना चाहते हैं, कि रूस और यूक्रेन युद्ध के कारण उनकी लोकप्रियता रूस में बढ़ी है। रूस का राष्ट्रपति चुनाव एक तरह से तानाशाही वाले देशों के लिए रोल मॉडल बन गया है। यूक्रेन युद्ध की सच्चाई को दबाने के लिए, सरकारी खजाने से सरकार ने 9000 करोड़ रुपए से ज्यादा प्रचार-प्रसार में खर्च किए हैं। युवा मतदाताओं को लुभाने के लिए चुनाव के ठीक पहले 1 से 7 मार्च के बीच में वर्ल्ड यूथ फेस्टिवल कराया गया है। 20000 युवाओं को राष्ट्रपति पुतिन से मिलवाया गया है। राष्ट्रपति पद के चुनाव में पुतिन के सामने जो तीन प्रत्याशी हैं। वह विभिन्न मुद्दों पर पुतिन का समर्थन करते हैं। एक हिसाब से उन्हें पुतिन की बी टीम माना जाता है। रूस का चुनाव आयोग भी पूरी तरह से पुतिन के इशारे पर काम करता है। डिजिटल वोटिंग के माध्यम से रूस में चुनाव का सारा प्रबंधन चुनाव आयोग की देखरेख में हो रहा है। पुतिन की उम्र अभी 71 वर्ष की है। 6 साल के लिए यह चुनाव हो रहा है 77 वर्ष की उम्र तक वह रूस के राष्ट्रपति बने रह सकते हैं। रूस के सबसे ज्यादा समय तक राष्ट्रपति रहने वाले तानाशाह जोसेफ स्टालिन का नाम सामने आता है। उनके बाद अब राष्ट्रपति का सबसे बड़ा कार्यकाल राष्ट्रपति पुतिन का होगा। पुतिन भी 2020 में रूस के संविधान को बदल दिया था। 2036 तक के लिए राष्ट्रपति बने रहने का इन्होंने संविधान में प्रावधान कर लिया है।

दो रुपए की छूट और अरबों की लूट...

-राकेश अचल

आज भारत सरकार को धन्यवाद देने के साथ ही उसकी निंदा करने का भी दिन है। धन्यवाद इसलिए की उसने पूरे पांच साल लूटने के बाद जनता को डीजल और पेट्रोल के दामों में दो रुपए लीटर की छूट देने का ऐलान किया है और निंदा इसलिए की सरकार ने इलेक्टोरल बांड के जरिये पांच साल में 60 अरब का चन्दा ईडी की नोंक पर वसूल लिया। ये दोनों ही बातें चूंकि तथ्यात्मक हैं इसलिए इन्हें लेकर आप खुद फैसला कर सकते हैं कि आपको आने वाले दिनों में लुटेरी सरकार चाहिए या उसका कोई विकल्प। इसमें कोई दो राय नहीं की हमारी सियासत का ढांचा लोकतान्त्रिक है लेकिन इसमें लूट-खसोट की पूरी गुंजाइश है। पिछले 77 साल में जो भी सत्ता में आया उसने लोक कल्याण के साथ जितना बना देश और देश की जनता को लूटा। किसी ने कम लूटा तो किसी ने ज्यादा लूटा। किसी ने लूटने में उदारता दिखाई तो किसी ने लूटने में पूरी निर्ममता का प्रदर्शन किया। केंद्रीय चुनाव आयोग की वेब साइट पर दशार्ये गए आंकड़े गवाही दे रहे हैं कि आजादी के बाद कोई सबसे बड़ी लूट मौजूदा सत्ता ने की है। भाजपा की और मोदी की गारंटी वाली सरकार ने पांच साल में इलेक्टोरल बांड के जरिये दस-बीस लाख नहीं बल्कि पूरे 60 अरब रुपए देश के उद्योगपतियों से वसूल किये और वो भी ईडी प्रवर्तन निदेशालय की नोंक पर। आप कहेंगे कि ईडी प्रवर्तन निदेशालय कोई चाकू या तलवार तो नहीं है जो उसकी नोंक होती हो, लेकिन हकीकत ये है कि इस संस्था की नोक इतनी पेनी है कि जिस की भी गर्दन पर रखी गयी उसने मन से या बेमन से इलेक्टोरल बांड खरीदकर भाजपा के खाते में डाल दिए। लूट का ये नायाब तरीका कांग्रेस छह दशक तक देश पर राज करने वाली कांग्रेस भी नहीं खोज पायी थी। केंचुआ की वेब साइट पर आयी 762 पृष्ठों की जानकारी का सार ये है कि भाजपा ने पांच साल में कुल 60 अरब रुपये से अधिक के इलेक्टोरल बॉन्ड को भुनाया है। इस मामले में दूसरे नंबर पर तृणमूल कांग्रेस है, जिसने 16 अरब रुपये से अधिक के इलेक्टोरल बॉन्ड को भुनाया है। राजनीतिक दलों के लिए सबसे ज्यादा इलेक्टोरल बॉन्ड खरीदने वाली कंपनी फ़्यूचर गेमिंग एंड होटल सर्विसेज है। इस कंपनी ने कुल1368 बॉन्ड खरीदे, जिसकी कीमत 13.6 अरब रुपये से अधिक रही। लुटेरों की सरताज भाजपा अब यदि रसोई गैस पर 100 रुपए की और पेट्रोल -डीजल पर आपको दो रुपए लीटर की छूट दे रही है तो ये कोई अहसान नहीं बल्कि आने वाले आम चुनावों में आपके अनमोल वोट की सबसे सस्ती कीमत है। अब यदि देश की भोली जनता इस हकीकत को नहीं समझती तो उसका मालिक भगवान ही हो सकता है, कोई राजनीतिक दल नहीं। राजनितिक दल तो चोर-चोर मौसेरे भाई हैं, कोई छोटा लुटेरा तो कोई बड़ा लुटेरा। लूटना सभी के डीएनए में शामिल है। देश की जनता का दुर्भाग्य है कि उसे इन्हीं लुटेरों के गिरोहों में से अपने लिए चौकीदार, सेवक, संरक्षक और भाग्य विधाता चुनना है। मेरा या किसी दुसरे लेखक/पत्रकार का अनुभव मुमकिन है कि कम हो किन्तु रामचरित मानस के रचयिता गोस्वामी तुलसीदास के अनुभव से ही हमें सबक लेना चाहिये। खासतौर पर सत्ता के चुनाव के समय के आचरण को देखकर। चुनाव के मौसम में आखिर जनता के ऊपर उपहारों/रियायतों की बरसात क्यों हो रही है? सरकार इतनी विनयवत क्यों है? क्यों झुक रही है? इस संदर्भ में गोस्वामी तुलसीदास इशारों में कहते हैं कि -

नवन नीच की अति दुखदाई
जिमि धनु,अंकुश ,उरग, बिलाई

मतलब साफ है। वे उदाहरण सहित समझा गए हैं कि जैसे धनुष, अंकुश, सांप और बिल्ली झुकती है तो दुःख ही देती है अर्थात जिसके स्वभाव में नीचता है वो जब भी झुकेगा आपके ऊपर घात करेगा, इसलिये ऐसे सभी तत्वों से सावधान रहना चाहिये। हमारी सत्ता में धनुष, अंकुश, सर्प और बिल्ली किसी न किसी रूप में विद्यमान है। आज यदि सत्ता रहमदिली दिखा रही है तो समझ लीजिये कि आने वाले दिनों में यही सत्ता आपके ऊपर कहर ढाने वाली है। कहर का रूप कुछ भी हो सकता है। इसे पहचानना आसान नहीं है। ये कभी धाराओं के रूप में होगा तो कभी अध्यादेशों के रूप में। कभी एक देश, एक विधान, एक निशान, एक भाषा, एक वेश के रूप में होगा तो कभी किसी दूसरे रूप में। फिलहाल तो चुनाव इस विनय की वजह हैं।

आप कल्पना कीजिये कि जिस सरकार ने पांच साल में अकेले इलेक्टोरल बांड से 60 अरब कमा लिए वो सरकार महंगाई के जरिये आपको भी लगातार लूटती रही और अब जब आम चुनाव सिर पर हैं तो आपको पेट्रोल-डीजल पर दो रुपए लीटर की छोट देकर या रसोई गैस सिलेंडर पार सौ रुपए की छूट देकर बरगलाना चाह रही है। सत्तारूढ़ दल ने चुनावी चंदे से जुटाई गयी रकम के जरिये देश भर में अपनी पार्टी के लिए 450 आधुनिक कार्यालय बना लिए, लेकिन भवन विहीन स्कूलों कि फिक्र नहीं की। अस्पताल बनाने को प्राथमिकता नहीं दी।बहरहाल आम चुनाव के जरिये कानून हमें और आपको एक अवसर देता है कि हम इस लूट-खसोट करने वाली संस्था से अपना हिसाब बराबर करें या इस लूट-खसोट को लगातार जारी रखें! इलेक्टोरल बांड के जरिये की गयी लूट के जरिये धन वसूली के मामले में तीसरे नंबर पर अखिल भारतीय कांग्रेस समिति है जिसने 14 अरब रुपये से अधिक के इलेक्टोरल बॉन्ड को भुनाया है। इसके बाद भारत राष्ट्र समिति ने 12 अरब रुपये और बीजू जनता दल ने 7 अरब रुपये से अधिक के इलेक्टोरल बॉन्ड को बनाया है। इस मामले में पाँचवें और छठे नंबर पर दक्षिण भारत की पार्टियां डीएमके और वाईएसआर कांग्रेस (युवासेना) रहीं। इन पार्टियों के बाद तेलुगु देशम पार्टी, शिवसेना, राष्ट्रीय जनता दल, आम आदमी पार्टी, जनता दल (सेक्युलर), सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा, नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी, जनसेना पार्टी, अध्यक्ष समाजवादी पार्टी, बिहार प्रदेश जनता दल (यूनाइडेट), झारखंड मुक्ति मोर्चा, शिरोमणि अकाली दल, ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम, शिवसेना, महाराष्ट्रवादी गोमन्तक पार्टी, जम्मू और कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस, नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी का नाम शामिल है। ये आंकड़े मैंने आपको इसलिए बताये ताकि आपको फैसला करने में मदद मिले। आपसब तो केंचुआ कि वेब साइट को खंगाल नहीं सकते। चुनावी साल में राहतों की बरसात में भीगकर जनता अपने दुःख-दर्द को भूलकर क्या फैसला करती है ये तो जनता जाने लेकिन एक बात जरूर है की देश आजदी के बाद के सबसे गंभीर दौर से गुजर रहा है। देश को गरीबी, बेरोजगारी, बीमारी और शिक्षा के तमाम लक्ष्यों के साथ ही धर्मान्धता से भी जूझना पड़ रहा है। देश में बीते 77 साल में ये सबसे सुर्ख साल है जिसमें धर्मान्धता को सत्ता ने पोषित किया है।

अबकी बार ... दल बदले... दिल बदले

-मुस्ताअली बोहरा

अबकी बार ... 400 पार के नारे और अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के सहारे 2024 के लोकसभा चुनाव के समर में भाजपा उतर चुकी है। केन्द्र में यदि फिर से भाजपा की सरकार बनती है तो इसे चुनावी रणनीति से मिली जीत और संगठनात्मक सफलता माना जाएगा। वहीं कांग्रेस की हार के पीछे शीर्ष नेतृत्व और कार्यकताओं के बीच तालमेल का अभाव, पार्टी नेताओं के बीच आपसी संवादहीनता मुख्य वजह होंगे। लंबे समय तक पूरे देश में राज करने वाली पार्टी यदि आज अपना अस्तित्व बचाने के लिए जूझ रही है तो इसकी वजह भाजपा नहीं बल्कि खुद वो नेता हैं जो अपनी ही पार्टी को खोखला करते रहे। इनके अलावा मौकापरस्त नेताओं ने भी उसूलों को तिलांजलि देते हुए पाला बदल लिया। 2019 के लोस चुनाव से पहले कांग्रेस में जो अफरातफरी मची है वो अभी तक नहीं थमी है। ताजा उदाहरण मध्यप्रदेश का है जहां कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और ब्राम्हण नेता सुरेश पचैरी सहित कई नेताओं ने भाजपा का दामन थाम लिया।

देश भर में लोकसभा चुनाव को लेकर लहर चल रही है। मार्च के मध्य में चुनाव आयोग चुनावी कार्यक्रम घोषित कर सकता है। बीजेपी 400 पार के टारगेट पर जुट गई है। कांग्रेस भी भारत जोड़ो न्याय यात्रा के जरिए जनता के बीच है। लेकिन कांग्रेस के आगे एक बाद एक नई चुनौतियां खड़ी हो रही हैं। हिमाचल प्रदेश में राज्यसभा चुनाव के दौरान क्रासवोटिंग का मामला अभी ठंडा भी नहीं पड़ा था कि इधर मध्यप्रदेश कांग्रेस में तूफान आ गया। राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा हाल ही में मध्यप्रदेश से गुजरी है और कांग्रेस को लगातार झटके लगना शुरू हो गए हैं। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व केन्द्रीय मंत्री कमलनाथ के भाजपा में जाने की अटकलें थीं। कई दिनों तक मीडिया में ऐसी खबरे तैरतीं रहीं लेकिन कमलनाथ और नकुलनाथ ने तो हाथ का साथ नहीं छोड़ा बल्कि मप्र के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचैरी, पूर्व सांसद गजेंद्र सिंह राजू खेड़ी, इंदौर के पूर्व विधायक संजय शुक्ला और विशाल पटेल के साथ और भी कई नेताओं ने मुख्यमंत्री मोहन यादव बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, पूर्व सीएम शिवराज सिंह चैहान की मौजूदगी में भाजपा की सदस्यता ले ली। सुरेश पचैरी को राजीव गांधी और सोनिया गांधी से खास संपर्क में रहने के कारण गांधी परिवार का करीबी माना जाता रहा है। उन्होंने पांच दशक से ज्यादा कांग्रेस पार्टी के लिए काम किया। वे चार बार राज्यसभा के सदस्य रहे। यूथ कांग्रेस से राजनीतिक जीवन की शुरूआत करने वाले पचैरी की गिनती नेहरू-गांधी परिवार के बेहद विश्वासपात्र नेताओं में रही। मनमोहन सिंह सरकार में सुरेश पचैरी स्वतंत्र प्रभार वाले रक्षा राज्यमंत्री रहे। संसदीय कार्य विभाग उनके पास रहा। वे डीओपीटी विभाग को भी मनमोहन सरकार में संभालते रहे। सुरेश पचैरी को मध्य प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष पद की बागडोर भी सौंपी गई। केन्द्रीय इकाई में अनेक महतवपूर्ण पद संभाले। राजनीतिक गलियारों में माना जा रहा है कि पचैरी काफी पहले से ही अपनी पार्टी के नेताओं से नाराज थे। 2023 के विधानसभा चुनाव में उन्हें तवज्जों नहीं मिली। पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह से उनकी पटरी नहीं बैठती थी, और प्रदेश अध्यक्ष रहते कमलनाथ ने भी पचैरी को भाव नहीं दिया। उनकी नाराजगी इस बात से भी जाहिर हो गई थी वे राहुल गांधी की यात्रा के दौरान भी कहीं नजर नहीं आए। कांग्रेस ने भोपाल लोकसभा सीट पर उन्हें उमा भारती के सामने उतारा था, लेकिन उन्हें शिकस्त मिली। भोजपुर विधानसभा सीट से भी कांग्रेस ने पचैरी को विधायक का टिकट दिया, लेकिन वे सफल नहीं हो सके। पचैरी के लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस छोड़ भाजपा में जाने से कांग्रेस को लोस चुनाव में कोई नुकसान होगा ऐसा लगता नहीं है। लेकिन ये मैसेज आमजन के बीच जरूर जाएगा कि कांग्रेस अपने ही बड़े नेताओं को नहीं संभाल पा रही है।

इन सबके इतर, ये कोई पहला मौका नहीं है जब किसी नेता ने पाला बदला हो। इससे पहले बिहार और बिहार से पहले महाराष्ट का घटनाक्रम अभी भी देशवासियों के जहन में ताजा है। इन दोनों ही राज्यों में तो नेताओं के साथ सरकार तक बदल गई। खैर, जो नेता अपनी पुरानी पार्टी को छोड़ नई पार्टी में गए उनका क्या हश्र ये बताने की जरूरत नहीं। कई पुराने कांग्रेसी नेता जो आज भाजपा में हैं वो ना इधर के रहे और ना उधर के।

कांग्रेस के कई दिग्गज नेताओं को भाजपा में बेहतर राजनीतिक भविष्य नजर आ रहा है। पूर्व सीएम अशोक चव्हाण ने बीजेपी का दामन थामा और इसके एक दिन बाद ही बीजेपी ने उन्हें राज्यसभा के लिए प्रत्याशी घोषित कर दिया। बीजेपी में शामिल होने वाले कांग्रेस के पूर्व मुख्यमंत्रियों में अमरिंदर सिंह, दिगंबर कामत, एसएम कृष्णा, विजय बहुगुणा, एन किरण रेड्डी, एनडी तिवारी, जगदम्बिका पाल और पेमा खांडू आदि शामिल हैं। पचैरी की तरह सभी नेता ये कहते रहे हैं कि उन्हें पद की लालसा नहीं है लेकिन पार्टी बदलने के पीछे खालिस जनसेवा का मकसद हो ऐसा भी नहीं होता। बतौर उदाहरण, अमरिंदर सिंह राजनीति में कम सक्रिय हैं। अमरिंदर सिंह चाहते थे कि उनकी राजनीतिक विरासत को उनकी बेटी आगे बढ़ाए। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री विजय बहुगुणा के बेटे उत्तराखंड की धामी सरकार में कैबिनेट सदस्य हैं। पेमा खांडू ने अरुणाचल प्रदेश में बीजेपी के लिए बहुमत हासिल किया। यही वजह है कि खांडू लगातार सीएम बने हुए हैं। एनडी तिवारी अपने बेटे को राजनीति में स्थापित करना चाहते थे। हालांकि, अपने बेटे को आगे बढ़ा पाते इससे पहले ही उनका स्वर्गवास हो गया। इसी तरह बढी उम्र के कारण एसएम कृष्णा भी राजनीति से दूर हो गए। यदि पूर्वोत्तर की बात की जाए तो कांग्रेस ने सरमा को सीएम बनाने का वादा पूरा नहीं किया और तरुण गोगोई को बरकरार रखा। हालांकि पाला बदलने के बाद सरमा सीएम बनने में कामयाब हो गए। बीरेन सिंह ने भी कांग्रेस से किनारा कर लिया। उन्होंने 2017 में बीजेपी को बहुमत दिलाया। तोहफे में उन्हें सीएम बनाया गया और मणिपुर में लगातार हिंसा के बाद उन्हें हटाने की मांग के बावजूद वह सीएम बने हुए हैं। साहा को सीएम बनने का मौका नहीं मिला क्योंकि त्रिपुरा में माणिक सरकार के तहत सीपीआई-एम का कार्यकाल लंबा था।

सीएए पर भ्रम की राजनीति के निहितार्थ

- सुरेश हिंदुस्थानी

भारत में नागरिकता संशोधन अधिनियम के लागू होने के बाद एक बार फिर से राजनीतिक गुणा भाग का खेल प्रारंभ हो गया है। तुष्टीकरण की राजनीति करने वाले राजनीतिक दल इस मामले में पूर्व नियोजित राजनीति ही कर रहे हैं। जबकि केंद्र सरकार की ओर से बार बार यह स्पष्ट किया जा रहा है कि नागरिकता संशोधन अधिनियम नागरिकता देने वाला है, यह किसी की नागरिकता को समाप्त नहीं करेगा। इसके विपरीत केंद्र सरकार के प्रत्येक कदम का विरोध करने वाले राजनीतिक दल इसे भारतीय मुसलमानों के विरोध में उठाया गया कदम बताने का भ्रम पैदा करने वाला रवैया बता रहे हैं। यहां एक बात यह भी स्पष्ट करने वाली है कि इस अधिनियम में भारत के मुसलमान कहीं है ही नहीं, फिर क्यों इस अधिनियम में मनमाफिक निहितार्थ तलाश करने की राजनीति क्यों की जा रही है। क्या इस प्रकार की राजनीति देश को मजबूत बना सकती है, यकीनन नहीं। क्योंकि जिस देश में कुतर्क की राजनीति की जाती है, वहां भ्रम का वातावरण ही निर्मित होगा। देश के राजनीतिक दलों को चाहिए कि वह स्वच्छ और रचनात्मक राजनीति करके देश को शक्तिशाली बनाने का प्रयास ही करे। जहां तक भारतीय जनता पार्टी की बात है तो वह अपने एजेंडे से अलग कुछ भी नहीं कर रही है, नागरिकता का मुद्दा उसके लिए पहले से ही प्राथमिकता में रहा है। इतना ही नहीं अभी तक भाजपा नीत केंद्र सरकार ने जो निर्णय लिए हैं, उन सभी को लेकर ही वह जनता के पास गई और भाजपा को ऐसा करने के लिए ही समर्थन मिला। नागरिकता संशोधन अधिनियम के तहत यह भी स्पष्ट है कि इसमें बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के प्रताड़ित अल्पसंख्यक समाज को ही भारत की नागरिकता देने का प्रावधान किया है, इसके विपरीत इन देशों में मुसलमान बहुसंख्यक है। वे हिन्दू सहित अन्य गैर मुस्लिमों को प्रताड़ित करते रहते हैं। इसी प्रताड़ना के कारण ही वे अपने देश को छोड़ने के लिए मजबूर हो जाते हैं। इन प्रताड़ित लोगों के लिए किसी भी मुस्लिम देश में शरण नहीं मिलती। इसी कारण से भारत सरकार ने यह कदम उठाया है। जबकि इन देशों में मुस्लिमों को प्रताड़ित नहीं किया जाता। इसके विपरीत भारत में तुष्टीकरण की राजनीति करने वाले नेता इसका गलत अर्थ निकालकर भारतीय मुसलमानों को भ्रमित करने की राजनीति कर रहे हैं। जबकि इस बात को यह भी भली भांति जानते हैं कि इस कानून से भारत के मुसलमानों को कोई नुकसान होने वाला ही नहीं है। यहां एक महत्वपूर्ण तथ्य यह भी है कि दुनिया में मुसलमानों को शरण देने वाले कई देश हैं, जबकि प्रताड़ित समाज को शरण देने के कोई भी मुस्लिम देश तैयार नहीं। इसलिए भारत सरकार का यह निर्णय प्रथम दृष्टया उचित ही है। वर्तमान में शरणार्थी और घुसपैठियों का अंतर समझने की बहुत आवश्यकता है। शरण वही मांगता है जो मजबूर हो गया हो, और घुसपैठ करने वाला व्यक्ति एक उद्देश्य को लेकर चलता है। आज देश के लगभग आठ राज्य ऐसे हैं जहां घुसपैठ करने वाले नागरिक भारत में रह रहे हैं। इतना ही नहीं इनको भारत में राजनीतिक संरक्षण भी आसानी से मिल जाता है। पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी खुलकर घुसपैठियों के समर्थन में खड़ी होती दिखाई देती हैं। यह केवल वोट की खातिर ही किया जा रहा है और यही तुष्टीकरण की पराकाष्ठा है। लेकिन सवाल यह आता है कि जब ये घुसपैठ करने वाले व्यक्ति अपने देश के प्रति वफादार नहीं हुए तो भारत के वफादार कैसे हो सकते हैं? इसलिए शरणार्थियों के लिए तो जगह हो सकती है, लेकिन घुसपैठियों को पनाह देना बहुत बड़े खतरे को आमंत्रण देने के समान ही कहा जाएगा।

चिंतन-मनन

परमात्मा का दिव्य उपहार है जीवन

मानव जीवन परमात्मा का दिव्य उपहार है। जिंदगी को जीना सीखें। कुछ लोग जिंदगी को जीते हैं, कुछ लोग काटते हैं। जिसको जीना और जाना आ गया वह जीवन में सफल हो गया। हे मनुष्य एक दिन भी जी, अटल विश्वास बनकर जी। ब्राह्मो मुहूर्ते बुध्येत, धर्मार्थौ चातुचिन्तये अर्थात् व्यक्ति ब्रह्म मुहूर्त में जागे और धर्म एवं अर्थ के विषय में चिंतन करें। शास्त्रकारों ने यह कभी नहीं कहा कि व्यक्ति अर्थोपार्जन न करे। वह अर्थोपार्जन करे किंतु धर्मपूर्वक, अधर्मपूर्वक नहीं। हमें न तो आध्यात्मिकता की उपेक्षा करनी है न भौतिक सुख सुविधाओं की है। ब्रह्म मुहूर्त में व्यक्ति जितना अच्छा चिंतन कर सकता है उतना दूसरे समय में नहीं। स्वास्थ्य की दृष्टि से भी यह सर्वोत्तम समय है। बिल कोस्बो ने इस संदर्भ में कहा है कि मुझे नहीं मालूम कि कामयाबी पाने की पुंजी क्या है, पर हर आदमी को खुश करने की कोशिश करना ही नाकामयाबी की पुंजी है। जीवन में यदि आप सफल होना चाहते हैं तो प्रसन्न रहने की आदत डालिए, क्योंकि सफलता और प्रसन्नता का चोली दामन का साथ है। हम जो चाहें हमारे जीवन का जो लक्ष्य हो उसे पा लें यह सफलता है और जब मन चाहे लक्ष्य को पा लेंगे तो स्वभावतः प्रसन्नता का अनुभव करेंगे। हम जिंदगी को काटे नहीं, सच्चे अर्थों में जीएं। हम निरंतर परिश्रम करें। जॉन एच रोटस ने अपने संदेश में कहा है- सिर्फ जिंदगी न गुजारो-जीओ, सिर्फ छुओ नहीं महसूस करो, सिर्फ देखो नहीं गौर करो, सिर्फ पढ़ो नहीं जीवन में उतारो। हमारा जीवन बहिमुर्खी न होकर अंतमुर्खी होना चाहिए। उसमें उथलापन नहीं, आडंबर नहीं, गंभीरता होनी चाहिए। हमारे आदर्श ऊंचे होने चाहिए और विचार सात्विक। बाहरी साज-सज्जा, शरीर की चमक दमक से कोई व्यक्ति न तो महान बन सकता है, न ही सफलता उसके चरण चूमती है।

आज का राशिफल

मेष जीवन में कामयाबी के योग बन रहे हैं। आपको कारोबार में शानदार सफलता हाथ लगेगी।

तुला घर में आज अचानक से कोई मेहमान आने से आपका खर्च और काम दोनों बढ़ सकते हैं।

वृषभ आज आर्थिक लाभ होगा और आज का दिन आपके लिए प्रसन्नता से भरा होगा।

वृश्चिक कोई महत्वपूर्ण व्यवसायिक अनुबंध आपके पक्ष में आ सकता है।

मिथुन आज का दिन सामान्य है। आपको अपने कारोबार और व्यवसाय में सफलता प्राप्त होगी।

धनु आज आर्थिक मामलों में लाभ होगा। आज आपको सरकारी कार्यों में सफलता प्राप्त होगी।

कर्क दिन लाभ देने वाला है। आज के दिन आप जो भी निर्णय लेंगे उसमें आपको भाग्य का साथ मिलेगा।

मकर आज आर्थिक लाभ होगा और आज के दिन सत्पुरुषों का साथ मिलने से आपको प्रसन्नता होगी।

सिंह आज भाग्य हर काम में आपका साथ देगा। विरोधियों के षड्यंत्र असफल होंगे।

कुंभ धन में वृद्धि होगी और आपको आर्थिक लाभ होगा। कमा कमाया धन मिलने के योग हैं।

कन्या आज का दिन काफी चुनौतीपूर्ण होगा और आज आपको कारोबार में कुछ समस्याएं आ सकती हैं।

मीन आज लाभ का दिन है। आय के नए स्रोत सामने आएंगे। विरोध पक्ष पराजित होगा।

विशेष

एसबीआई पर लगा चंदा छुपाओ का ठप्पा

सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक खंडपीठ द्वारा दिए गए आदेश को न मानते हुए, स्टेट बैंक द्वारा इलेक्ट्रोल बांड की जानकारी देने के लिए सुप्रीम कोर्ट से समय मांगा। इसको लेकर सुप्रीम कोर्ट को लोगों ने निशाने पर लेना शुरू कर दिया। पुराने आदेश की तरह तारीख पर तारीख की तरह सुप्रीम कोर्ट इलेक्ट्रोल बांड के मामले में निशाने पर आ गया था। सोशल मीडिया पर स्टेट बैंक के साथ-साथ सुप्रीम कोर्ट भी निशाने पर था। सुप्रीम कोर्ट ने स्टेट बैंक के आवेदन को निरस्त करते हुए, 24 घंटे के अंदर सारी जानकारी चुनाव आयोग को देने के आदेश दिए। उसके बाद एसबीआई निशाने पर आ गया। इसे प्रधानमंत्री का चंदा छुपाओ के रूप में सोशल मीडिया में प्रचारित किया जा रहा है।

नागरिकता संशोधन कानून चुनावी जुमला?

केंद्र सरकार ने नागरिक संशोधन कानून को लागू करने की अधिसूचना जारी कर दी है. लोकसभा चुनाव के ठीक पहले यह अधिसूचना जारी हुई है। जिसके कारण इसे एक राजनीतिक कानून(जुमला) बताया जा रहा है। कानून बन जाने के बाद कई वर्षों तक यह सरकार के लाल बस्ते में बंद रहा। लोकसभा चुनाव के ठीक पहले इसे बाहर निकाला गया है। जैसे ही लोकसभा के चुनाव खत्म हो जाएंगे। उसके बाद फिर यह लाल बस्ते में चला जाएगा। सरकार जिसे नागरिकता देना चाहती है, उसका कानून अलग है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1527: मेवाड के राणा संग्राम सिंह प्रथम ने आगरा के पास खनुआ में बाबर पर हमला किया लेकिन पराजित हो गए. 1757: बंगला भाषा के लेखक अमरीकी राष्ट्रपति जेम्स मेडीसन ने लड़ाई में सैनिक कमांडर के रूप में काम किया. 1787: जर्मन भौतिकशासत्री जार्ज ओम का जन्म. 1792: स्वीडन नरेश गुस्ताव तृतीय को कैप्टन एंकरस्ट्रोम ने गोली मारी. 1827: अमरीका में अश्वेतों की पहली पत्रिका फ्रीडम जर्नल का प्रकाशन हुआ. 1846: अंग्रेजों ने अमृतसर संधि के तहत कश्मीर को राजा गुलाब सिंह को सौंप दिया. 1947: रूस में ग्रेड्यूक माइकल ने गद्दी पर बैठने से इंकार कर दिया. 1926: प्राशिम तरल ईंधन रॉकेट का प्रक्षेपण राबर्ट गोडार्ड द्वारा मेसा यूसेटस से किया गया. 1930: स्पेन के जनरल और तानाशाह मिगुएल प्राइमों डी रवेरा का निधन.

दैनिक पंचांग

16 मार्च 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

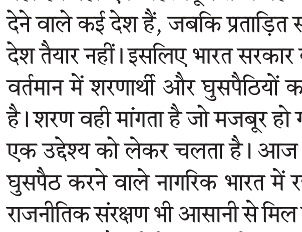

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मीन	06.02 बजे से
चंद्र	वृष में	मेष	07.37 बजे से
मंगल	मकर में	वृष	09.17 बजे से
बुध	मीन में	मिथुन	11.15 बजे से
गुरु	मेष में	कर्क	13.28 बजे से
शुक्र	कुंभ में	सिंह	15.44 बजे से
शनि	कुंभ में	कन्या	17.56 बजे से
राहु	मीन में	तुला	20.07 बजे से
केतु	कन्या में	वृश्चिक	22.22 ब.से
राहुकाल		धनु	00.38 बजे से
9.00 से 10.30 बजे तक		मकर	02.43 बजे से
		कुंभ	04.29 बजे से

शनिवार 2024 वर्ष का 76 वां दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2080 **शक संवत्** 1945
मास फाल्गुन **पक्ष** शुक्ल
तिथि सप्तमी 21.39 बजे को समाप्त।
नक्षत्र रोहिणी 16.06 बजे को समाप्त।
योग प्रीति 18.08 बजे को समाप्त।
करण गर 09.49 बजे तदनन्तर वणिज 21.39 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 5.6 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 01°38'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871920
जूलियन दिन 2460385.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2550
हिजरी सन् 1445
महीना रमजान
तारीख 05
विशेष रोहिणी व्रत।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल	05.55 से 07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से 07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से 08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से 08.42 बजे तक
रोग	08.51 से 10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से 10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से 11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से 11.47 बजे तक
चर	11.46 से 01.14 बजे तक	चर	11.47 से 01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से 02.42 बजे तक	रोग	01.19 से 02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से 04.10 बजे तक	काल	02.51 से 04.23 बजे तक
काल	04.10 से 05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से 05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

17 मार्च से शुरू होगा होलाष्टक

इन दिनों में नहीं किए जाते शुभ कार्य

होलाष्टक फाल्गुन शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि से शुरू होकर फाल्गुन शुक्ल पक्ष पूर्णिमा तक रहते है। यानी होलिका दहन के साथ ही होलाष्टक का समापन होता है। अष्टमी तिथि से शुरू होने कारण भी इसे होलाष्टक कहा जाता है। पंचांग के अनुसार, इस साल फाल्गुन माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि का प्रारंभ 16 मार्च को रात 9 बजकर 39 मिनट से होगा, जिसका समापन 17 मार्च को सुबह 9 बजकर 53 मिनट पर होगा। ऐसे में होलाष्टक 17 मार्च से लगेगा और 24 मार्च को समाप्त होगा। इसके बाद 25 मार्च को रंग वाली होली(धुलंडी) मनाई जाएगी।

होलाष्टकों को व्रत, पूजन और हवन की दृष्टि से अच्छा समय माना गया है। इन दिनों में किए गए दान से जीवन के कष्टों से मुक्ति मिलती है। होलाष्टक के दौरान विवाह, गृहप्रवेश, मुंडन, नामकरण और विद्यारंभ आदि सभी मांगलिक कार्य या कोई नवीन कार्य प्रारम्भ करना शास्त्रों के अनुसार उचित नहीं माना गया है। लेकिन इन दिनों को अशुभ मानने के पीछे धर्मग्रंथों में दो कथाएं बताई गई हैं।

भक्ति पर हुआ आघात

पौराणिक मान्यता के अनुसार भक्त प्रह्लाद राक्षस कुल में जन्मे थे परन्तु वे भगवान नारायण के अनन्य भक्त थे ।उनके पिता हिरण्यकश्यप को उनकी ईश्वर भक्ति अच्छी नहीं लगती थी इसलिए हिरण्यकश्यप ने प्रह्लाद को अनेकों प्रकार के जघन्य कष्ट दिए ।मान्यता है कि होली से पहले के आठ दिन यानी अष्टमी से पूर्णिमा तक प्रहलाद को बहुत अधिक यातनाएं दी गई थीं ।अंत में होलिका ने प्रह्लाद को लेकर अग्नि में प्रवेश किया, लेकिन प्रह्लाद बच गए और वह खुद जल गई ।अष्टमी से पूर्णिमा तक प्रहलाद को जघन्य कष्ट दिए जाने के कारण नवग्रह भी क्रोधित हो गए। ज्योतिषीय मान्यता के अनुसार अब भी अष्टमी से पूर्णिमा तक नवग्रह भी उग्र रूप लिए रहते है ,यही वजह है कि इस अवधि में किए जाने वाले शुभ कार्यों में अमंगल होने की आशंका बनी रहती है। इन दिनों में व्यक्ति के निर्णय लेने की शक्ति भी कमजोर हो जाती है। इसलिए होलाष्टक में शुभ कार्यों को करने की मनाही होती है।

शिव के क्रोध से भस्म हुए कामदेव

एक अन्य कथा के अनुसार हिमालय पुत्री पार्वती चाहती थीं कि उनका विवाह भोलेनाथ से हो, लेकिन शिवजी अपनी तपस्या में लीन थे। देवताओं के अनुरोध पर कामदेव ने अपना प्रेम का पुष्प वाण चलाकर शिवजी की तपस्या को भंग कर दिया । इससे महादेव अत्यंत क्रोधित हो गए,उन्होंने अपने तीसरे नेत्र की ज्वाला से कामदेव को भस्म कर दिया। प्रेम के देवता कामदेव के भस्म होते ही सारी सृष्टि में शोक व्याप्त हो गया ।
अपने पति को पुन: जीवित करने के लिए रति ने अन्य देवी-देवताओं सहित महादेव से प्रार्थना की। प्रसन्न होकर भोले शंकर ने कामदेव को पुर्नजीवन का आशीर्वाद दिया । फाल्गुन शुक्ल अष्टमी को कामदेव भस्म हुए और आठ दिन बाद महादेव से रति को उनके पुर्नजीवन का आशीर्वाद प्राप्त हुआ ।इन आठ दिनों में सारी सृष्टि शोक से व्याकुल रही थी। मान्यता है कि तभी से होलाष्टक के इन आठ दिनों में कोई भी शुभ कार्य सम्पन्न नहीं किया जाता है।

होलाष्टक की पौराणिक कथा

फाल्गुन मास के शुक्ल पक्ष की अष्टमी से लेकर पूर्णिमा तिथि तक होलाष्टक माना जाता है। होलाष्टक होली दहन से पहले के 8 दिनों को कहा जाता है। होलाष्टक के संबंध में 2 कथाएं प्रचलित है। पहली कथा भक्त प्रहलाद से जुड़ी है और दूसरी कथा कामदेव से।
पहली कथा के अनुसार भक्त प्रहलाद को उसके पिता ने हिरण्यकश्यप ने अपने पुत्र की भक्ति को भंग करने और उनका ध्यान अपनी और करने के लिए लगातार 8 दिनों तक उन्हें तमाम तरह की यातनाएं और कष्ट दिए थे। इसलिए कहा जाता है कि, होलाष्टक के इन 8 दिनों में किसी भी तरह का कोई शुभ कार्य नहीं करना चाहिए। यह 8 दिन वहीं होलाष्टक के दिन है। होलिका दहन के बाद ही जब प्रहलाद जीवित बच जाता है तो उसकी जान बच जाने की खुशी में ही दूसरे दिन रंगों की होली मनाई जाती है।
दूसरी कथा के अनुसार देवताओं के कहने पर शिवजी की तपस्या भंग करने के कारण जब कामदेव को शिवजी अपने तीसरे नेत्र से भस्म कर देते हैं तब कामदेव की पत्नि शिवजी से उन्हें पुनर्जीवित करने की प्रार्थना करती है। रति की भक्ति को देखकर शिवजी इस दिन कामदेव को दूसरा जन्म में उन्हें फिर से रति मिलन का वचन दे देते हैं। कामदेव बाद में श्रीकृष्ण के यहां प्रद्युम्न रूप में जन्म लेते हैं।

होलाष्टक के दौरान उग्र स्वभाव में रहते हैं ग्रह

होलाष्टक के दौरान किसी भी तरह के शुभ और मांगलिक कार्य वर्जित होते हैं। होली आने की पूर्व सूचना होलाष्टक से प्राप्त होती है। इसी दिन से होली उत्सव के साथ-साथ होलिका दहन की तैयारियां भी शुरू हो जाती है।
होलाष्टक के दौरान सभी ग्रह उग्र स्वभाव में रहते हैं जिसके कारण शुभ कार्यों का अच्छा फल नहीं मिल पाता है। होलाष्टक प्रारंभ होते ही प्राचीन काल में होलिका दहन वाले स्थान की गोबर, गंगाजल आदि से लिपाई की जाती थी। साथ ही वहां पर होलिका का डंडा लगा दिया जाता था जिनमें एक को होलिका और दूसरे को प्रह्लाद माना जाता है।
होलाष्टक के दौरान अष्टमी को चंद्रमा, नवमी को सूर्य, दशमी को शनि, एकादशी को शुक्र, द्वादशी को गुरु, त्रयोदशी को बुध, चतुर्दशी को मंगल और पूर्णिमा को राहू उग्र स्वभाव में रहते हैं। इन ग्रहों के उग्र होने के कारण मनुष्य के निर्णय लेने की क्षमता कमजोर हो जाती है जिसके कारण कई बार उससे गलत निर्णय भी हो जाते हैं जिसके कारण हानि की आशंका बढ़ जाती है। जिनकी कुंडली में नीच राशि के चंद्रमा और वृश्चिक राशि के जातक या चंद्र छठे या आठवें भाव में हैं उन्हें इन दिनों अधिक सतर्क रहना चाहिए।

होलाष्टक के समय क्या करें और क्या नहीं

फाल्गुन मास के शुक्ल पक्ष की अष्टमी से लेकर पूर्णिमा तिथि तक होलाष्टक माना जाता है। होली के 8 दिन पहले होलाष्टक प्रारंभ हो जाता है। इन आठ अशुभ दिनों को होलाष्टक कहते हैं। इन आठ दिनों में कोई भी मांगलिक कार्यों को करना निषेध होता है। इस समय मांगलिक कार्य करना अशुभ माना जाता है।

होलाष्टक में वर्जित कार्य : विवाह करना, वाहन खरीदना, घर खरीदना, भूमि पूजन, गृह प्रवेश, कोई नया कार्य प्रारंभ करना एवं अन्य प्रकार के मांगलिक कार्य नहीं किए जाते हैं।
क्या करना चाहिए : होलाष्टक में पूजा-पाठ करने और भगवान का स्मरण भजन करने से शुभ फल की प्राप्ति होती है। मान्यता है कि होलाष्टक में कुछ विशेष उपाय करने से कई प्रकार के लाभ प्राप्त किए जा सकते हैं। होलाष्टक के दौरान श्रीसूक्त व मंगल ऋण मोचन स्त्रोत का पाठ करना चाहिए जिससे आर्थिक संकट समाप्त होकर कर्ज मुक्ति मिलती है ।इस दौरान भगवान नृसिंह और हनुमानजी की पूजा का भी महत्व है। होलाष्टक के प्रारंभ होने वाले दिन एक स्थान पर दो डंडे स्थापित किए जाते हैं। जिनमें से एक डंडा होलिका का प्रतीक तो दूसरा डंडा प्रहलाद का प्रतीक माना जाता है। इसके बाद इन डंडों को गंगाजल से शुद्ध करके के बाद इन डंडों के ईर्द-गिर्द गोबर के उपले, लकड़ियां, घास और जलाने वाली अन्य चीजें इकट्ठा की जाती है और इन्हें धीरे-धीरे बड़ा किया जाता है और अंत में होलिका दहन वाले दिन इसे जला दिया जाता है।

होलाष्टक के वर्जित कार्य कौन-कौन से हैं

फाल्गुन मास के शुक्ल पक्ष की अष्टमी से लेकर पूर्णिमा तिथि तक होलाष्टक माना जाता है। इस वर्ष होलिका दहन 7 मार्च को किया जाएगा और इसके बाद अगले दिन रंगों वाली होली खेली जाएगी। होलाष्टक के दौरान प्रमुख रूप से 10 कार्य वर्जित होते हैं।
होलाष्टक में वर्जित कार्य :

- विवाह करना
- वाहन खरीदना
- घर खरीदना
- भूमि पूजन
- गृहप्रवेश
- 16 संस्कार
- यज्ञ, हवन या होम
- नया व्यापार शुरु करना
- नए वस्त्र या कोई वस्तु खरीदना
- यात्रा करना

होलाष्टक को ज्योतिष की दृष्टि में एक दोष माना जाता है। विवाहिताओं को इस दौरान मायके में रहने की सलाह दी जाती है। विशेष रूप से इस समय विवाह, नए निर्माण व नए कार्यों को आरंभ नहीं करना चाहिए। ऐसा ज्योतिष शास्त्र का कथन है। अर्थात इन दिनों में किए गए कार्यों से कष्ट, अनेक पीड़ाओं की आशंका रहती है तथा विवाह आदि संबंध विच्छेद और कलह का शिकार हो जाते हैं या फिर अकाल मृत्यु का खतरा या बीमारी होने की आशंका बढ़ जाती है।

जानिए रंगों का मन पर कैसा होता है असर

होली रंगों का त्योहार है, और रंगों से ही इसका असली मजा है। रंगों का इस्तेमाल केवल मस्ती या मजे के लिए ही नहीं किया जाता, बल्कि मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के साथ ही धार्मिक, आध्यात्मिक और वैज्ञानिक दृष्टि से भी इन रंगों का विशेष महत्व है। जानिए इन रंगों का महत्व

लाल रंग

लाल रंग ऊर्जा, साहस, महत्वाकांक्षा, क्रोध, उत्तेजना, उत्साह और पराक्रम का प्रतीक है। वहीं इस रंग को प्रेम और कामुकता का प्रतीक भी माना जाता है। लाल रंग द्वारा रक्त व हृदय संबंधी समस्याओं और मानसिक क्षीणता, आत्मविश्वास की कमी जैसी समस्याओं को हल किया जाता है। वहीं धार्मिक दृष्टि से भी लाल रंग का अत्यधिक महत्व है। देवी साधना में यह बेहद महत्वपूर्ण है।

सफेद

सफेद रंग शांति और शुद्धता का प्रतीक है। यह अशांत मन को शांति प्रदान करता है, विद्या प्राप्ति में सहायता करता है और जीवन में सकारात्मकता का संचार कर मन और मस्तिष्क में सात्विकता प्रदान कर शुद्ध करता है। अत्यधिक क्रोधी स्वभाव के लोगों के लिए यह रंग बेहद सकारात्मक है।

हरा

हरा रंग शीतलता, ताजगी, हरियाली, सकारात्मकता, अपरिवर्तनशीलता, गौरव, प्रसन्नता का प्रतीक है। यह तनाव दूर कर, नाड़ी संबंधी रोगों, लिवर, आंत के रोगों एवं रक्त शोधन के लिए महत्वपूर्ण है। यह आत्मविश्वास, प्रसन्नता और शीतलता प्रदान करता है। इसे बुद्धि का रंग भी कहा जाता है। हरा रंग सौभाग्य और समृद्धि का भी सूचक है।

नीला

नीला रंग प्रेम, कोमलता, विश्वास, स्नेह, वीरता, पौरुषता को दर्शाता है। यह रक्तचाप, सांस संबंधी रोगों व आंखों के लिए फायदेमंद होता है। धार्मिक और ज्योतिष की दृष्टि से भी इस रंग का काफी महत्व है। हल्का नीला यानि आसमानी रंग शरीर में जल तत्व का प्रतिनिधित्व करता है और आध्यात्मिक विकास को दर्शाता है।

पीला

पीला रंग आरोग्य, शांति, सुकून, योग्यता, ऐश्वर्य और यश को दर्शाता है, वहीं हल्का पीला रंग बीमारी का सूचक है। पित्त व पाचन संबंधी समस्याओं में यह लाभकारी है। पीला रंग युवावस्था को भी दर्शाता है। यह बौद्धिक विकास को भी दर्शाता है और खुशी का अनुभव कराता है। पीला रंग स्पष्टवादिता का भी प्रतीक है।

क्या होता है होली का डंडा, कब इसे गाड़ा जाता है

हिन्दू धर्म में होली का त्योहार एक प्रमुख त्योहार है। इसे संपूर्ण देश में किसी ना किसी रूप में मनाते हैं। आखिर इस पर्व की शुरुआत कब से होती है और इस त्योहार में होली का डंडा क्यों रोपण किया जाता है।

वसंत ऋतु के प्रारंभ होते ही इस त्योहार की शुरुआत हो जाती है। कई जगह पर 'माघ पूर्णिमा' से ही इस त्योहार की शुरुआत हो जाती है। ब्रजमंडल में खासकर मथुरा में लगभग 45 दिन के होली के पर्व का आरंभ वसंत पंचमी से ही हो जाता है। बसंत पंचमी पर ब्रज में भगवान बांकेबिहारी ने भक्तों के साथ होली खेलकर होली महोत्सव की शुरुआत की जाती है।
कब गाड़ा जाता है होली डंडा : भारत में कई जगह तो फाल्गुन मास प्रारंभ होते ही होली का डांडा रोपड़ कर होली उत्सव का प्रारंभ हो जाता है तो कई जगहों पर होलाष्टक पर डांडा रोपणकर इस उत्सव की शुरुआत की जाता ही। कई जगह पर माघपूर्णिमा के दिन से ही होली का डांडा रोप दिया जाता है। हालांकि अब अधिकांश जगह यह डांडा होलिका दहन के एक दिन पूर्व ही रोपण कर खानापूर्तिं की जाती है। जबकि असल में यह डांडा होली से ठीक एक महीने पहले 'माघ पूर्णिमा' को रोपण होता है।
क्या होता है होली का डंडा : होली के उत्सव का पहला काम होली का डंडा या डांडा चौराहे पर गाड़ना होता है। होली का डंडा एक प्रकार का पौधा होता है, जिसे सेम का पौधा कहते हैं। हालांकि कई जगहों पर एक स्थान पर दो डंडे स्थापित किए जाते हैं। जिनमें से एक डंडा होलिका का प्रतीक तो दूसरा डंडा प्रहलाद का प्रतीक माना जाता है। इसके बाद इन डंडों को गंगाजल से शुद्ध करके के बाद इन डंडों के ईर्द-गिर्द गोबर के उपले, लकड़ियां, घास और जलाने वाली अन्य चीजें इकट्ठा की जाती है और इन्हें धीरे-धीरे बड़ा किया जाता है और अंत में होलिका दहन वाले दिन इसे जला दिया जाता है।
क्या करते हैं डंडा गाड़ने के बाद : इस डंडे के आसपास लकड़ी और कंडे जमाकर रंगोली बनाई जाती और फिर

विधिवत रूप से होली की पूजा की जाती है। कंडे में विशेष प्रकार के होते हैं जिन्हें भरभोलिए कहते हैं। भरभोलिए गाय के गोबर से बने ऐसे उपले होते हैं जिनके बीच में छेद होता है। इस छेद में मूंज की रस्सी डाल कर माला बनाई जाती है। एक माला में सात भरभोलिए होते हैं। होली में आग लगाने से पहले इस माला को भाइयों के सिर के ऊपर से सात बार घूमा कर फेंक दिया जाता है। रात को होलिका दहन के समय यह माला होलिका के साथ जला दी जाती है। इसका यह आशय है कि होली के साथ भाइयों पर लगी बुरी नजर भी जल जाए। फाल्गुन मास की पूर्णिमा की रात्रि को होलिका दहन किया जाता है। होलिका दहन के पहले होली के डंडा को निकाल लिया जाता है। उसकी जगह लकड़ी का डंडा लगाया जाता है। फिर विधिवत रूप से होली की पूजा की जाती है और अंत में उसे जला दिया जाता है। होलिका में भरभोलिए जलाने की भी परंपरा है।

संक्षिप्त समाचार

मामाअर्थ ने नई कैटेगरी में की एंट्री, रॉकेट बना कंपनी का शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। मामाअर्थ रांड के तहत काम करने वाली कंपनी होनासा कंज्यूमर ने पर्सनल वॉश कैटेगरी में अपने एंट्री की घोषणा की है। ये 4 वेरिएंट में उपलब्ध है। ये वेरिएंट- उबटन, विटामिन सी, मुल्तानी मिट्टी और नीम हैं। इस खबर के बीच सप्ताह के चौथे कारोबारी दिन गुरुवार को होनासा कंज्यूमर के शेयर 383.85 रुपये पर बंद हुए। एक दिन पहले के मुकाबले शेयर 1.36 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। कंपनी ने कहा कि नेचुरल और सस्टेनेबल पर्सनल केयर उत्पादों की बढ़ती मांग के साथ मामाअर्थ ने पर्सनल वॉश कैटेगरी में कारोबार करने का निर्णय लिया। मामाअर्थ के लिए इनोवेशन सबसे आगे रहा है और ब्रांड ने पर्सनल वॉश कैटेगरी में दबदबा बढ़ाने की तैयारी की है। मामाअर्थ मॉइस्चराइजिंग लोशन साबुन नॉन-ड्राइंग फॉर्मूले में मेड-सेफ सर्टिफाइड के साथ ग्रेड 1 साबुन हैं। इस पर टिप्पणी करते हुए होनासा कंज्यूमर लिमिटेड की को-फाउंडर गजल अलघ ने कहा कि पर्सनल वॉश कैटेगरी में इनोवेशन की कमी इस श्रेणी के लिए एक चुनौती रही है। सुरक्षित विकल्पों की मांग को देखते हुए हमने इस समस्या को समाधान करने के लिए अपनी खोज शुरू की। अपने लोशन साबुन के लॉन्च के साथ हम एक ऐसे साबुन की आवश्यकता को ढूंढ कर रहे हैं जो त्वचा को गहराई से साफ करता है।

बड़ी डील की तैयारी में टाटा ग्रुप, खरीद सकता है टाटा प्ले में डिज्नी का हिस्सा

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप एक बड़ी डील करने की तैयारी में है। टाटा ग्रुप टाटा प्ले में वॉल्ट डिज्नी की हिस्सेदारी खरीदने पर विचार कर रहा है। मामले की जानकारी रखने वाले लोगों ने यह बताया है। पिछले कुछ समय से मीडिया इंडस्ट्री में काफी हलचल बनी हुई है। नाम न जाहिर करने की शर्त पर लोगों ने बताया कि डिज्नी की महत्वपूर्ण मॉइनारिटी हिस्सेदारी खरीदने के लिए कंपनियां शुरुआती स्तर की बातचीत में हैं। इस डील में टाटा प्ले की वैल्यू करीब 1 बिलियन डॉलर या इससे अधिक हो सकती है। मामले की जानकारी रखने वाले लोगों ने बताया कि टाटा इस डील में आगे नहीं बढ़ने का भी फैसला कर सकता है। टाटा ग्रुप और वॉल्ट डिज्नी के रिप्रेजेंटेटिव्स ने इस मामले में कोई प्रतिक्रिया देने से इनकार किया है। डिज्नी के साथ बायबैक से जुड़ी बातचीत उस डिवेलपमेंट के बाद शुरू हुई है, जिसमें अमेरिकी कंपनी ने फरवरी आखिर में दिग्गज बिजनेसमैन मुकेश अंबानी की मीडिया इकाई 18 मीडिया के साथ अपनी इंडिया यूनिट के मर्जर के लिए बाइडिंग एग्रीमेंट पर दस्तखत किए हैं। इस डील के बाद 8.5 बिलियन डॉलर की दिग्गज एंटरटेनमेंट कंपनी बनेगी, जिसके 750 मिलियन व्यूअर्स होंगे। इस मेगा मर्जर की वजह से दूसरे मीडिया दिग्गज भी बाहर निकल रहे हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड वायकॉम 18 मीडिया में पैरामाउंट ग्लोबल की 13.01 पर्सेंट हिस्सेदारी खरीदने के लिए तैयार हो गई है। रिलायंस इंडस्ट्रीज यह हिस्सेदारी करीब 4286 करोड़ रुपये में खरीदेगी।

5 करोड़ नौकरी, इकॉनमी को 1 ट्रिलियन का बूस्टर, यूनिकॉर्न पर यह रिपोर्ट जोश भर देगी!

नई दिल्ली, एजेंसी। नई यूनिकॉर्न कंपनियों से भारतीय अर्थव्यवस्था में एक लाख करोड़ डॉलर जुड़ने की संभावना है। ये कंपनियां पांच करोड़ नए रोजगार के अवसर भी तैयार करेंगी। उद्योग मंडल भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने गुरुवार को जारी एक रिपोर्ट में यह अनुमान जताया। यह रिपोर्ट मैकिंजी एंड कंपनी के सहयोग से तैयार की गई है। एक अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक मूल्य वाली स्टार्टअप कंपनियों को 'यूनिकॉर्न' के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

सीआईआई की रिपोर्ट में वित्त वर्ष 2029-30 तक भारत की अर्थव्यवस्था सात लाख करोड़ डॉलर तक पहुंचने और उसमें स्टार्टअप कंपनियों का योगदान एक लाख करोड़ डॉलर होने की कल्पना की गई है। इससे देश में पांच करोड़ से अधिक रोजगार अवसर पैदा होंगे।

रिपोर्ट कहती है कि खुदरा और ई-कॉमर्स, अगली पीढ़ी की वित्तीय सेवाएं, विनिर्माण और सॉफ्टवेयर सेवा एवं डिजिटल जैसे क्षेत्र आने वाले वर्षों में बड़े पैमाने पर वृद्धि को गति देने के लिए तैयार हैं। भारत में पहली बार किसी प्रौद्योगिकी-आधारित कंपनी को यूनिकॉर्न का दर्जा 2011 में मिला था। एक दशक में ही भारत ने 100 यूनिकॉर्न का आंकड़ा पार कर लिया है। जनवरी, 2024 तक मौजूद 113 यूनिकॉर्न कंपनियों का संयुक्त मूल्यांकन 350 अरब डॉलर है।

यूनिकॉर्न कल्चर कौन से फैक्टर दे रहे बढ़ावा

उद्योग निकाय ने कहा कि 100 से अधिक यूनिकॉर्न का उदय एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। इसका श्रेय कई महत्वपूर्ण कारकों को दिया जाता है। इसमें डिजिटल रूप से कुशल युवा आबादी, मोबाइल इंटरनेट तक व्यापक पहुंच, मध्यम वर्ग की बढ़ोतरी और एक मददगार नियामकीय ढांचे की मौजूदगी शामिल है। सीआईआई के अध्यक्ष आर दिनेश ने कहा कि स्टार्टअप इकोसिस्टम इनोवेशन, जुझारू क्षमता और परिवर्तनकारी विचारों के धागों से बुना हुआ एक जीवंत चित्र है।

ईडी जांच; 100 से अधिक कंपनियों से कनेक्शन! कौन हैं 1368 करोड़ के महादानी सैंटियागो मार्टिन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट के आदेश का अनुपालन करते हुए चुनावी बॉन्ड का विवरण प्रकाशित किया। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने चुनाव आयोग को 12 मार्च को ये आंकड़े सौंपे थे। आंकड़ों के अनुसार, जो अब ईसीआई वेबसाइट पर उपलब्ध है, कोयंबटूर स्थित कंपनी फ्यूचर गेमिंग व होटल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड का नाम चुनावी बॉन्ड के सबसे बड़ा दानदाता के रूप में सामने आया। फ्यूचर गेमिंग की स्थापना 1991 में लॉटरी किंग ऑफ इंडिया सैंटियागो मार्टिन ने की थी। आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल 2019 से खरीदे गए इलेक्टोरल बॉन्ड के कुल मूल्य का आधा हिस्सा 23 कंपनियों का है। कोयंबटूर स्थित लॉटरी सेवा फर्म फ्यूचर गेमिंग एंड होटल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड शीर्ष खरीदार है। ईसीआई द्वारा प्रकाशित सूची में 12,155.51 करोड़ रुपये के बॉन्ड का विवरण दिया गया है, जिसे लगभग पांच वर्षों में 1,300 से अधिक कंपनियों द्वारा खरीदा गया था। आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि फ्यूचर गेमिंग और होटल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड ने 1,368 करोड़ रुपये के बॉन्ड खरीदे और इस तरह यह 1,000 करोड़ रुपये से अधिक का दान करने वाली अकेली कंपनी है।

सोने में 250 रुपये की तेजी, चांदी की कीमतें 1700 रुपये उछली

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक बाजार में बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में तेजी के बीच दिल्ली सर्राफा बाजार में गुरुवार को सोने का भाव 250 रुपये की तेजी के साथ 66,200 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। पिछले कारोबारी सत्र के दौरान सोना 65,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था। चांदी भी 1,700 रुपए की तेजी के साथ 77,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। इससे पिछले कारोबारी सत्र में यह 75,300 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा, दिल्ली के बाजारों में 24 कैरेट सोने की हाजिर कीमत 250 रुपये की तेजी के साथ 66,200 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रही है। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कॉमेक्स पर सोने का हाजिर भाव नौ डॉलर की बढ़त के साथ 2,169 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार करता दिखा। गांधी ने कहा कि अमेरिकी डॉलर में भारी गिरावट और

सुरक्षित निवेश के विकल्प के तौर पर सोने में खरीदारी से गुरुवार को यूरोपीय कारोबारी सत्र के दौरान पीली धातु की कीमत में तेजी आई। चांदी का भाव भी तेजी के साथ 24.92 डॉलर प्रति औंस हो गया जो पिछले कारोबारी सत्र में 24.22 डॉलर प्रति औंस पर बंद हुआ था। शेयरखान के बेसमेंटल करेंसी एंड कमोडिटीज के वाइस प्रेसिडेंट प्रवीण सिंह के अनुसार निवेशक आज के अमेरिकी आंकड़ों जैसे प्रोड्यूसर प्राइस इंडेक्स (पीपीआई), साप्ताहिक जॉब डेटा और रिटेल सेल्स के आधार पर अपनी रणनीति तय करें।

बार-बार केवाईसी कराने से मिलेगा छुटकारा, सभी काम के लिए एक ही काफी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार जल्द ही यूनिफॉर्म केवाईसी के नियम लागू कर सकती है। इसके तहत बैंक, बीमा से लेकर म्यूचुअल फंड और अन्य वित्तीय क्षेत्रों के लिए एक ही केवाईसी होगी। वित्तीय स्थिरता और विकास परिषद (स्न्रस्ष्ठष्ट) ने वित्तीय क्षेत्र में एक समान केवाईसी प्रणाली लागू करने का प्रस्ताव सरकार को दिया है।

सरकार ने बनाई समिति- केंद्र ने समान केवाईसी नियमों पर सिफारिशों के लिए वित्त सचिव टीवी सोमनाथन की अगुवाई में विशेषज्ञ समिति बनाईहै,जो यूनिफॉर्म केवाईसी को लेकर नियमों का ढांचा तैयार करेगी। एफएसडीसी के साथ हाल ही में हुई बैठक में वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने भी केवाईसी प्रक्रिया को आसान बनाने का सुझाव दिया था। इससे पहले भी वित्त मंत्री केवाईसी नियमों को आसान बनाने के लिए वन स्टॉप सॉल्यूशन पर जोर देती रही हैं।

वित्तीय सेवाओं को आसान बनाने की कोशिश- इस कवायद के जरिए सरकार की कोशिश है कि वित्तीय सेवाओं को आसान बनाया जाए। इस प्रक्रिया के लागू होने से कागजी कार्रवाई, समय और लागत को कम करने में मदद मिलेगी। यूनिफॉर्म केवाईसी की मदद से सभी वित्तीय कामों के लिए अलग-अलग केवाईसी करवाने की जरूरत खत्म हो जाएगी।

एक बार रजिस्ट्रेशन की होगी जरूरत- बताया जा रहा है कि नई प्रक्रिया के तहत एक बार केवाईसी दस्तावेज पंजीकृत हो जाने के बाद सीकेवाईसी पहचान पत्र जारी किया जाएगा। इसमें 14 अंकों की विशेष संख्या होगी। बचत खाता खोलने, म्यूचुअल फंड में निवेश करने व बीमा पॉलिसी खरीदने के लिए निवेशक को अलग-अलग केवाईसी दस्तावेज जमा करने के बजाय केवल एक बार सीकेवाईसीआर से जुड़ा केवाईसी विवरण देना होगा।

क्या है मौजूदा व्यवस्था- अभी विभिन्न वित्त क्षेत्रों के लिए अलग-अलग तरीके के केवाईसी करवानी पड़ती है। इसके लिए वर्ष 2016 में सेंट्रल केवाईसी रिकॉर्ड्स रजिस्ट्री का गठन किया गया। इसके जरिए यह प्रक्रिया केंद्रीकृत और आसान बनाई गई। एक बार इसमें रजिस्ट्रेशन के बाद इसी एजेंसी के जरिए अलग-अलग संस्थानों को केवाईसी दस्तावेज जारी किए जाते हैं।

क्या होता है केवाईसी

केवाईसी मतलब होता है- अपने ग्राहक को जानें। इसके लिए बैंक और अन्य वित्तीय संस्थान अपने ग्राहकों की वास्तविक पहचान, आय के स्रोत और कारोबार से जुड़ी जानकारियों का पता लगाते हैं। केवाईसी को कई सेवाओं के लिए अनिवार्य किया गया है। इसमें ग्राहक की ओर से दी गई जानकारी को वैध दस्तावेजों द्वारा सत्यापित किया जाता है।

म्यूचुअल फंड केवाईसी के लिए बिजली-पानी के बिल मान्य नहीं- म्यूचुअल फंड केवाईसी से जुड़े कुछ नियमों में बदलाव किया गया है। इसके तहत केवाईसी के लिए बिजली-पानी समेत अन्य जरूरी बिल, बैंक और डाकघर खाता विवरण, संपत्ति कर की रसीद और पेंशन या पारिवारिक पेंशन भुगतान आदेश जैसे दस्तावेज मान्य नहीं होंगे।

हाल ही में जारी आदेश के मुताबिक, जिन म्यूचुअल फंड निवेशकों ने केवाईसी के लिए इनका इस्तेमाल किया है, उन्हें वैध दस्तावेजों के साथ केवाईसी अपडेट करनी होगी। इसकी अंतिम तिथि 31 मार्च 2024 निर्धारित की गई है।

भारतीय पर्यटकों ने मालदीव से किया किनारा; द्वीपीय राष्ट्र का संकट बढ़ा, पर्यटन उद्योग ने की यह मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और पड़ोसी मालदीव के बीच हाल के दिनों में जारी खटास के बीच द्वीपीय राष्ट्र में पहुंचने वाले भारतीय पर्यटकों बहुत हद तक गिर गई है। इसका असर मालदीव के पर्यटन उद्योग पर पड़ना शुरू हो गया है और मांग उठने लगी है कि भारत के साथ संबंधों को जल्द से जल्द सुधारा जाए। 2023 में मालदीव पहुचंने वाले पर्यटकों में भारतीयों की संख्या सबसे अधिक थी, पर 2024 भारतीय पर्यटकों की संख्या छठे नंबर पर पहुंच गई है। इससे पर्यटन पर निर्भर देश की अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। मालदीव के तीन अधिकारियों की ओर से सोशल मीडिया पर भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी के बाद भारत की ओर से करारा जवाब दिया गया था। बीते 6 जनवरी को भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने एक्स हैंडल पर भारत के पश्चिमी तट पर प्राचीन लक्षद्वीप के द्वीपों की तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए थे।

मालदीव पर्यटन मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, 2023 में 17 लाख से अधिक पर्यटकों ने द्वीप राष्ट्र का दौरा किया, जिनमें से 2,09,198 से अधिक आगंतुक भारतीय थे, इसके बाद रूसी (2,09,146) और चीन (1,87,118) थे। 2022 में भारतीय

आगंतुकों की संख्या 2.4 लाख से अधिक थी, जबकि 2021 में 2.11 लाख से अधिक भारतीयों ने मालदीव के लिए उड़ान भरी। महामारी के दौरान अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों के लिए खुले कुछ देशों में मालदीव भी था और उस अवधि के दौरान लगभग 63,000 भारतीयों ने उस देश का दौरा किया।

मंत्रालय के आंकड़ों से पता चला है कि 2024 में पर्यटकों के आगमन के मामले में भारत छठे स्थान पर है। 2020 से मालदीव पहुंचने वाले पर्यटकों में भारतीय पर्यटकों की संख्या लगातार पहले स्थान पर रही है। भारतीय पर्यटक महामारी के समय में भी द्वीपीय राष्ट्र का दौरा कर रहे थे। मंत्रालय के आंकड़ों से पता चलता है 2 मार्च 2024 तक 27,224 भारतीय पर्यटक मालदीव पहुंचे, जो पिछले साल की तुलना में 33 प्रतिशत कम है, जब इस अवधि में 41,224 लोग मालदीव पहुंचे थे। मालदीव का पर्यटन उद्योग भारत और मालदीव के बीच रिश्तों में आई ताजा खटास से चिंतित है और इस स्थिति में बदलाव की मांग कर रहा है। ऑफ-पीक सीजन के दौरान मालदीव में पर्यटन से संबंधित प्राप्तियों को बनाए रखने में भारत कैसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, यह बताते हुए एक समाचार पोर्टल स्न्ह्वठ्ठ.द्व1 ने कहा- भारतीय यात्रियों और यूरोपीय यात्रियों के पर्यटन में एक काउंटर-ट्रैवल पैटर्न है। इसका मतलब है कि भारतीय पर्यटक गर्मी के दौरान मालदीव में अक्सर आते हैं, इस दौरान यूरोपीय पर्यटकों की संख्या में कमी आती है। दूसरे शब्दों में, भारतीय पर्यटक मालदीव के पर्यटन उद्योग के ऑफ-पीक सीजन के लिए सबसे महत्वपूर्ण फिलर है। न्यूज पोर्टल के अनुसार पर्यटन उद्योग के विशेषज्ञों और विश्लेषकों ने मालदीव पहुंचने वाले भारतीय पर्यटकों की संख्या में कमी से पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभावों को उजागर किया है। कुछ जानकारों के अनुसार वर्तमान स्थिति से द्वीपीय राष्ट्र को 1.8 बिलियन अमरीकी डॉलर से 2 बिलियन अमरीकी डॉलर के नुकसान का अनुमान है।

रिपोर्ट के अनुसार ऐसी ट्रैवल एजेंसियां और ऑपरेटर जो भारतीय पर्यटकों पर निर्भर करते हैं, अपने राजस्व में 80 प्रतिशत तक की गिरावट की बात कह रहे हैं, जो कि एक खतरनाक स्थिति है। ट्रैवल एजेंसी लेट्स गो मालदीव के एक अधिकारी के हवाले से पोर्टल ने कहा कि मालदीव पहुंचने वाले भारतीय पर्यटक अलग-अलग वर्गों से आते हैं और ये गर्मियों के लिए एक बड़ा बाजार हैं। मालदीव के एक अधिकारी ने कहा है कि भारतीय पर्यटकों के नहीं आने से पर्यटन उद्योग के ऑक्यूपेंसी रेट में गिरावट आई है। भारत पर्यटक हमारे लिए महत्वपूर्ण बाजार हैं।

रिपोर्ट में एक प्रमुख ट्रैवल एजेंसी ट्रैवल कनेक्शन मालदीव के हवाले से कहा गया है कि सिर्फ भारतीय पासपोर्टधारकों ने ही मालदीव का बहिष्कार नहीं किया है, बल्कि समृद्ध और धनी भारतीय मूल के यात्रियों के अन्य देशों से मालदीव आने में भी गिरावट आई है। ट्रैवल कनेक्शन के सीईओ मोहम्मद मिरशाद के अनुसार यह मालदीव पर्यटन में भारतीय बाजार की महत्ता को दर्शाती है। अधिकारियों को उम्मीद है कि मालदीव में हनीमाधू अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे और भारत के केरल राज्य में तिरुवनंतपुरम के बीच सीधी उड़ानों के फिर से शुरू होने से भारत से कुछ और पर्यटक वापस आएंगे। अहंकार से हमें फायदा नहीं होगा, यह देश की संवेदनशील अर्थव्यवस्था को और भी नुकसान पहुंचाएगा। सच्चा ज्ञान अपनी कमजोरियों और शक्तियों को स्वीकार करने में निहित है, और वास्तविकता यह है कि हमें भविष्य में होने वाले किसी भी नुकसान से बचना चाहिए।

चुनावी बॉन्ड में निवेश करने वाले बड़े दानकर्ताओं में अंबानी-अदाणी नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश तहत भारतीय चुनाव आयोग ने गुरुवार को चुनावी बॉन्ड से जुड़ी जानकारी अपनी वेबसाइट पर अपलोड कर दी है। चुनाव की ओर से चुनावी बॉन्ड से जुड़ी जानकारी दो अलग-अलग पीडीएफ फाइलों के जरिए साझा की गई है। चुनाव आयोग की ओर से अपलोड की गई जानकारी के अनुसार चुनावी बॉन्ड मद में देश के कई करोबारी प्रतिष्ठानों ने बड़ा योगदान दिया है, पर इसमें अंबानी और अदाणी समूह का नाम शामिल नहीं है।चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार चुनावी बॉन्ड के बड़े दानकर्ताओं में फ्यूचर गेमिंग एंड होटल सर्विसेज का नाम है। कंपनी ओर से करीब 1368 करोड़ रुपये का योगदान किया गया है। चुनावी बॉन्ड के तहत सबसे अधिक दान देने वाली कंपनी तमिलनाडु से, करती है यह काम भारतीय स्टेट बैंक की ओर से चुनाव आयोग को इलेक्टरोल बॉन्ड से संबधित जो आंकड़े मुहैया कराए गए हैं। उनमें एक कंपनी का नाम चौंकाने वाला है। इन आंकड़ों के अनुसार गेमिंग व्यवसाय का संचालन करने वाली कंपनी फ्यूचर गेमिंग एंड होटल सर्विसेज ने साल 2019 से 2024 के बीच इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिए

सबसे अधिक चुनावी चंदा दिया है। कंपनी गेमिंग व्यवसाय का संचालन करती है। चुनाव आयोग की ओर से वेबसाइट पर अपलोड की गई जानकारी के अनुसार फ्यूचर गेमिंग एंड होटल सर्विसेज ने चुनावी बॉन्ड के जरिए 1368 करोड़ रुपये की बड़ी राशि दान में दी है।

फ्यूचर गेमिंग एंड होटल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड 30 दिसंबर, 1991 को रजिस्टर्ड एक गैर सूचीबद्ध निजी कंपनी है। यह प्राइवेट लिमिटेड कंपनी है और यह तमिलनाडु के कोयंबटूर में स्थित है। इसकी अधिकृत शेयर पूंजी 50.00 करोड़ रुपये है और कुल चुकता पूंजी (पेड अप कैपिटल) 10.07 करोड़ रुपये है।

31 मार्च, 2022 को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष के लिए फ्यूचर गेमिंग एंड होटल सर्विसेज़ का परिचालन राजस्व 500 करोड़ से अधिक था। इस दौरान कंपनी के पछले वर्ष की तुलना में 1.92 प्रतिशत की कमी आई थी। हालांकि, कंपनी का बुक नेटवर्थ उस दौरान 3.38 फीसदी बढ़ा था। यह कंपनी लॉटरी वितरक के रूप में काम करती है। इसके फ्यूचर गेमिंग एंड होटल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के दो निदेशक मार्टिन सैंटियागो और मानिक्का गौडर शिवप्रकाश नामक दो लोग हैं।

इलेक्टोरल बॉन्ड में महादान करने वाली कंपनी का देश की अन्य 118 कंपनियों से भी नाता

पब्लिक डोमेन में उपलब्ध जानकारी के अनुसार कंपनी के एक निदेशक मार्टिन सेंटियागो देश की 114 अलग-अलग कंपनियों में निदेशक के तौर पर जुड़े हुए हैं। वे 30 दिसंबर 1991 से कंपनी के निदेशक हैं। उनका डीआईएन नंबर 00029458 है। वहीं दूसरी ओर, फ्यूचर गेमिंग एंड होटल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के दूसरे निदेशक मनिक्का गौडर शिवप्रकाश भी देश की करीब 22 अलग-अलग कंपनियों में निदेशक के तौर पर जुड़े हुए हैं। वे 22 अगस्त, 2022 से कंपनी के निदेशक हैं। उनका डीआईएन नंबर 08109321 है। कंपनी अपने दोनों निदेशकों के माध्यम से देश की 118 कंपनियों से

दुनियाभर में होगी वंदे भारत ट्रेन की गूंज...पहिये पर बड़ी तैयारी में रेलवे

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत अब रेलगाड़ियों में इस्तेमाल होने वाले पहियों (फोर्ज्ड व्हील) का निर्यात करेगा। यह जानकारी रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दी है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि भारतीय रेलवे अब अंतरराष्ट्रीय बाजारों के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को विकसित करने पर विचार करेगा। बता दें कि 2019 में वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें लॉन्च की गई है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि रेलगाड़ियों में इस्तेमाल होने वाले पहियों (फोर्ज्ड व्हील) का आयातक होने के 60 से 70 साल बाद भारत अब इसका निर्यात करने को तैयार है। अश्विनी वैष्णव अमेरिका की सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग क्वालकॉम के चेन्नई डिजाइन केंद्र का उद्घाटन करने आए थे।

उन्होंने कहा कि रेलवे के लिए फोर्ज्ड व्हील का उत्पादन करने के लिए एक प्लांट स्थापित करने को निर्माण गतिविधियां तमिलनाडु में शुरू हो गई हैं। रेलवे ने पहले चरण में 650 करोड़ रुपये की लागत से चेन्नई के पास गुम्मिडिपोंडी में मैन्युफैक्चरिंग इकाई स्थापित करने के लिए रामकृष्ण फोर्जिंग्स लिमिटेड के साथ एक ज्वाइंट वेंचर शुरू किया है। बता दें कि रामकृष्ण फोर्जिंग्स लिमिटेड के शेयर की बात करें तो गुरुवार को 621.75 रुपये पर पहुंच गया है। यह शेयर 0.73 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ।

वंदे भारत के पहिये का होगा इस्तेमाल

अश्विनी वैष्णव ने कहा कि वंदे भारत ट्रेन बहुत सफल रही है। वंदे भारत में जो पहिये इस्तेमाल किए जाते हैं, वे विशेष गुणवत्ता वाले होते हैं। वे एक स्पेशल मैन्युफैक्चरिंग प्रक्रिया से गुजरते हैं। वैगन में हम जिन पहियों का उपयोग करते हैं, वे कास्टिंग प्रक्रिया से गुजरते हैं।

संक्षिप्त समाचार

मुधमक्खियों के हमले के कारण अल्काराज-ज्वेरेव का मैच सस्पेंड

इंडियन वेल्स, एजेंसी। अल्काराज को चेयर अंपायर के पास जाते देखा गया। रास्ते में ही उन पर मधुमक्खियों ने हमला कर दिया और वह भागकर छुप गए। इंडियन वेल्स ओपन के डिफेंडिंग चैंपियन स्पेन के कार्लोस अल्काराज

और जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव के बीच क्वार्टर फाइनल मुकाबला मधुमक्खियों के हमले के बाद रद्द कर दिया गया। इस घटना का वीडियो भी वायरल हो गया है। अल्काराज को कोर्ट से बाहर भागते हुए देखा जा सकता है। इससे पहले 18 मिनट का मुकाबला हो चुका था और स्कोर 1-1 से बराबर था। तभी अल्काराज को चेयर अंपायर के पास जाते देखा गया। रास्ते में ही उन पर मधुमक्खियों ने हमला कर दिया और वह भागकर छुप गए।

रिकी पोंटिंग को इंडिया वर्सेस पाकिस्तान मुकाबले का बेसब्री से इंतजार

नईदिल्ली, एजेंसी। टी20 वर्ल्ड कप 2024 का आगाज होने में अब महज कुछ ही महीनों का समय रह गया है। हर बार की तरह इस टूर्नामेंट में भी हर किसी को इंडिया वर्सेस पाकिस्तान मुकाबले का इंतजार है। पिछली बार टी20 वर्ल्ड कप में ये दोनों टीमें भिड़ी थी तो विराट

कोहली की हैरतअंगेज पारी के दम पर भारत ने हारी हुई बाजी जीती थी। इस बार भारत बनाम पाकिस्तान मुकाबला अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में खेला जाना है और इस मुकाबले का पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान रिकी पोंटिंग भी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। उनका मानना है कि यह टूर्नामेंट आने वाले वर्षों में संयुक्त राज्य अमेरिका में क्रिकेट को पनपने में मदद करेगा और अमेरिका में भी मेलबर्न जैसा नजारा देखने को मिलेगा।

शतरंज महासंघ के सबसे युवा अध्यक्ष बनें नितिन, भारत के दूसरे ग्रैंड मास्टर दिब्येंदु बरुआ बने उपाध्यक्ष

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के अनिल कुमार रायजादा को भी उपाध्यक्ष चुना गया है। नितिन नारंग हरियाणा राज्य से एआईसीएफ के अध्यक्ष बनने वाले पहले व्यक्ति हैं। हरियाणा शतरंज संघ के उपाध्यक्ष नितिन नारंग को अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) का अध्यक्ष चुना गया है। वह एआईसीएफ के अब तक के सबसे युवा अध्यक्ष

हैं। खेल संहिता के आधार पर एआईसीएफ के चुनाव में करनाल के 36 वर्षीय व्यवसायी नितिन को निर्विरोध चुना गया। उन्होंने कानपुर के संजय कपूर का स्थान लिया है। गुजरात के देव पटेल को महासचिव और बिहार के धर्मेंद्र कुमार को कोषाध्यक्ष चुना गया है। वहीं विश्वनाथन आनंद के बाद देश के दूसरे ग्रैंड मास्टर पश्चिम बंगाल के दिब्येंदु बरुआ को उपाध्यक्ष चुना गया है। उत्तर प्रदेश के अनिल कुमार रायजादा को भी उपाध्यक्ष चुना गया है। नितिन नारंग हरियाणा राज्य से एआईसीएफ के अध्यक्ष बनने वाले पहले व्यक्ति हैं।

व्हाइट बॉल क्रिकेट में स्टॉप क्लॉक रूल होगा परमानेंट

अगला ओवर शुरू करने के लिए मिलेंगे 60 सेकेंड; गलती पर 5 रन की पेनल्टी

नई दिल्ली। लिमिटेड ओवर्स क्रिकेट यानी वनडे और टी-20 फॉर्मेट में स्टॉप क्लॉक रूल परमानेंट होने जा रहा है। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (ICC) ने फैसला लिया कि दोनों फॉर्मेट में टाइम मैनेज करने के लिए इस रूल को अप्लाय किया जाएगा।

स्टॉप क्लॉक रूल में बॉलिंग टीम को पारी का अगला ओवर शुरू करने के लिए 60 सेंकेड का टाइम मिलेगा। ऐसा नहीं करने पर टीम पर पेनल्टी लग जाएगी। ICC के टी-20 वर्ल्ड कप के साथ यह रूल यूनिवर्सल हो जाएगा। यानी सभी तरह के व्हाइट बॉल क्रिकेट में इसे अप्लाय किया जाएगा।

हर तीसरी गलती पर 5 रन की पेनल्टी

फील्ड अंपायर 60 सेकेंड में ओवर शुरू करने के लिए 2 बार वॉर्निंग देगा। तीसरी बार गलती करने के बाद बॉलिंग टीम पर 5 रन की पेनल्टी लग जाएगी। फिर पारी में हर तीसरी गलती पर बॉलिंग टीम पर 5 रन की पेनल्टी लगती जाएगी। यानी एक वनडे पारी में अगर किसी टीम ने 9 बार ओवर शुरू करने में 60 सेकेंड से ज्यादा का समय लिया तो बैटिंग टीम के खाते में 15 रन जुड़ जाएंगे।

थर्ड अंपायर शुरू करेगा टाइमर

ओवर खत्म होने पर मैदान में लगी टीवी स्क्रीन पर 60 सेकेंड का काउंटडाउन शुरू हो जाएगा। थर्ड अंपायर कंट्रोल रूम से इसे शुरू करेगा। 60 सेकेंड का टाइम पार होने पर फील्ड अंपायर फील्डिंग टीम के कप्तान को वॉर्निंग देगा और हर वॉर्निंग का ध्यान भी रखेगा। यह बिलकुल उस तरह होगा, जैसे इन दिन ड्रिंक्स लेने के लिए दोनों ही टीमों को 15 सेकेंड का टाइम मिलता है। अपील होने के बाद थर्ड अंपायर स्टॉप क्लॉक शुरू कर देता है, जो मैदान की स्क्रीन पर नजर आती है। इसी को देखकर खिलाड़ी रिव्यू लेने के बारे में फैसला करते हैं।

टी-20 वर्ल्ड कप से परमानेंट होगा रूल

ICC ने फैसला किया है कि जून में होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप के साथ स्टॉप क्लॉक रूल परमानेंट हो जाएगा। अगर बैटर या ड्रिंक्स के कारण ओवर शुरू करने में देरी हुई तो अंपायर के पास स्टॉप क्लॉक को रोकने का अधिकार भी होगा, ताकि फील्डिंग टीम पर बगैर गलती के पेनल्टी न लगे।

दिसंबर में शुरू किया था टी-20 फॉर्मेट में ट्रायल

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (ICC) ने दिसंबर 2023 में स्टॉप क्लॉक रूल का ट्रायल शुरू किया था। तब इसे टी-20 फॉर्मेट में ही अप्लाय किया गया। वेस्टइंडीज और इंग्लैंड ने इस रूल के साथ पहला मैच खेला। इस साल के अप्रैल तक रूल का ट्रायल होना था, लेकिन अच्छे नतीजों को देखते हुए ICC ने मार्च से ही इसे परमानेंट करने का फैसला कर लिया। ICC के बोर्ड मेंबर्स इस वक्त दुबई स्थित हेडक्वार्टर में मीटिंग कर रहे हैं। इसी मीटिंग में स्टॉप क्लॉक रूल को परमानेंट बनाने का फैसला किया गया। यह सिर्फ टी-20 ही नहीं, ICC के वनडे फॉर्मेट में भी लागू होगा। दोनों ही फॉर्मेट में टाइम मैनेज करने के लिए इसे लाया गया। टेस्ट क्रिकेट में ओवर रेट पूरा नहीं करने पर टीमों के वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में पॉइंट्स काट लिए जाते हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी के वेन्यू पर चर्चा नहीं

ICC की बोर्ड मीटिंग शुक्रवार को भी होगी। हालांकि, क्रिकबज की रिपोर्ट अनुसार, मीटिंग में 2025 की चैंपियंस ट्रॉफी के वेन्यू पर डिस्कशन नहीं होगा। टी-20 वर्ल्ड कप खत्म होते ही चैंपियंस ट्रॉफी का मुद्दा गरमाने लग जाएगा, क्योंकि टूर्नामेंट की मेजबानी पाकिस्तान को मिली है और 2 बार की चैंपियन टीम इंडिया ने पॉलिटिकल कारणों के चलते यहां जाने से मना कर दिया है।

IPL में बतौर कप्तान सबसे ज्यादा मैच जीतने का रिकॉर्ड एमएस धोनी के नाम

नईदिल्ली, एजेंसी। आईपीएल में अगर सबसे सफल कप्तानों की बात अपनी टीम को चैंपियन बनाने के मामले में की जाए तो इसमें एमएस धोनी और रोहित शर्मा बराबरी पर हैं। दोनों की कप्तानी में उनकी-उनकी टीमें 5-5 बार चैंपियन बन चुकी है, लेकिन आईपीएल 2024 में रोहित शर्मा अब मैदान पर कप्तान के रूप में नजर नहीं आएंगे क्योंकि उनसे मुंबई इंडियंस की कप्तानी ले ली गई थी और उनकी जगह टीम का कप्तान हार्दिक पांड्या को बना दिया गया। वहीं इस लीग में अगर बात बतौर कप्तान सबसे ज्यादा मैच जीतने वाले खिलाड़ी की बात की जाए तो इस मामले में एमएस धोनी पहले नंबर पर हैं जबकि रोहित शर्मा दूसरे नंबर पर हैं तो वहीं आरसीबी के पूर्व कप्तान विराट कोहली इस लिस्ट में चौथे नंबर पर हैं।

आईपीएल में साल 2008 से लेकर 2023 तक अगर बात बतौर कप्तान सबसे ज्यादा मैच जीतने वाले खिलाड़ी की हो तो इसमें अव्वल नंबर पर सीएसके टीम के मौजूदा कप्तान एमएस धोनी मौजूद हैं। एमएस धोनी ने आईपीएल में अब तक कुल 226 मैचो में कप्तानी की है जिसमें उन्हें 133 मैचों में जीत मिली है और वह इस लीग में 100 या उससे ज्यादा मैच जीतने वाले इकलौते कप्तान हैं। इस लीग में कप्तान के रूप में सबसे ज्यादा मैच जीतने वाले खिलाड़ी की लिस्ट में दूसरे नंबर पर मुंबई इंडियंस के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा हैं। रोहित शर्मा ने इस लीग में कुल 158 मैचों में कप्तानी की थी जिसमें से उन्हें 87 मैचों में जीत मिली थी। आईपीएल में बतौर कप्तान सबसे ज्यादा मैच जीतने वाले प्लेयर्स की लिस्ट में तीसरे नंबर पर गौतम गंभीर हैं। गंभीर ने इस लीग में कई टीमों के लिए कप्तानी की थी और कप्तान के रूप में कुल 129 मैच खेले थे जिसमें से उन्हें 71 मुकाबलों में जीत मिली थी।

सबसे ज्यादा मैच जीतने वाले टॉप 5 कप्तान

एमएस धोनी	133 जीत (226 मैच)
रोहित शर्मा	87 जीत (158 मैच)
गौतम गंभीर	71 जीत (129 मैच)
विराट कोहली	66 जीत (143 मैच)
डेविड वॉर्नर	40 मैच (83 मैच)

आईपीएल 2024

कोहली 6 रन बनाते ही रच देंगे इतिहास

बन जाएंगे टी-20 में, 12,000 रन बनाने वाले पहले भारतीय बैट्समैन

नईदिल्ली, एजेंसी। आरसीबी के स्टार बल्लेबाज व पूर्व कप्तान विराट कोहली के पास आईपीएल 2024 में एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम करने का बड़ा मौका है। आईपीएल के 17वें सीजन की शुरुआत 22 मार्च से होगी और पहले ही मुकाबले में आरसीबी का सामना डिफेंडिंग चैंपियन सीएसके के साथ होगा। इस मैच में विराट कोहली 6 रन बनाते ही इतिहास रच देंगे। कोहली इस लीग के एकमात्र ऐसे खिलाड़ी हैं जो पिछले 16 सीजन से सिर्फ आरसीबी के लिए खेल रहे हैं। उनके नाम पर इस लीग में सबसे ज्यादा रन बनाने का साथ ही सबसे ज्यादा शतक लगाने का रिकॉर्ड भी दर्ज है। यही नहीं उनके नाम पर एक सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने का कीर्तिमान भी दर्ज है और साल 2016 में 973 रन बनाकर उन्होंने यह उपलब्धि अपने नाम दर्ज की ली थी, लेकिन अब टी20 प्रारूप में वह भारत की तरफ से 12,000 रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बनने के बिल्कुल पास हैं।

कोहली को 12,000 रन बनाने के लिए 6 रन की जरूरत

आईपीएल 2024 में 6 रन बनाते ही विराट कोहली टी20 क्रिकेट में अपने 12,000 रन पूरे कर लेंगे और वह क्रिकेट के इस प्रारूप में रन के इस आंकड़े को छूने वाले पहले खिलाड़ी बन जाएंगे। विराट कोहली ने टी20 में अब तक कुल 11994 रन बनाए हैं। विराट कोहली ने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में 4037 रन बनाए हैं तो वहीं आईपीएल में 7263 रन उनके नाम पर दर्ज है। भारत की तरफ से इस वक्त विराट कोहली टी20 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हों तो वहीं रोहित शर्मा उनके बाद यानी दूसरे स्थान पर हैं।

टी20 में भारत की तरफ से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप 5 बल्लेबाज

विराट कोहली	11,1194 रन
रोहित शर्मा	11,156 रन
शिखर धवन	9,465 रन
सुरेश रैना	8654 रन
केएल राहुल	7066 रन

गेल, मलिक, पोलार्ड और वॉर्नर की लिस्ट में शामिल होंगे कोहली

विराट कोहली टी20 क्रिकेट में 6 रन बनाते ही 12,000 रन पूरे करने वाले पहले भारतीय जरूर बन जाएंगे, लेकिन ओवरऑल वह टी20 में 12,000 रन बनाने वाले दुनिया के छठे बल्लेबाज बन जाएंगे। टी20 में कोहली के पहले 12,000 या उससे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज क्रिस गेल, शोएब मलिक, किरोन पोलार्ड, एलेक्स हेल्स और डेविड वॉर्नर हैं। अब विराट कोहली इन खिलाड़ियों की इस खास लिस्ट में शामिल हो जाएंगे।

टी20 के टॉप 6 बल्लेबाज

- क्रिस गेल- 14,562 रन
- किरोन पोलार्ड- 12,900 रन
- डेविड वॉर्नर- 12,065 रन
- शोएब मलिक- 13,360 रन
- एलेक्स हेल्स- 12,225 रन
- विराट कोहली- 11,1194 रन

बाबर आजम की सुस्त पारी पड़ी पेशावर जाल्मी पर भारी

मुल्तान सुल्तान ने लगातार चौथी बार फाइनल में बनाई जगह

इस्लामाबाद, एजेंसी। बाबर आजम की सुस्त पारी गुरुवार की रात पेशावर जाल्मी पर भारी पड़ी जिसका खामियाजा टीम को पीएसएल 2024 के क्वालीफायर में मिली हार के साथ उठाना पड़ा। इसी के साथ मोहम्मद रिजवान की अगुवाई वाली मुल्तान सुल्तान ने लगातार चौथी बार पीएसएल के फाइनल में अपनी जगह बनाई है। पाकिस्तान सुपर लीग 2024 का क्वालीफायर मुकाबला 14 मार्च को कराची के नेशनल स्टेडियम में खेला गया था। इस मैच में पहले बैटिंग करते हुए पेशावर जाल्मी ने निर्धारित 20 ओवर में 146 रन बोर्ड पर लगाए थे। इस स्कोर को मुल्तान सुल्तान की टीम ने 9 गेंदें और 7 विकेट शेष रहते हासिल कर फाइनल का टिकट कटाया। टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने उतरी पेशावर जाल्मी की शुरुआत कुछ खास नहीं रही। पहले ही ओवर में सईम अय्यूब के रूप में टीम को पहला झटका लगा। हालांकि इसके बाद बाबर आजम और मोहम्मद हारिस ने मिलकर पावरप्ले के खत्म होते-होते टीम को 50 के पार पहुंचाया, मगर जैसे ही हारिस आउट हुए तो मानों पेशावर और बाबर आजम की रन गति पर ब्रेक लग गए। टीम लगातार अंतराल में विकेट खोती रही जिस वजह से पेशावर 150 रन का आंकड़ा तक नहीं छू पाया। बाबर आजम ने 42 गेंदों पर 5 चौकों की मदद से 46 रनों की सर्वाधिक पारी खेली।

UEFA Champions League

ओब्लैक के दो बचाव से एटलेटिको सेमीफाइनल में

मैड्रिड, एजेंसी। जर्मनी के क्लब बोरसिया डॉर्टमुंड ने डच क्लब पीएसवी आइंडहोवेन को 2-0 से हराकर चैंपियंस लीग के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। दोनों के बीच पहला चरण 1-1 की बराबरी पर रहा था। गोलकीपर जेन ओब्लैक के दो शानदार बचाव की बदौलत स्पेनिश क्लब एटलेटिको मैड्रिड ने इटैलियन क्लब इंटर मिलान को पेनल्टी शूटआउट में 3-2 से हराकर चैंपियंस लीग के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। पहले चरण में गत उपविजेता इंटर के हाथों 0-1 से हार के बाद बुधवार की रात एटलेटिको ने निर्धारित समय में 2-1 से जीत हासिल कर गोल औसत 2-2 कर दिया। परिणाम के लिए अतिरिक्त समय का सहारा लिया गया, यहां गोल नहीं होने पर पेनाल्टी शूटआउट में एटलेटिको ने बाजी मार ली।

डीपे ने शूटआउट में भी किया गोल

मैच के बाद मेट्रोपोलिटानो स्टेडियम जश्न में डूबा था और एटलेटिको के कोच डिएगो सिमोन की आंखों में आंसू थे। सिमोन ने कहा कि वह खिलाडियों और प्रशंसको केलिए बेहद खुश हैं। हम एक बार फिर यूरोप की श्रेष्ठ आठ टीमों में हैं। शूटआउट में एटलेटिको के लिए डीपे, रोड्रिगो रीकुएल्मे, एंजेल कोरिया ने गोल किए। निगुएज की किक को इंटर के गोलकीपर यान सोमेर ने बचाया। इंटर के लिए शूटआउट में कालहानोग्लू, फ्रांसेस्को असेरबी ने गोल किए। एटलेटिको बीते सत्र में ग्रुप दौर में ही बाहर हो गया था, जबकि 2021-22 के क्वार्टर फाइनल में उसे मैनचेस्टर सिटी ने हराया था।

दिल्ली कैपिटल्स ने

एनगिडी की जगह ऑलराउंडर जेक फ्रेजर-मैक्गर्क को टीम में शामिल किया

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) ने टाटा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 के आगामी संस्करण के लिए लुंगिसानी एनगिडी के प्रतिस्थापन के रूप में ऑलराउंडर जेक फ्रेजर-मैक्गर्क को नामित किया। एनगिडी, जिन्होंने 14 आईपीएल मैच खेले हैं और उनके नाम 25 विकेट हैं, चोट के कारण आईपीएल 2024 से बाहर हो गए। जेक फ्रेजर-मैक्गर्क ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 2 वनडे मैच खेले हैं। वह 50 लाख रुपये के आरक्षित मूल्य पर डीसी में शामिल हुए।

दिव्या ने हीरो हीरोइन से की तेलुगु फिल्मों में वापसी

टॉयलेटः एक प्रेम कथा, पैडमैन, परमाणुः द स्टोरी ऑफ पोखरण और रुस्तम जैसी प्रभावशाली फिल्में बनाने वाली प्रोड्यूसर प्रेरणा अरोड़ा एक फिल्म का निर्माण कर एक फिल्ममेकर के रूप में अपनी उपलब्धि में एक और उपलब्धि जोड़ रही हैं। बाइलिंगुअल हिंदी-तेलुगु फिल्म, जिसका नाम हीरो हीरोइन है।

फिल्म में दिव्या खोसला कुमार मुख्य भूमिका में होंगी और यह फ्लोर पर जाने के लिए पूरी तरह तैयार है। प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए, दिव्या ने कहा, जरा कल्पना करें, मैंने अंग्रेजी सबटाइटल वाली कई तेलुगु फिल्मों का आनंद लिया है। उनके बेहतरीन विषय, शानदार प्रदर्शन और तकनीकी कुशलता की सराहना की है। अब, अचानक, मैं खुद को एक तेलुगु फिल्म में कास्ट पाती हूं। लेकिन इस बार कोई सबटाइटल पर निभर नहीं रह सकती, मुझे खुद यह भाषा बोलनी होगी। यह एक बिल्कुल नई दुनिया है।

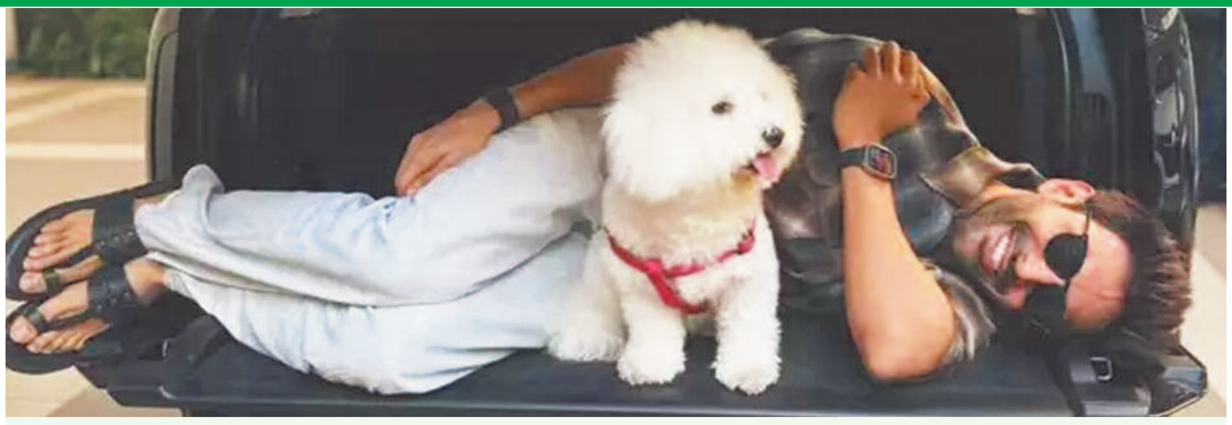

कार्तिक ने खरीदी लग्जरी रेंज रोवर कार

कार्तिक आर्यन की लग्जरी गाड़ियों की लिस्ट में एक और कार शामिल हो गई है। बड़ी और महंगी गाड़ियों के शौकीन कार्तित ने अपने लिए रेंज रोवर कार खरीदी है। एक्टर ने इसकी एक खूबसूरत झलक दिखाई है जिसमें वह अपने डॉग कटोरी के साथ कार की डिक्की में आराम फरमाते नजर आ रहे हैं। भूल भुलैया 3 को लेकर इन दिनों खबरों में छाए कार्तिक आर्यन की लग्जरी गाड़ियों की लिस्ट में एक और कार शामिल हो गई है। कार्तिक ने फिर एक नई एसयूवी कार खरीद डाली है जिसकी कुछ झलकियां सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही हैं।

बता दें कि कार्तिक को लग्जरी और उम्दा गाड़ियों को जबरदस्त शौक है और इस बार उन्होंने अपनी ड्रीम कार खरीद ली है। उनकी इस नई एसयूवी कार रेंज रोवर के साथ कुछ वीडियो सामने आए हैं। इन झलकियों में कार्तिक अपनी नई कार के सामने नारियल फोड़ते नजर आ रहे हैं। वहीं कार्तिक ने ये खुशखबरी फैन्स से खुद सोशल मीडिया पर शेयर की है। कार्तिक ने जो तस्वीर शेयर की है उसमें वह अपनी इस नई कार की डिक्की में अपने प्यारे कटोरी के साथ आराम फरमाते दिख रहे हैं।

ईद पर टकराएंगे सलमान खान और यश !

बॉक्स ऑफिस पर इन फिल्मों का होगा क्लैश

बॉलीवुड के भाईजान सलमान खान अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट्स को लेकर चर्चा में हैं. बीता साल उनके लिए कुछ खास नहीं रहा था. दो फिल्में आईं थी. पहली- किसी का भाई किसी की जान. जो बॉक्स ऑफिस पर कोई कमाल नहीं दिखा सकी. दूसरी है 'टाइगर 3'. इसने ठीक-ठाक कमाई कर ली. लेकिन वो उम्मीदों से बेहद कम थी. अब अपनी अपकमिंग फिल्मों को लेकर काफी सोच-समझकर चुन रहे हैं. नाम तो सलमान खान का 8-10 फिल्मों से जुड़ रहा है. लेकिन अब तक एक का ही ऐलान किया है. फिल्म को मुरुगाडॉस डायरेक्ट कर रहे हैं, जबकि साजिद नाडियाडवाला इसे प्रोड्यूस कर रहे हैं. 'टाइगर 3' के बाद से ही सबको उनके अगले प्रोजेक्ट का इंतजार था. जो पता भी लग गया है. एक्टर ने बीते दिनों ही इसका ऑफिशियल ऐलान भी किया था. हालांकि, टाइटल अबतक फाइनल नहीं हुआ है. ऐसा कहा जा रहा है कि इसे इसी साल ईद पर बता दिया जाएगा. इसके अलावा एक पोस्टर भी जारी होगा.

सलमान खान की पिक्चर का यश से क्लैश होगा !

सलमान खान भी अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट को लेकर काफी एक्साइटेड नजर आ रहे हैं. फिल्म को ए.आर. मुरुगादास डायरेक्ट करने वाले हैं. वहीं साजिद नाडियाडवाला के कंधे पर इसे प्रोड्यूस करने की जिम्मेदारी है. ऐसा पता लगा है कि, इसे अगले साल यानी साल 2025 ईद पर रिलीज किया जाएगा. इसी बीच एक रिपोर्ट सामने आई है. जिसके मुताबिक, रॉकिंग स्टार यश भी अपनी 'टॉक्सिक' को ईद पर ही रिलीज करने वाले हैं. यानी सलमान खान की पिक्चर को खतर हो सकता है. रिपोर्ट से पता लगा कि, यश की 'टॉक्सिक' 10 अप्रैल 2025 में सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है.

राजनीति में उतरे राम गोपाल वर्मा

आंध्र प्रदेश के पीथापुरम सीट से लड़ेंगे लोकसभा चुनाव

फिल्ममेकर राम गोपाल वर्मा ने एक बड़ा ऐलान किया है, जिसने सबको हैरान कर दिया है। RGV ने ट्विटर पर ऐलान किया है कि वह लोकसभा चुनाव लड़ने वाले हैं। उन्होंने ये भी बताया कि ये फैसला उन्होंने अचानक लिया है। फिल्ममेकर ने ट्विटर पर ऐलान करते हुए लिखा, अचानक लिया गया फैसला। मुझे बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि मैं पीथापुरम से चुनाव लड़ रहा हूं।

राम गोपाल वर्मा ने बताया है कि वह आंध्र प्रदेश की पीथापुरम सीट से लोकसभा चुनाव लड़ने वाले हैं। राम गोपाल ने ये ऐलान तेलुगु देशम पार्टी-भारतीय जनता पार्टी-जन सेना पार्टी (जेएसपी) के गठबंधन के टॉलीवुड अभिनेता और जेएसपी प्रमुख पवन कल्याण को पीथापुरम सीट से मैदान में उतारने की घोषणा के बाद किया। बता दें कि पिछले साल राम गोपाल वर्मा ने आंध्र प्रदेश की राजनीति पर आधारित फिल्म 'व्यूहम' बनाई थी। जिसके बाद कई स्थानीय नेताओं ने फिल्म निर्माता को राज्य से निष्कासित करने की मांग की थी।

इस एक्टर ने भी दिया सरप्राइज

राम गोपाल वर्मा से पहले भोजपुरी स्टार पवन सिंह ने भी चुनाव लड़ने का ऐलान किया। बुधवार को पवन सिंह ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर बताया कि वह 2024 लोकसभा चुनाव लड़ेंगे। पोस्ट में उन्होंने लिखा,मैं अपने समाज जनता जनार्दन और मां से किया हुआ वादा पूरा करने के लिए चुनाव लड़ूंगा।

आप सभी का आशीर्वाद एवं सहयोग अपेक्षित है। जय माता दी। पवन सिंह के चुनाव लड़ने को लेकर कहा जा रहा था कि वह पश्चिम बंगाल की आसनसोल सीट से मैदान में उतरेंगे। लेकिन एक्टर ने इससे इनकार कर दिया।

टप्पू नहीं, इस एक्टर के प्यार में दीवानी थीं बबीता जी! रिश्ता टूटने पर करना चाहती थीं आत्महत्या?

एक वक्त था जब मुनमुन दत्ता और अरमान कोहली के अफेयर के चर्चे हुआ करते थे। हालांकि एक्ट्रेस ने इससे इनकार कर दिया था। इतना ही नहीं उन्होंने दोनों को लेकर खबर फैलाने वालों के खिलाफ एक्शन लेने की भी बात कही थी।

टीवी के लोकप्रिय शो 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' फेम मुनमुन दत्ता उर्फ बबीता जी इस वक्त को-एक्टर राज अनादकट उर्फ टप्पू के साथ सगाई की खबरों को लेकर चर्चा में हैं। बुधवार को खबर आई थी कि दोनों ने सगाई कर ली है। अब मुनमुन दत्ता ने इसपर नाराजगी जताते हुए इस खबर को सिरे से नकार दिया है। उनका कहना है कि इस खबर में 1% भी सच्चाई नहीं है और वह इस तरह की खबरों पर अपनी एनर्जी और अटेंशन वेस्ट नहीं करना चाहतीं।

बता दें कि ये पहली बार नहीं है जब मुनमुन दत्ता का नाम किसी के साथ जोड़ा गया हो। उनकी पर्सनल लाइफ को लेकर हमेशा कोई न कोई खबर सामने आती रही है। दावा किया जाता है कि मुनमुन, एक्टर अरमान कोहली के साथ सीरियस रिलेशनशिप में थीं और दोनों के बीच काफी झगड़े हुआ करते थे। इतना ही नहीं अरमान उनके साथ मारपीट भी करते थे, जिसके चलते एक बार मुनमुन के मन में आत्महत्या का ख्याल भी आया था। ये सारे दावे एक्ट्रेस डॉली बिंद्रा ने किए थे। उन्होंने बताया था कि दोनों के बीच झगड़े हुआ करते थे और जब बात बढ़ जाती थी तो अरमान,मुनमुन पर हाथ उठा देते थे। हालांकि मुनमुन या अरमान की ओर से इस रिश्ते की खबर पर कभी मुहर नहीं लगी। बल्कि मुनमुन ने एक बार सोशल मीडिया पर लंबा चौड़ा पोस्ट शेयर कर अरमान संग उनका नाम जोड़े जाने पर गुस्सा जाहिर किया था।

एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा था

अरमान कोहली संग मेरे रिश्तों को लेकर फेक न्यूज फैलाना बंद करो। मैं पिछले कुछ सालों से इस खबर पर किसी तरह का रिएक्ट नहीं कर रही थी क्योंकि मुझे लगा कि ये बकवास अपने आप खत्म हो जाएगी लेकिन ऐसा नहीं हुआ अभी भी कोई न कोई इस तरह की खबर को चलाता रहता है। ऐसी फेक न्यूज को छापना बंद करें नहीं तो मैं कोर्ट का सहारा लूंगी। फिलहाल मुनमुन दत्ता का नाम राज अनादकट के साथ जोड़ा जा रहा है। जो उनसे 9 साल छोटे हैं। इस वक्त दोनों की सगाई की खबर चल रही है। जिसपर दोनों एक्टर्स ने गुस्सा जाहिर किया। मुनमुन दत्ता के साथ-साथ अनादकत ने भी इसपर रिएक्शन दिया। उन्होंने सोशल मीडिया पर स्टोरी डालते हुए इस खबर को अफवाह बताया है।

डॉक्टर ने सामंथा पर गुमराह करने का आरोप

तेलुगू एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु ने हाल ही में एक वीडियो शेयर किया जिसमें वह किसी हेल्थ एक्सपर्ट के साथ लिवर डिटॉक्स पर विस्तार से चर्चा कर रही हैं। अब खुद को लिवर एक्सपर्ट बताने वाले एक डॉक्टर ने उनकी धज्जियां उड़ा दी है और कहा है कि वह अपने करोड़ो फैन्स को गुमराह कर रही हैं।

तेलुगू एक्ट्रेस और सुपरस्टार सामंथा रुथ प्रभु ने अपने पॉडकास्ट का एक वीडियो सोशल मीडिया शेयर किया है, जिसके बाद उनपर अपने 33.2 मिलियन यूजर्स को मिसलीड करने का आरोप लगा है। इस वीडियो में एक्ट्रेस किसी मेडिकल एक्सपर्ट के साथ लिवर डिटॉक्स के बारे में जानकारी शेयर कर रही हैं। अब इसी वीडियो में दी गई जानकारियों को लेकर एक लिवर डॉक्टर ने सोशल मीडिया पर उनकी धज्जियां उड़ा दी हैं और कहा है कि सामंथा अपने 33 करोड़ यूजर्स को गुमराह कर रही हैं।

सामंथा ने जो वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है उसमें एक्ट्रेस लिवर डिटॉक्स करने के लिए डेंडिलियन रूट्स से बनी चाय का इस्तेमाल करने को कह रही हैं। अब इसी वीडियो पर एक मेडिकल एक्सपर्ट ने सवाल उठाया है और रिसर्च के आधार पर इसे गलत बताया है।

सामंथा पर अपने फॉलोअर्स को गुमराह करने के लगे आरोप

अपने यूट्यूब चैनल के लिए बनाए इस वीडियो में सामंथा एक मेडिकल एक्सपर्ट अलकेश के साथ हेल्थ और डिटॉक्स के तरीकों को लेकर काफी सारी बातें कर रही हैं। एक्ट्रेस उनसे डीटॉक्स के लिए इस्तेमाल होनेवाले हर्ब्स के बारे में बातें करती दिख रही हैं और एक्सपर्ट बता रहे हैं कि लिवर डीटॉक्स के लिए डेंडिलियन रूट्स कितना सही है।

राखी सावंत 'किसी को खुशी नहीं दे सकती': आदिल दुर्रानी

राखी सावंत के पूर्व पति आदिल दुर्रानी ने 3 मार्च को 'बिग बॉस 12' की कंटेस्टेंट सोमी खान के साथ निकाह किया था। जिसके बाद राखी सावंत का इसपर रिएक्शन आया था। उन्होंने कहा था कि पूनम पांडे की डेथ की खबर की तरह ये भी कोई पब्लिसिटी स्टंट है। पहले सोमी खान ने आदिल और राखी के रिश्ते पर कहा था कि उन्हें अपने पति के पास्ट से कोई मतलब नहीं है और अब आदिल दुर्रानी ने इसके बारे में बात की है। आदिल की मानें तो उन्होंने निकाह के बारे में किसी को इसलिए नहीं बताया था क्योंकि वह नहीं चाहते थे कि किसी तरह की नेगेटिविटी आए।

सोमी के साथ निकाह करके वह खुश हैं। उनका कहना है कि राखी सावंत के साथ उनकी शादी कभी हुई ही नहीं थी क्योंकि उस वक्त राखी पहले से ही रितेश के साथ शादीशुदा थीं। बातचीत में आदिल ने कहा कि राखी सावंत उनके खिलाफ नेगेटिविटी फैला रही हैं। आदिल ने कहा कि अगर राखी सावंत के साथ उनकी शादी की बात करें तो वह पूरी तरह से अमान्य थी क्योंकि जब उन दोनों ने शादी की थी, उस वक्त राखी पहले से शादीशुदा थीं। इस मुद्दे को लेकर कोर्ट में केस भी चल रहा है।

राखी किसी को खुशी नहीं दे सकती

राखी सावंत को लेकर आदिल ने कहा कि वह जो भी बोल रही हैं या कर रही हैं मैं सब जानता हूं। आदिल ने कहा कि राखी ने उनके साथ बहुत बुरा किया है और अब उन्हें हक है कि वह अच्छी जिंदगी जिएं। आदिल ने कहा,मैं एक अच्छी जिंदगी जी रहा हूं, मेरी लाइफ कमाल की है। मुझे नहीं पता था कि बुरे पास्ट के बाद मुझे इतनी जल्दी अच्छा साथी मिलेगा। आदिल ने आगे कहा कि राखी जितना नेगेटिव करना चाहती हैं करें, उन्होंने हमेशा नेगेटिविटी फैलाई है और वह कभी किसी को खुशी नहीं दे सकतीं। आदिल ने कहा कि राखी किसी के जीवन में खुशी नहीं ला सकतीं।

सोमी के साथ शादी करने पर आदिल को ट्रोल भी किया जा रहा है। इसपर उनका कहना है, कई्र लोगों के मन में ये सवाल था कि मैंने दूसरी शादी कैसे कर ली? मुझे दोबारा शादी करने का पूरा अधिकार है क्योंकि मैं एक मुस्लिम हूं और शादी कर सकता हूं। मैंने अपने परिवार की मौजूदगी में बाकायदा निकाह किया।

पत्नी को नेगेटिविटी से दूर रखना चाहते हैं आदिल

3 मार्च को निकाह करने के कुछ दिन बाद आदिल ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी। इसके बारे में बात करते हुए आदिल ने कहा कि उन्होंने और सोमी ने तय किया था जब तक शादी नहीं हो जाती, वह इसके बारे में किसी को नहीं बताएंगे। उन्होंने कहा,बहुत नेगेटिविटी थ, हम नहीं चाहते थे कि शादी में कोई रुकावट आए।

एक्टिंग ही नहीं बिजनेस में भी है माहिर, ये अभिनेत्रियां

बॉलीवुड की अभिनेत्रियां सिर्फ एक्टिंग में ही नहीं, बल्कि बिजनेस में भी हाथ जमा चुकी है हर क्षेत्र में एक्ट्रेस का जवाब नहीं है। कई बार मौका मिलने पर इन्होंने अपना ब्रांड लॉन्च किया है तो कहीं अपना स्टार्टअप शुरू किया है। इस कड़ी में आलिया भट्ट से लेकर दीपिका पादुकोण जैसी हीरोइनों के नाम शामिल है। उन्होंने एक्टिंग की दुनिया से अलग बिजनेस में भी नाम कमाया है सबसे बड़ी बात तो यह है कि इनका हुनर सिर्फ प्रोडक्शन हाउस खोलने तक में ही नहीं बल्कि इसे हटकर कई ब्रांड में इन्वेस्ट करना भी है।

सारा अली खान

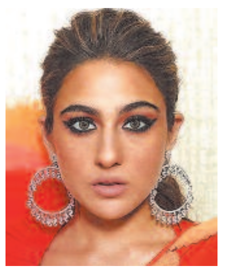

सारा अली खान की बात करें तो एक्टिंग की दुनिया में एक्ट्रेस का जवाब नहीं है सुपरहिट फिल्मों के जरिए सारा अली खान ने फिल्मों की दुनिया में अपनी पहचान बना ली है और इसमें वह कामयाब भी रही है। इसके अलावा बिजनेस की बात की जाए, तो सारा अली खान अपनी सूझबूझ और समझदारी मेहनत के बल पर बिजनेस में भी खुद को साबित कर चुकी है। सारा अली खान ने कपड़ों के एक स्टार्टअप में निवेश किया है इसके अलावा लाइफस्टाइल ब्रांड में उन्होंने पैसा लगाया है।

आलिया भट्ट

बॉलीवुड की खूबसूरत अभिनेत्री आलिया भट्ट हिंदी सिनेमा में कमाल दिखाती है। वही, इन्होंने अपने हुनर की पहचान बिजनेस में भी दी है। बॉलीवुड की टॉप हसीनो में शुमार आलिया भट्ट ने खुद का क्लॉथिंग लाइन लॉन्च किया है जिसका नाम एडए मामा है।

दीपिका पादुकोण

दीपिका पादुकोण बॉलीवुड की सबसे खूबसूरत और हुनर वाली अभिनेत्री है। दीपिका पादुकोण एक्टिंग के साथ-साथ बिजनेस में भी बेहतरीन काम करती हैं। उनके कपड़ों का लेबल और ब्रांड में काफी नाम कमाया है। उनके ब्रांड का नाम लीव, लव, लाइफ है इसके अलावा दीपिका ने अपना स्टार्टअप भी शुरू किया है।